सूर्योदय 6:39 सूर्यास्त 5:31

आज का तापमान

शिमला	11.2 न्यू	22.0 अधि
धर्मशाला	11.6 न्यू	26.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	76,918
निफ्टी	23,811

सोना 1,38,000 चांदी 1,76,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | बुधवार, 4 नवंबर 2026 | 19 कार्तिक, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 189, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

मुकेश अंबानी फिर बने एशिया के शीर्ष दौलतमंद

एजेंसी, नई दिल्ली। मुकेश अंबानी एक बार फिर एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। फोर्ब्स की ताजा रियल-टाइम रिपोर्ट के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन ने टिकटॉक की मूल कंपनी बाइटडांस के सह-संस्थापक झांग यिमिंग को पीछे छोड़ते हुए यह मुकाम हासिल किया है। मुकेश अंबानी की कुल संपत्ति में साढ़े दस प्रतिशत की जोरदार बढ़ोतरी देखी गई, जिसके बाद उनका कुल नेटवर्थ बढ़कर 88.8 बिलियन डॉलर यानी करीब 7.4 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। इस बंपर उछाल के साथ अंबानी अब दुनिया भर के रईसों की सूची में 22वें स्थान पर काबिज हो गए हैं।

त्रिपुरा में बीएसएफ के तीन जवानों पर भीड़ का हमला, नौ आरोपी काबू

एजेंसी, त्रिपुरा। त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले के आशाबाड़ी गांव में मंगलवार को सीमा सुरक्षा बल के तीन जवानों पर भीड़ ने हमला कर दिया। घटना में कंपनी कमांडर समेत तीन जवान घायल हुए हैं। पुलिस ने मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, ग्रामीण सड़क जाम कर प्रदर्शन कर रहे थे। उनका आरोप था कि जवानों ने एक स्थानीय व्यक्ति से मारपीट की और एक जवान तस्करी में शामिल है। इसी दौरान जवानों की गाड़ी पहुंचने पर भीड़ ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने घटना की निंदा करते हुए आरोपियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक ने दोषियों को न बख्शने की बात कही है।

सांसद आगा मेहंदी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस छोड़ी, जनसभा में सांसद पद से इस्तीफे का ऐलान

एजेंसी, श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस से श्रीनगर के सांसद आगा रूहुल्लाह मेहंदी ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने संसद की सदस्यता भी छोड़ने का ऐलान किया। मंगलवार को बडगाम में जनसभा करके उन्होंने सार्वजनिक रूप से इस्तीफे पर हस्ताक्षर किए। रूहुल्लाह ने कहा- यह आजादी का फैसला है। मैं एक शहीद की विरासत और पाक खून की नस्ल का प्रतिनिधित्व करता हूं। मैं अपनी आजादी के दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर रहा हूं। आज दोपहर 2:40 बजे से मैं नेशनल कॉन्फ्रेंस का हिस्सा नहीं हूं। उन्होंने बडगाम में पिता आगा सैयद मेहंदी की 26वीं पुण्यतिथि पर जनसभा बुलाई थी।

फेवीक्विक से हाथ चिपकाए, 4.5 लाख का मंगलसूत्र लूटा

एजेंसी, बेंगलुरु। बेंगलुरु के इंदिरानगर में दिनदहाड़े एक जूते और बैग की मरम्मत करने वाली दुकान में लूट की वारदात हुई। यहां 40 साल के एक व्यक्ति ने 23 साल की महिला कर्मचारी को निशाना बनाया। आरोपी ने महिला के दोनों हाथ फेवीक्विक से चिपका दिए और उसके गले पर चाकू रखकर करीब 4.5 लाख का मंगलसूत्र छीन लिया। वारदात के समय महिला दुकान में अकेली थी। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग जमा हो गए। आरोपी ने उसे फिर से चाकू की नोक पर पकड़ लिया और भागने की कोशिश की। बाद में पुलिस ने लोगों की मदद से उसे पकड़ लिया।

कोई भी अनिश्चितकाल तक प्रदर्शन स्थल पर कब्जा नहीं कर सकता : सुप्रीम कोर्ट

प्रदर्शन एक का नहीं, सबका अधिकार; रोजगार-कारोबार का ध्यान रखना भी जरूरी

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि कोई भी संगठन प्रदर्शन के लिए किसी सार्वजनिक जगह पर अनिश्चितकाल तक कब्जा नहीं कर सकता।

प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थलों पर भी एक तय समय-सीमा होनी चाहिए, ताकि दूसरे संगठनों को भी अपनी बात रखने का मौका मिल सके। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा आप हमेशा के लिए किसी जगह पर कब्जा नहीं कर सकते। वहां किसान, पत्रकार, मजदूर और दूसरे प्रदर्शनकारी कहां जाएंगे? सभी को प्रदर्शन करने का अधिकार है। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच दिल्ली में अक्तूबर में हुए सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शनों से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इनमें प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई, लोगों की हिरासत, निगरानी (सर्विलांस), प्रदर्शन स्थलों और कारोबारियों को हुए नुकसान से जुड़े मामले शामिल हैं।



◆ मेनका गुरुस्वामी ने कहा- सात हजार लोगों को हिरासत में लिया गया

सुनवाई में सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने करीब 7 हजार लोगों को हिरासत में लिए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने सवाल किया कि क्या लोकतंत्र के रूप में हम इससे प्रभावित नहीं हो रहे हैं? इस पर तुषार मेहता ने कहा कि इन लोगों को हिरासत में नहीं लिया गया था, बल्कि प्रदर्शन स्थल से हटाया गया था।

व्यापारियों ने कहा- त्योहारों में 2000 करोड़ का नुकसान

सुनवाई के दौरान दिल्ली के व्यापारिक संगठनों की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा कि प्रदर्शनों के कारण दिल्ली में कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। त्योहारों के सीजन में दुकानें बंद रहीं और बिक्री घट गई। उन्होंने दावा किया कि कारोबारियों को करीब 2,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, अगर त्योहारों के सीजन में बिक्री नहीं होगी, तो व्यापारियों और उनसे जुड़े लोगों को भारी नुकसान होगा। उन्होंने कोर्ट से अगले दो महीने तक किसी भी तरह के प्रदर्शन या धरने पर रोक लगाने की मांग की।

सीजेपी को एक दिन की अनुमति मिली, 17 दिन बैठे रहे

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दिल्ली पुलिस की ओर से कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए सिर्फ एक दिन की अनुमति दी गई थी, लेकिन प्रदर्शनकारी 17 दिन तक वहां बैठे रहे। मेहता ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने बिना अनुमति संसद की ओर मार्च भी किया। संसद देश की संप्रभुता का प्रतीक है। बिना अनुमति संसद या सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि जो संगठन बंद या प्रदर्शन का आह्वान करता है, उसे उसके परिणामों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

होर्मुज में भारतीय जहाज पर हमला एक की मौत, 14 भारतीय थे सवार

एजेंसी, ओमान। होर्मुज स्ट्रेट में 2 नवंबर को एक भारतीय जहाज पर हमला हुआ। इसमें गुजरात के एक नाविक की मौत हो गई। जहाज पर सवार बाकी 13 भारतीयों को ओमान के कोस्ट गार्ड ने सुरक्षित बचा लिया।

मृतक की पहचान गांधार नाहीम अजीज के रूप में हुई है। जहाज का नाम एमएसवी अल जुसुफी है। हमला कैसे हुआ और किसने किया इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हमले के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना बंद होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों पर जहाजों की आवाजाही और कारोबार बिना किसी रुकावट के जारी रहना चाहिए। ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा एजेंसी UKMTO के मुताबिक, इस साल अक्तूबर में होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास जहाजों पर 30 से ज्यादा हमले हुए। ईरान-अमेरिका जंग शुरू होने के बाद एक महीने में हमलों की यह सबसे बड़ी संख्या थी। इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक, 28 फरवरी को अमेरिका-ईरान संघर्ष शुरू होने के बाद से 30 अक्तूबर तक फारस की खाड़ी, होर्मुज और ओमान की खाड़ी में 122 जहाजों पर हमला हुआ। होर्मुज दुनिया का एक अहम समुद्री रास्ता है। यहां से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल दूसरे देशों तक पहुंचता है। लगातार हो रहे हमलों से तेल की सप्लाई और दुनियाभर के कारोबार पर असर पड़ सकता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत लगातार बातचीत और कूटनीति को समर्थन देता आया है और सभी पक्षों से शांति और स्थिरता की बहाली सुनिश्चित करने का आग्रह करता रहा है। उन्होंने कहा कि संघर्ष से अब तक कई लोग हताहत हुए हैं और घटनाक्रम न केवल क्षेत्र की जनता बल्कि विश्वभर में लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है।



◆ 13 को ओमान के कोस्ट गार्ड ने सुरक्षित बचाया

भारत ने पहली बार एक लॉन्चर से दो मिसाइलें दागीं, 500 किमी दूर 2 टारगेट किए तबाह

एजेंसी, चांदीपुर। डीआरडीओ ने ओडिशा के चांदीपुर से प्रलय मिसाइल का सफल परीक्षण किया। इसकी खासियत यह है कि एक ही लॉन्चर से 2 मिसाइलें लगातार दागी जा सकती हैं। 500 किलोमीटर तक मार करने वाली यह मिसाइल दुश्मन के अलग-अलग ठिकानों को निशाना बना सकती है। इसे क्वासी-बैलेस्टिक मिसाइल कहा जाता है, क्योंकि यह उड़ान के दौरान अपना रास्ता भी बदल सकती है।

इस परीक्षण के पहले 2 किमी के दायरे में रहने वाले लोगों को वहां से हटा दिया गया था। रूस और अमेरिका पहले से ही इस तरह की मल्टी-मिसाइल लॉन्च क्षमता वाले सिस्टम विकसित कर चुके हैं। हालांकि, भारत ने यह क्षमता अपनी स्वदेशी तकनीक से विकसित की है। आम बैलिस्टिक मिसाइल सीधे ऊपर जाकर फिर नीचे आती है, रास्ता पहले से पता चल जाता है। प्रलय लो-ट्रेजेक्टरी पर जाती है, बीच में ही दिशा बदल सकती है, टर्मिनल फेज में मैन्युवर करती है।

नेपाल के एवरेस्ट में दो हेलिकॉप्टरों की टक्कर, भारतीय पर्यटक की मौत

एजेंसी, काठामांडू। नेपाल के एवरेस्ट क्षेत्र में मंगलवार सुबह लैंडिंग के दौरान दो हेलिकॉप्टर आपस में टकरा गए। हादसे में एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई, जबकि न्यूजीलैंड का एक भारतीय मूल का नागरिक घायल हो गया।

शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, दोनों हेलिकॉप्टरों के रोटर ब्लेड आपस में टकराए थे। हादसा सुबह 8:11 बजे सोलुखुम्बु जिले के फेरीचे हेलिपैड पर हुआ। यहां फिशटेल एयर और एयर डायनेस्टी के हेलिकॉप्टर उतरने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक फिशटेल एयर के हेलिकॉप्टर में सवार भारतीय पर्यटक वसंत कुमार बालारामारामाडु की मौत हुई है। इसी हेलिकॉप्टर में सवार न्यूजीलैंड के नागरिक शैलेश कृष्ण पटेल घायल हुए हैं। वे भारतीय मूल के हैं। नेपाल में पहाड़-घाटियां, बदलता मौसम, जोखिम भरे रनवे विमान या हेलिकॉप्टर हादसे की मुख्य वजह हैं।



◆ न्यूजीलैंड का नागरिक और दोनों पायलट जख्मी

चुवाड़ी में खुलेगा सिविल कोर्ट : सीएम सुक्खू

सीबीएसई स्कूल खोलने व सड़क परियोजनाओं के लिए 10 करोड़ देने की घोषणा की

भारतेन्दु संवाददाता, चंबा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने चंबा जिले के भटियात विधानसभा क्षेत्र को कई महत्वपूर्ण सौगातें दी हैं। उन्होंने चुवाड़ी में सिविल कोर्ट खोलने, क्षेत्र में सीबीएसई से संबद्ध स्कूल स्थापित करने और विभिन्न सड़क परियोजनाओं के लिए 10 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने ये घोषणाएं चुवाड़ी चौगान में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अगले माह से 'मुख्यमंत्री का अपना परिवार सुखी परिवार योजना' शुरू करेगी। इसके तहत गरीब परिवारों की पात्र महिलाओं को 1,500 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता दी जाएगी। लाभार्थियों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली और स्वास्थ्य बीमा कार्ड के माध्यम से नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाएगी। इस योजना से भटियात क्षेत्र के लगभग 10 हजार पात्र परिवारों की 20 हजार महिलाएं लाभान्वित होंगी। सरकार कच्ची हल्दी के लिए 150 रुपए, गेहूं के लिए 80 रुपए और मक्की के लिए 50 रुपए प्रति किलोग्राम न्यूनतम समर्थन मूल्य दे रही है। वहीं गाय के दूध के लिए 61 रुपये और भैंस के दूध के लिए 71 रुपये प्रति लीटर समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सुविधाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि चंबा मेडिकल कॉलेज के सुचारू संचालन के लिए 190 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा मेडिकल कॉलेज में 32 स्नातकोत्तर सीटें भी उपलब्ध करवाई गई हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में दो से तीन सीबीएसई संबद्ध स्कूल खोले जा रहे हैं। प्रदेश में 100 से अधिक स्कूलों को सीबीएसई से संबद्ध करने की प्रक्रिया जारी है।



अब ईडी-सीबीआई की रेड करवाएंगे आरोप लगाएंगे : मुख्यमंत्री भगवंत मान

एजेंसी, मोहाली। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने मोहाली में विभिन्न विभागों में भर्ती 801 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए। साथ ही विरोधी पार्टियों पर जमकर जुबानी हमला बोला। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार को बने पौने 5 साल हुए हैं। कोई एक रुपए लेने का इल्जाम मुझ पर लगाकर दिखा दें।

सीएम ने कहा कि विरोधी पार्टियों वाले बड़ा कुछ कहेंगे। वोटें आ गई हैं। कोई ईडी भेजेगा, कोई सीबीआई की रेड करवाएगा। इन्हें चुनाव जीतना आ गया है। बंगाल में भी ऐसे ही करते थे। अब वोट काटेंगे, वोट बनवाएंगे, लेकिन जितना समय आप मेरे साथ हो। मुझे किसी चीज की फ्रिक नहीं है। मुझे आपका साथ चाहिए।



◆ कहा- बंगाल से इन्हें चुनाव जीतने का तरीका आ गया

◆ सीएम मान ने 801 युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

सीएम ने कहा कि पंजाब में हॉकी टूर्नामेंट चल रहा है। जालंधर में मैच खत्म हो गए हैं। आज सेमीफाइनल मोहाली में और कल फाइनल होगा। पंजाब खेलों के लिए जाना जाता है। कबड्डी, गिद्दा और भंगड़े के लिए जाना जाता था, इन्होंने (विरोधी पार्टियों ने) इसे चिट्टे, टीकों और कैप्सूल के लिए मशहूर कर दिया।

26 नवंबर को हरियाणा विधानसभा का स्पेशल सेशन

मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट, सात प्रस्तावों को दी मंजूरी

एजेंसी, चंडीगढ़। हरियाणा मंत्रिमंडल की मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बैठक में सात महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

सरकार 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाएगी, जिसमें संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों पर चर्चा होगी। बैठक में नई लैंड पूलिंग नीति-2026 को मंजूरी दी गई। इसके तहत विकास परियोजनाओं के लिए जमीन देने वाले भू-मालिकों को कुल बिक्री योग्य क्षेत्र का 50 प्रतिशत हिस्सा विकसित भूखंडों के रूप में मिलेगा, जबकि शेष 50 प्रतिशत विकास एजेंसी को मिलेगा। इसके अतिरिक्त भू-मालिकों को चार वर्षों तक प्रति एकड़ सालाना एक लाख रुपए की अंतरिम आर्थिक सहायता दी जाएगी। कैबिनेट ने हस्तांतरणीय विकास अधिकार नीति में संशोधन को भी मंजूरी दी। अब इसके प्रमाणपत्रों का उपयोग प्रदेश की अन्य कम संभावित विकास योजनाओं में भी किया जा सकेगा। विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी और मानव तस्करी रोकने के लिए हरियाणा यात्रा एजेंट पंजीकरण एवं विनियमन नियम-2026 को मंजूरी दी गई। अब सभी ट्रैवल एजेंटों के लिए पंजीकरण अनिवार्य होगा। प्रमाणपत्र तीन वर्ष के लिए मान्य रहेगा। इसके अलावा कनिष्ठ व्याख्यान सहायक के भर्ती नियमों में संशोधन को मंजूरी दी गई है। सीधी भर्ती के लिए संबंधित विषयों के साथ बारहवीं और पांच वर्ष का प्रयोगशाला सहायक अनुभव जरूरी होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश की 629 गौशालाओं को चारे और शेड निर्माण के लिए 86.95 करोड़ का अनुदान दिया गया है।



◆ नई लैंड पूलिंग नीति को मंजूरी, जमीन मालिकों को मिलेगा 50 % विकसित क्षेत्र

◆ ट्रैवल एजेंटों का पंजीकरण अनिवार्य, 629 गोशालाओं को 86.95 करोड़ का अनुदान

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को दिया खुली बहस का चैलेंज, बोले- डरिए मत

एजेंसी, नई दिल्ली। राहुल गांधी ने मंगलवार को एक वीडियो जारी किया। इसमें उन्होंने पीएम मोदी को बहस का चैलेंज दिया है। करीब 1.50 मिनट के वीडियो में राहुल कह रहे हैं '24 घंटे हो गए मोदी जी। मैंने आपको चैलेंज दिया है। आप कहते हो कि विपक्ष देशद्रोही है। किसी भी स्टेज पे आप जगह चुनिए, डिबेट कीजिए मेरे साथ।' देशद्रोही कौन है? विदेशी फोर्सेस का कनेक्शन किसका है? और किस प्रकार का कनेक्शन है? जल्दी से जल्दी कीजिए, डरिए मत। दोनों मिलेंगे, मीडिया होगी, देश के युवा होंगे, टेबल होगी, एक साइड आप बैठोगे, एक साइड मैं बैठूंगा, जिसको आप जज बनाना चाहते हो, बना दो। मोहन भागवत जी को बिठा दो, चलो। और फिर डिबेट करते हैं।

मुख्यमंत्री रेखा ने संत परमानंद अस्पताल में आईवीएफ सेंटर का किया उद्घाटन

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को सिविल लाइंस स्थित संत परमानंद अस्पताल में नवनिर्मित आईवीएफ सेंटर का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा तकनीक और विशेषज्ञ सेवाओं से युक्त यह केंद्र अनेक परिवारों के जीवन में नई आशा और खुशियां लाने का माध्यम बनेगा। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पोस्ट करते हुए कहा कि दिल्ली में स्वास्थ्य सुविधाओं का निरंतर विस्तार और आधुनिक चिकित्सा सेवाओं की बढ़ती उपलब्धता स्वागत योग्य है। इस नई पहल के लिए संत परमानंद अस्पताल के चिकित्सकों एवं पूरी टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। संत परमानंद अस्पताल दिल्ली के मध्य में स्थित 153 बिस्तरों वाला एक बहु-विशेषज्ञ अस्पताल है। महज 13 वर्षों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त डॉक्टरों की टीम के दम पर, इस अस्पताल ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से एक होने की प्रतिष्ठा हासिल कर ली है। अस्पताल किसी भी प्रकार की सर्जरी या बीमारी के लिए सभी चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करता है और अस्पताल के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में जोड़ों के प्रतिस्थापन की सर्जरी, आघात, गहन चिकित्सा, नेत्र देखभाल, उच्च जोखिम वाली प्रसूति और प्रसव केंद्र शामिल हैं। संत परमानंद अस्पताल एक समाज-आधारित संस्था है जो मानवता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। वंचितों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमेशा से हमारी प्राथमिकता रही है। अस्पताल निशुल्क नेत्र शिविर, पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम और निशुल्क ओपीडी एवं आपातकालीन सेवाओं सहित कई परोपकारी स्वास्थ्य सेवाओं में सक्रिय रूप से शामिल है।



सपा सरकार में भक्तों पर गोलियां चली : योगी

कहा- राम को काल्पनिक कहने वालों को जनता ने कूड़ेदान में फेंका

एजेंसी, पीलीभीत। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पीलीभीत के नूरानपुर मठ पहुंचे। यहां राम कथा के मंच से सपा-कांग्रेस पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि सपा सरकार में राम भक्तों पर गोली चलती थी।

अयोध्या जाने पर भक्तों पर लाठी चलती थी, अब उनपर फूल बरसाए जाते हैं, जिन लोगों ने राम को काल्पनिक कहा, जनता ने उन्हें कूड़ेदान में फेंक दिया। हमने राम लला को टेंट से निकालकर भव्य मंदिर बनाने का काम किया। ये हमारी आस्था का केंद्र है। वहां आज लोग लाखों लोग दर्शन के लिए जाते हैं। संबोधन से पहले सीएम ने मंच पर राम कथा कह रहे कथावाचक अंजनी महाराज को सम्मानित किया। ये कथा हनुमान नाथ महंत करवा रहे हैं। योगी ने कहा प्रभु श्रीराम केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक संप्रभुता और राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीक हैं। पहले की व्यवस्थाएं धार्मिक प्रतीकों और आस्था के केंद्रों की उपेक्षा करती थीं, जिससे देश की पहचान को आघात पहुंचता था, जो लोग प्रभु राम को काल्पनिक बताते थे और सनातन धर्म को अपमानित करने का कोई मौका नहीं छोड़ते थे, देश की जागरूक जनता ने उन्हें इतिहास के कूड़ेदान में डाल दिया है। आज नया भारत अपनी विरासत पर गौरव करना जानता है।

अयोध्या में रामलला का आगमन सिर्फ एक मंदिर का निर्माण नहीं, बल्कि भारत के सांस्कृतिक नवजागरण का महाशंखनाद है।



सनातन विरोधियों की छाती पर सांप लोट रहा

सीएम ने कहा सत्ता के घमंड में चूर लोग दंभ भरते थे कि अयोध्या में परिंदा भी पर नहीं मार सकता। आज वही अयोध्या 500 वर्षों की लंबी प्रतीक्षा और लाखों बलिदानों के बाद दिव्य और भव्य रूप में दुनिया के सामने जगमगा रही है। प्रभु श्रीराम अपने भव्य महल में विराजमान हो चुके हैं, लेकिन सनातन विरोधियों और तुष्टिकरण के सौदागरों की छाती पर आज भी सांप लोट रहा है।

सुविधा मुख्यमंत्री धामी ने कहा- खटीमा से मां-बेटे जैसा अटूट रिश्ता, जनता का स्नेह ही मेरी ताकत

खटीमा में 14.97 करोड़ की सड़क परियोजना का किया शिलान्यास

एजेंसी, उधमसिंहनगर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को खटीमा में 14.97 करोड़ रुपए की लागत से खटीमा चौक से थारू विकास भवन तक मोटर मार्ग के चौड़ीकरण कार्य का शिलान्यास व भूमि पूजन किया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनता के अपार स्नेह और अपनत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि खटीमा के साथ उनका रिश्ता केवल एक जनप्रतिनिधि या चुनाव क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मां-बेटे के पवित्र रिश्ते जैसा अनंत और अटूट है। जनता का यही आशीर्वाद उन्हें बिना थके और बिना रुके निरंतर प्रदेश की सेवा करने की ऊर्जा और ताकत देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खटीमा रोड के चौड़ीकरण से स्थानीय नागरिकों, बाजार वासियों और आसपास के क्षेत्र के लोगों को आवागमन में भारी सुविधा मिलेगी।

इसके अलावा बंडिया, चकरपुर, टनकपुर, लोहाघाट और पिथौरागढ़, धारचूला, चंपावत से लेकर पड़ोसी देश नेपाल तक आने-जाने वाले राहगीरों व स्थानीय लोगों को इस सड़क का सीधा लाभ पहुंचेगा,जिससे जाम की समस्या से भी निजात मिलेगी। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में खटीमा निर्माणाधीन और पूर्ण हुए अनेक विकास कार्यों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिग्री कॉलेज में नई कक्षाओं और ब्लॉकों के निर्माण के साथ ही आईटीआई और बालिका विद्यालयों का आधुनिकीकरण किया गया है। प्रतापपुर से नानकमत्ता और टनकपुर से लेकर खटीमा तक सड़कों के चौड़ीकरण के साथ ही खेतलसंड़ा पुल और बस अड्डा, पुल जैसे महत्वपूर्ण निर्माण कार्य तथा किसानों के लिए शुगर फैक्ट्री का सुचारू संचालन, समय पर गन्ने की पिराई और गन्ने के भुगतान को समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित करना, ऑक्सीजन पार्क, क्रोकोडाइल पार्क और भारमल बाबा मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों का सौंदर्यीकरण किया गया है।



जल निकासी व्यवस्था के लिए 300 करोड़ से अधिक मंजूर

खटीमा में ड्रेनेज व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 300 करोड़ रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत कर जल निकासी के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने अपने पुराने संकल्प को दोहराते हुए कहा कि शहर को साफ-सुथरा बनाना और यहां सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना उनका मुख्य उद्देश्य रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे हमेशा जनता के साथ हैं, उनके बीच रहे हैं और आगे भी क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करते रहेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री खटीमा चौराहा से कार्यक्रम स्थल तक पैदल चलकर पहुँचे, इस दौरान मार्ग में जगह-जगह स्थानीय नागरिकों ने उनका भव्य स्वागत किया और फूल-मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत अजय मौर्य,दर्जा राज्य मंत्री मोहनी पोखरिया, संतोष गौरव,गंभीर सिंह धामी,किशन सिंह, रणजीत सिंह नामधारी, भाजपा नेता सतीश भट्ट,रामू भारती, वीसी जय किशन,एडीएम पंकज उपाध्याय सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नंद लाल के निधन से हिमाचल ने खोया जनसेवा का सशक्त चेहरा

आईटीबीपी और एसपीजी में उत्कृष्ट सेवाओं के बाद राजनीति में आए, चार बार रामपुर से चुने गए विधायक

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले की रामपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक और सातवें राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष नंद लाल का मंगलवार सुबह निधन हो गया। वह 72 वर्ष के थे और लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उन्होंने सुबह करीब पांच बजे चमियाना स्थित सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन से प्रदेश की राजनीति में शोक की लहर है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को अस्पताल पहुंचकर उनका कुशलक्षेम भी जाना था।

नंद लाल रामपुर विधानसभा क्षेत्र से लगातार चार बार विधायक निर्वाचित हुए थे। उन्होंने वर्ष 2007 में पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। इसके बाद वर्ष 2012, 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों में भी उन्होंने अपनी जीत का सिलसिला कायम रखा। वह पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के करीबी माने जाते थे। कांग्रेस संगठन में उनकी पहचान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह के समर्थक नेताओं के रूप में भी रही।

सुरक्षा बलों में भी निभाई अहम जिम्मेदारी : नंद लाल का जन्म 16 अप्रैल 1954 को रामपुर बुशहर के देवठी में हुआ था। उन्होंने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर की शिक्षा प्राप्त की थी। राजनीति में आने से पहले उन्होंने भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) में सेवाएं दीं। वह विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) का भी हिस्सा रहे और प्रधानमंत्री तथा पूर्व प्रधानमंत्रियों की सुरक्षा से जुड़ी जिम्मेदारियां निभाईं।

वर्ष 1985 में वह एसपीजी में शामिल हुए और 1997 तक इस समूह में सेवाएं दीं। इस दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में सुरक्षा व्यवस्था संभाली। इनमें वर्ष 1982 के एशियाई खेल और वर्ष 1983 में नई दिल्ली में आयोजित



गुटनिरपेक्ष देशों का सम्मेलन भी शामिल था। सुरक्षा सेवाओं के दौरान उन्हें कई देशों की यात्रा करने और महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में जिम्मेदारी निभाने का अवसर मिला। उनकी सेवाओं के लिए वर्ष 2001 में उन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्रियों राजीव गांधी और चंद्रशेखर से भी उन्हें उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मान प्राप्त हुआ था।

सेवानिवृत्ति के बाद राजनीति में रखा कदम : नंद लाल ने वर्ष 2007 में आईटीबीपी से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया। इसके बाद कांग्रेस के टिकट पर रामपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा और पहली बार विधायक बने। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में क्षेत्र की समस्याओं और विकास से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दी। वर्ष 2013 से 2017 तक उन्होंने मुख्य संसदीय सचिव के रूप में भी कार्य किया। विधायक के रूप में उन्होंने विधानसभा की विभिन्न समितियों में भी जिम्मेदारियां निभाईं।

वर्ष 2022 में चौथी बार विधायक निर्वाचित होने के बाद उन्हें विधानसभा की कल्याण संबंधी समिति का सभापति बनाया गया। मार्च 2024 में प्रदेश सरकार ने उन्हें सातवें राज्य वित्त आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया था। इस पद पर उन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा भी दिया गया था। आयोग के माध्यम से पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा तथा संसाधनों के वितरण से जुड़े विषयों पर कार्य किया जाना था।

मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष ने जताया शोक

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने नंद लाल के निधन को प्रदेश और रामपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि नंद लाल सिद्धांतों पर अडिग रहने वाले और पार्टी के प्रति निष्ठावान नेता थे। उनका स्पष्ट विचारों वाला व्यक्तित्व और समाज के प्रति समर्पित सार्वजनिक जीवन सदैव याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को इस कठिन समय में दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने भी नंद लाल के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रामपुर के विधायक नंद लाल का निधन अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। उन्होंने दिवंगत नेता के परिजनों और समर्थकों के प्रति संवेदनाएं प्रकट कीं तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति देने और परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

लोक लेखा समितियों की कार्यक्षमता बढ़ाने पर मंथन

तिरुवनंतपुरम सम्मेलन में हिमाचल की भागीदारी

भारतेन्दु संवाददाता , शिमला

केरलम की राजधानी तिरुवनंतपुरम में आयोजित लोक लेखा समितियों के अध्यक्षों के सम्मेलन में हिमाचल प्रदेश विधानसभा की लोक लेखा समिति के सभापति और सदस्य शामिल हुए। संसद तथा विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानमंडलीय लोक लेखा समितियों के अध्यक्षों का यह सम्मेलन तीन और चार नवंबर, 2026 को आयोजित किया जा रहा है।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा की ओर से समिति के सभापति अनिल शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सम्मेलन में भाग लिया। इसमें समिति सदस्य संजय रत्न, डॉ. हंस राज, मलेंद्र राजन और चंद्रशेखर भी शामिल हुए। उनके साथ विधानसभा के अवर सचिव नैना कोटवी और अनुभाग अधिकारी दिनेश चौहान भी सम्मेलन में मौजूद रहे।

सम्मेलन के दौरान लोक लेखा समितियों की कार्यप्रणाली और उनकी गतिविधियों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इसमें



◆ अनिल शर्मा के नेतृत्व में हिमाचली प्रतिनिधिमंडल ने संसदीय अनुभवों पर किया विचार-विमर्श

समितियों के कामकाज को अधिक प्रभावी बनाने, उनकी व्यवस्था को सुदृढ़ करने और कार्यक्षमता बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की जाएगी। इसके अतिरिक्त समितियों के दायित्वों के बेहतर निर्वहन और उनके कार्यों में दक्षता लाने के लिए आवश्यक कदमों पर भी विचार किया जाएगा।

लोक लेखा समितियां सरकारी खर्च और सार्वजनिक धन के उपयोग से जुड़े मामलों की जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसे में इस सम्मेलन को विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की समितियों के अनुभव साझा करने तथा उनके कामकाज में सुधार के उपायों पर चर्चा करने का अवसर माना जा रहा है।

विधायक नंद लाल के निधन से हिमाचल की राजनीति को अपूरणीय क्षति : पठानिया

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला

हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने रामपुर के विधायक नंद लाल के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संदेश में दिवंगत नेता को कद्दावर, कर्मठ और जनसेवा के प्रति समर्पित व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि उनके निधन से प्रदेश की राजनीति को अपूरणीय क्षति पहुंची है। नंद लाल पिछले काफी समय से बीमार चल रहे थे।

पठानिया ने कहा कि नंद लाल वर्ष 2007 में पहली बार रामपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए थे। इसके बाद उन्होंने लगातार जनसेवा के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाई और चार बार विधानसभा सदस्य निर्वाचित हुए। वर्ष 2013 में उन्होंने मुख्य संसदीय सचिव (सीपीएस) के रूप में जिम्मेदारी निभाई। इस दौरान वह विधानसभा की अधीनस्थ विधान समिति और विशेषाधिकार समिति के सदस्य भी रहे।

वर्ष 2018 से 2022 तक वह कल्याण और ग्रामीण नियोजन समितियों के सदस्य रहे। दिसंबर 2022 में चौथी बार विधायक चुने जाने के बाद उन्हें विधानसभा की कल्याण समिति का अध्यक्ष बनाया गया। मार्च 2024 में प्रदेश सरकार ने उन्हें सातवें राज्य वित्त आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया और कैबिनेट मंत्री का



◆ पठानिया बोले - जनसेवा और गरीबों की मदद के लिए सदैव याद किए जाएंगे नंद लाल

दर्जा प्रदान किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि नंद लाल गरीबों और असहाय लोगों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। वह राजनीति, प्रशासन और समाजसेवा के बीच संतुलन बनाए रखने वाले नेता थे। सुरक्षा बल में सेवाएं देने से लेकर विधानसभा और राज्य वित्त आयोग तक का उनका सफर प्रेरणादायक रहा।

पठानिया ने कहा कि प्रदेश ने एक होनहार और कर्तव्यनिष्ठ नेता खो दिया है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर युवाओं ने रखे विचार विजेता हुए सम्मानित



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मेरा युवा भारत (एमवाई भारत), शिमला की ओर से युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से सेंट बीड्स कॉलेज में जिला स्तरीय विकसित भारत राष्ट्रीय युवा संसद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ना और उन्हें नीति निर्माण से संबंधित विषयों पर विचार रखने का अवसर प्रदान करना था। प्रतियोगिता का विषय 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' रहा। प्रतियोगिता में रितिक रणावत ने प्रथम, सुजल शर्मा ने द्वितीय और रिया ने तृतीय स्थान हासिल किया। ये तीनों विजेता दिसंबर 2026 के पहले सप्ताह में होने वाली राज्य स्तरीय युवा संसद में भाग लेंगे। राज्य स्तर पर चयनित तीन प्रतिभागी 9 और 10 जनवरी को नई दिल्ली स्थित संसद के केंद्रीय कक्ष में आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम का संचालन एमवाई भारत, शिमला के उपनिदेशक विपिन कुमार ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को एमवाई भारत पोर्टल, पंजीकरण, प्रोफाइल बनाने तथा उस पर उपलब्ध क्विज, युवा कार्यक्रमों, स्वयंसेवी गतिविधियों और राष्ट्र निर्माण से जुड़ी पहलों की जानकारी दी।

क्रस्ना लैब ठप, 110 करोड़ बकाये पर कांग्रेस सरकार घिरी

राकेश जम्वाल ने सरकारी इंतजामों पर उठाए सवाल, गरीब मरीजों के सामने बढ़ी जांच की चुनौती

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में क्रस्ना डायग्नोस्टिक्स की जांच सेवाएं बंद होने के मुद्दे पर भाजपा ने कांग्रेस सरकार को घेरा है। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक राकेश जम्वाल ने कहा कि करीब 110 करोड़ रुपये का भुगतान लंबित होने के कारण कंपनी ने सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सैंपल कलेक्शन सेवाएं बंद करने का निर्णय लिया है। इससे प्रदेश के गरीब, मध्यमवर्गीय और दूरदराज के क्षेत्रों से उपचार के लिए आने वाले मरीजों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

जम्वाल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में इस तरह का व्यवधान गंभीर चिंता का विषय है। यदि भुगतान विवाद के कारण मरीजों को निजी प्रयोगशालाओं में महंगी जांच करवानी पड़ रही है, तो सरकार को तत्काल हस्तक्षेप कर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में मुफ्त और रियायती दरों पर जांच की सुविधा लाखों लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। निजी प्रयोगशालाओं का खर्च उठाना हर परिवार के लिए संभव नहीं है।

कर्मचारियों के वेतन और जांच सेवाओं पर उठाए सवाल : भाजपा विधायक ने कहा कि आईजीएमसी शिमला सहित प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में सामान्य जांच सेवाएं प्रभावित होने और कर्मचारियों को दो माह से वेतन नहीं मिलने की खबरें सामने आई हैं। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि कंपनी का कितना बकाया है, कर्मचारियों के वेतन का भुगतान कब होगा और मरीजों के लिए जांच की वैकल्पिक व्यवस्था क्या की गई है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के कार्यकाल में शुरू की गई जनकल्याणकारी और स्वास्थ्य सुविधाओं की निरंतरता बनाए रखना वर्तमान सरकार की जिम्मेदारी है।



राकेश जम्वाल

दिल्ली रैली में सरकारी संसाधनों के इस्तेमाल पर सवाल : जम्वाल ने कांग्रेस सरकार पर राजनीतिक कार्यक्रमों में सरकारी संसाधनों के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए दिल्ली में एक नवंबर को आयोजित कांग्रेस रैली का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि रैली के लिए बसों की व्यवस्था, सरकारी हेलीकॉप्टर के इस्तेमाल और हिमाचल भवन व हिमाचल सदन के उपयोग को लेकर सरकार को जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार के उस बयान का उल्लेख किया, जिसमें दिल्ली रैली के लिए सरकारी और निजी मिलाकर करीब 200 बसों की व्यवस्था किए जाने की जानकारी दी गई थी। भाजपा विधायक रणधीर शर्मा ने भी आरोप लगाया है कि रैली के कारण एचआरटीसी के कई रूट प्रभावित हुए और सरकारी संसाधनों का राजनीतिक गतिविधियों में इस्तेमाल किया गया।

सरकार से पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग : जम्वाल ने कहा कि राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित करना प्रत्येक दल का अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक धन के उपयोग में पारदर्शिता जरूरी है। सरकार बताए कि रैली में इस्तेमाल सरकारी बसों का कितना किराया प्राप्त हुआ, मुख्यमंत्री की हेलीकॉप्टर यात्राओं का खर्च किस मद से वहन किया गया और सरकारी अतिथि गृहों के उपयोग में निर्धारित नियमों का पालन हुआ या नहीं।

उन्होंने कहा कि एक ओर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भुगतान लंबित है और दूसरी ओर मरीजों को जांच के लिए परेशान होना पड़ रहा है। ऐसे समय में सरकारी खर्च की प्राथमिकताओं की समीक्षा आवश्यक है। उन्होंने सरकार से क्रस्ना डायग्नोस्टिक्स के साथ भुगतान विवाद सुलझाने, कर्मचारियों के बकाया वेतन का भुगतान करने और सभी प्रभावित अस्पतालों में जांच सेवाएं जल्द बहाल करने की मांग की। साथ ही सरकारी संसाधनों पर हुए खर्च का विवरण सार्वजनिक करने को कहा।

कुसुम्पटी में कल खुलेगा मिल्कफेड का नया केंद्र

शुद्ध मिठाइयों और दुग्ध उत्पादों की मिलेगी सौगात

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी शिमला के कुसुम्पटी क्षेत्र के लोगों के लिए अच्छी खबर है। हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (मिल्कफेड) की ओर से कुसुम्पटी स्थित पंचायत भवन में नया मिल्क बार शुरू किया जा रहा है। यह मिल्क बार कल से आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। यहां उपभोक्ताओं को स्वाद, शुद्धता और गुणवत्ता से भरपूर विभिन्न उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे।

नए मिल्क बार में मिल्कफेड के लोकप्रिय ब्रांड 'हिम' के तहत तैयार किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के दुग्ध उत्पाद, मिठाइयां और अन्य खाद्य सामग्री बिक्री के लिए उपलब्ध रहेगी। इस पहल से कुसुम्पटी के अलावा न्यू शिमला, छोटा शिमला, विकासनगर, मेहली, बियोली और मलयाणा सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को विशेष सुविधा मिलेगी। इन इलाकों के निवासियों को अब गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पाद और मिठाइयां खरीदने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उन्हें अपनी जरूरत के अनुसार विभिन्न उत्पाद नजदीक ही उपलब्ध हो सकेंगे।

दीपावली के अवसर पर मिल्कफेड की ओर से उपभोक्ताओं को विभिन्न प्रकार की मिठाइयां भी उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इन मिठाइयों की विशेषता यह है कि इन्हें मिल्कफेड द्वारा स्वयं तैयार करवाया जाता है, ताकि आम जनता को शुद्ध, गुणवत्तापूर्ण और स्वादिष्ट उत्पाद मिल सकें। इनकी बिक्री सब्सिडी वाली दरों पर की जा रही है। इसका उद्देश्य त्योहार के दौरान लोगों को उचित कीमतों पर बेहतर गुणवत्ता की मिठाइयां उपलब्ध करवाना है।

त्योहारों के दौरान मिठाइयों की मांग बढ़ जाती है और बाजार में मिलावट की आशंका भी बनी रहती है। ऐसे में मिल्कफेड की यह पहल उपभोक्ताओं को मिलावटी मिठाइयों के विकल्प के रूप में भरोसेमंद उत्पाद उपलब्ध करवाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे लोगों को गुणवत्ता और शुद्धता के प्रति आश्वस्त होने के साथ उचित कीमत पर मिठाइयां खरीदने का अवसर मिलेगा।

◆ न्यू शिमला सहित आसपास के क्षेत्रों को मिलेगी सुविधा सब्सिडी दरों पर उपलब्ध होंगी मिठाइयां

मिल्कफेड की इस पहल का मुख्य उद्देश्य आम जनता तक शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पाद पहुंचाना है। कुसुम्पटी में नए मिल्क बार के खुलने से आसपास के क्षेत्रों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही 'हिम' ब्रांड के उत्पादों की पहुंच भी अधिक उपभोक्ताओं तक बढ़ेगी। इसके साथ ही स्थानीय लोगों को त्योहारों और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए एक ही स्थान पर कई विकल्प मिलेंगे। मिल्कफेड को उम्मीद है कि इस केंद्र से उपभोक्ताओं का जुड़ाव बढ़ेगा और स्थानीय स्तर पर उत्पादों की उपलब्धता भी बेहतर होगी।

चार लाख रुपए के चेक बाउंस मामले में उद्घोषित अपराधी यशपाल गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने उद्घोषित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चेक अनादरण के मामले में फरार चल रहे यशपाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस की उद्घोषित अपराधी सेल, उपमंडल रोहड़ू की टीम ने यह कार्रवाई की। आरोपी के खिलाफ परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के तहत मामला दर्ज है। इस मामले में विवादित राशि चार लाख रुपये है।

पुलिस के अनुसार, यह मामला रोहड़ू स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के न्यायालय संख्या-दो में विचाराधीन है। इसे वर्ष 2021 में मामला संख्या 276 के तहत दर्ज किया गया था। मामले में आरोपी यशपाल न्यायालय में पेश नहीं हो रहा था, जिसके चलते उसे उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया था। इसके बाद से पुलिस उसकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही थी।

पुलिस की उद्घोषित अपराधी सेल ने आरोपी की तलाश कर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे कानून के समक्ष लाया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी को नियमानुसार



◆ न्यायालय की पकड़ से बचना हुआ मुश्किल, रोहड़ू में चार लाख के मामले का आरोपी गिरफ्तार

संबंधित न्यायालय में पेश किया जाएगा, जहां मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

पुलिस ने बताया कि न्यायालयों के आदेशों का पालन सुनिश्चित करने और कानून से बचने वाले व्यक्तियों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उद्घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है। पुलिस का कहना है कि ऐसे व्यक्तियों को न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में लाने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

भाजयुमो के 17 जिलों में नए प्रभारी नियुक्त

सन्नी शुक्ला ने संगठन विस्तार के लिए नए दायित्व युवाओं को सौंपे

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) हिमाचल प्रदेश ने संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और जिला व मंडल स्तर पर संगठन को अधिक मजबूत बनाने की दिशा में नई पहल की है। प्रदेश अध्यक्ष सन्नी शुक्ला ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से विचार-विमर्श के बाद प्रदेश के सभी 17 संगठनात्मक जिलों के प्रभारियों की नियुक्तियों की घोषणा की है। इन नियुक्तियों के तहत प्रदेश पदाधिकारियों को अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सन्नी शुक्ला ने बताया कि इन नियुक्तियों का मुख्य उद्देश्य संगठनात्मक कार्यों में बेहतर समन्वय स्थापित करना, जिला स्तर पर कार्यक्रमों और गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करना तथा युवाओं की भागीदारी बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि नए दायित्वों के माध्यम से संगठन के कार्यों को और अधिक व्यवस्थित बनाया जाएगा।

घोषित नियुक्तियों के अनुसार चंबा जिले का प्रभारी प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद कुमार को बनाया गया है। नूरपुर की जिम्मेदारी प्रदेश आईटी संयोजक मनप्रीत सिंह, कांगड़ा की प्रदेश सचिव नेकराज



भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सन्नी शुक्ला

◆ सत्रह जिलों में नई तैनाती, भाजयुमो पदाधिकारियों को क्षेत्रवार संगठन की मिली कमान

ठाकुर, पालमपुर की प्रदेश कोषाध्यक्ष अभिषेक ठाकुर और देहरा की प्रदेश महामंत्री शाश्वत कपूर को सौंपी गई है।

इसी तरह हमीरपुर जिले का प्रभारी मीडिया सह-प्रभारी मनोज चंदेल, ऊना का प्रदेश उपाध्यक्ष योगेश ठाकुर, बिलासपुर का मुख्य प्रवक्ता भुवनेश ठाकुर, सुंदरनगर का प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक संजय बरटा और मंडी का प्रदेश उपाध्यक्ष अमित ठाकुर को नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा कुल्लू का दायित्व प्रदेश प्रवक्ता अमीन चौहान, लाहौल-स्पीति का प्रदेश सचिव रुचिन चौहान, किन्नौर का प्रदेश प्रवक्ता नील कमल गुप्ता और महासू का प्रभारी प्रदेश सचिव विपिन पाल को बनाया गया है। शिमला जिले की जिम्मेदारी प्रदेश उपाध्यक्ष रोहित भारद्वाज, सोलन की प्रदेश महामंत्री सुशील कदशोली और सिरमौर की प्रदेश मीडिया प्रभारी निशांत ठाकुर को सौंपी गई है।

सन्नी शुक्ला ने कहा कि सभी नवनियुक्त जिला प्रभारी संगठनात्मक कार्यक्रमों के संचालन, कार्यकर्ताओं के बीच तालमेल और युवा मोर्चा की गतिविधियों को विस्तार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन के प्रति समर्पण और जनसेवा की भावना से काम कर रहा है। प्रदेश अध्यक्ष ने सभी नवनियुक्त प्रभारियों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठा और सक्रियता से निर्वहन करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

पर्यावरणीय क्षरण सीईसी की रिपोर्ट में वन कटान, अवैज्ञानिक डंपिंग और मकानों में दरारों पर जताई गंभीर चिंता

फोरलेन निर्माण से हिमाचल के पहाड़ों पर मंडराया संकट

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला। देवभूमि हिमाचल में राष्ट्रीय राजमार्गों और फोरलेन परियोजनाओं का विस्तार विकास के साथ पर्यावरण और आम जनजीवन के लिए गंभीर चुनौतियां भी खड़ी कर रहा है। पहाड़ों की अंधाधुंध कटाई, मलबे का अवैज्ञानिक निस्तारण और ढलानों की बढ़ती अस्थिरता ने प्रदेश के नाजुक पारिस्थितिक तंत्र पर दबाव बढ़ा दिया है। केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) ने हिमाचल के पर्यावरणीय हालात को लेकर 682 पन्नों की विस्तृत रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार को सौंपी है। रिपोर्ट में फोरलेन निर्माण के दौरान पर्यावरणीय नियमों के पालन, वन भूमि के उपयोग, मलबा निस्तारण और भू-स्खलन के खतरों पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2013 से देश में फोरलेन परियोजनाओं को पर्यावरण मंजूरी के अनिवार्य दायरे से छूट मिली हुई है। हिमालय जैसे



संवेदनशील भूगर्भीय क्षेत्र में इस छूट का अनुचित लाभ उठाए जाने की आशंका जताई गई है। निर्माण गतिविधियों के कारण प्राकृतिक जल निकासी प्रणालियां और वन्यजीव गलियारे प्रभावित हो रहे हैं। पहाड़ों की कटाई और ढलानों से छेड़छाड़ के कारण मिट्टी की पकड़ कमजोर हो रही है, जिससे भूस्खलन का खतरा बढ़ रहा है। समिति ने परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभावों का गंभीरता से आकलन करने की जरूरत बताई है।

रिपोर्ट में विभिन्न फोरलेन परियोजनाओं के लिए हुए वन भूमि के उपयोग और पेड़ों की कटाई का भी उल्लेख किया गया है। कीरतपुर-मनाली फोरलेन परियोजना के लिए 237 हेक्टेयर से अधिक वन भूमि और 45 हेक्टेयर गैर वन भूमि का उपयोग हुआ है। परवाणू-शिमला फोरलेन के निर्माण में भी हजारों पेड़ काटे गए, जबकि पठानकोट-मंडी मार्ग पर 15 हजार से अधिक पेड़ों की कटाई हो चुकी है और कई अन्य प्रस्ताव विचाराधीन हैं। रिपोर्ट में वन संरक्षण अधिनियम, 1980 की मूल भावना के विपरीत परियोजनाओं को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर मंजूरी लेने की प्रक्रिया पर भी चिंता जताई गई है।

निर्माण कार्यों से निकलने वाले मलबे का अवैज्ञानिक निस्तारण नदियों, नालों और जलाशयों के लिए बड़ी समस्या बन रहा है। समिति ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि नदियों और खड्डों में मलबा डाला जा रहा है। परवाणू-सोलन मार्ग पर चिह्नित 20 डंपिंग साइट में से जून 2016 तक केवल तीन को मंजूरी मिली थी। उच्च न्यायालय के आदेशों के बावजूद नदियों, नालों और गोबिंद सागर झील में मलबा पहुंचने की समस्या बनी हुई है। इससे ब्यास नदी का तल ऊंचा होने और पंडोह बांध के गेटों के अवरुद्ध होने का खतरा पैदा

◆ अनियंत्रित निर्माण से हिमालयी भूभाग की प्राकृतिक संरचना और जनसुरक्षा पर गहराता संकट

हो रहा है। अटल टनल से जुड़े मलबे के पुनर्वास के लिए लगभग 12.09 करोड़ रुपये की योजना भी 13 साल बाद अधूरी बताई गई है।

पहाड़ों की अवैज्ञानिक कटाई के कारण कीरतपुर-मनाली और परवाणू-सोलन मार्गों पर भूस्खलन की दृष्टि से 44 स्थान बेहद संवेदनशील बताए गए हैं। सड़क धंसने या मलबा गिरने की घटनाओं के बाद अस्थायी तौर पर रास्ता खोलकर यातायात बहाल किया जाता है। पठानकोट-मंडी फोरलेन पर कांगड़ा के कोटला में रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर के कार्यालय और आवास के पास करीब 30 मीटर ऊंची कटाई की गई। एनएचएआई की रिटेनिंग वॉल से मलबा और पत्थर गिरने के कारण कार्यालय को दूसरी जगह स्थानांतरित करना पड़ा।

नेरवा में नशीली दवाइयों के दोषी को डेढ़ साल कैद

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नशीली दवाइयों के अवैध कब्जे के मामले में अदालत ने एक आरोपी को डेढ़ वर्ष के कठोर कारावास और 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (सीबीआई), शिमला की अदालत ने दो नवंबर, 2026 को यह फैसला सुनाया। दोषी की पहचान कंवर सिंह पुत्र कृपा राम, निवासी नेरवा, जिला शिमला के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, नेरवा पुलिस थाना में 24 फरवरी, 2023 को अभियोग संख्या 12/2023 के तहत आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। यह मामला स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) की धारा 22 के तहत दर्ज हुआ था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कोडीन फॉस्फेट युक्त कफ सिरप कोडिरेक्स-सी की पांच बोतलें बरामद की थीं। प्रत्येक बोतल 100 मिलीलीटर की थी और कुल बरामद मात्रा 500 मिलीलीटर थी।

रोहड़ू-ठियोग में अवैध पटाखों के बड़े जखीरे हुए बरामद

शिमला। दीपावली से पहले शिमला पुलिस ने रोहड़ू और ठियोग में छापेमारी कर भारी मात्रा में अवैध पटाखे बरामद किए। रोहड़ू की दुकान से 577 पैकेट और ठियोग के चियोग स्थित स्टोर से विभिन्न प्रकार के पटाखे मिले। दोनों संचालक वैध लाइसेंस नहीं दिखा सके। पुलिस ने मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भारतेन्दु Classifieds

नाम परिवर्तन

मैं, बुध राम पुत्र तिलक राज गांव व डाकघर थाटीबीड़ तहसील बंजार जिला कुल्लू हि. प्र. घोषणा करता हूं कि आधार कार्ड में मेरी पुत्री का नाम किरन वर्मा गलत दर्ज है। अब मैं आधार कार्ड में अपनी पुत्री का सही नाम किरना वर्मा दर्ज करवाना चाहता हूं। संबंधित नोट करें।

कार्यालय ग्राम पंचायत चलहोग विकास खण्ड गोपालपुर, जिला मण्डी (हि0प्र0)

निविदा आमंत्रण सूचना

ग्राम पंचायत चलहोग के अंतर्गत वर्ष 2026-27 (30-09-2027) तक निम्न सामग्री के लिए कुटेशन/निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदाएँ दिनांक 06/11/2026 को 11:00 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय में डाक के माध्यम से या व्यक्तिगत रूप से जमा करवाई जा सकती है। कुटेशन / निविदा ग्राम पंचायत में दिनांक 06/11/2026 को 1:00 PM पंचायत कमेटी के समक्ष खोली जाएगी । **सामग्री विवरण** -: 1. Cemented Bench. 2. Dust Bin. 3. Segregation Shed **नियम व शर्तें** -: . 1 निविदादाता के पास अपना पंजीकरण GST न0 होना आवश्यक है। सबसे कम दर वाले को ही निविदा प्राप्त होगी। 2. निविदादाता को निविदा अपने लैटर पैड पर सम्बंधित ग्राम पंचायत के नाम पर भेजनी होगी। 3. सभी करों का लेन देन सरकार के प्रावधानों अनुसार होग

बेस्ट सीएम सर्वे में धामी को देशभर में दूसरा स्थान

योगी पहले, धामी दूसरे और हिमंत बिस्वा सरमा तीसरे स्थान पर, बढ़ा धामी का राष्ट्रीय कद

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रीय स्तर पर एक और उपलब्धि हासिल करते हुए देश के मुख्यमंत्रियों की रैंकिंग में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। फेम इंडिया मैगजीन और एशिया पोस्ट की ओर से कराए गए सर्वे में मुख्यमंत्री धामी को 1000 में से 881 अंक मिले हैं। इस रैंकिंग में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 897 अंकों के साथ पहले स्थान पर रहे, जबकि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा 874 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। सर्वे में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों के नेतृत्व, कार्यशैली, प्रशासनिक क्षमता और जनकल्याण से जुड़े कार्यों का मूल्यांकन किया गया। इसके लिए 10 प्रमुख मानकों को आधार बनाया गया और पूरी प्रक्रिया तीन चरणों में संपन्न की गई।



धामी सरकार ने सुशासन और विकास को दी प्राथमिकता।

पारदर्शी शासन और जनहित के फैसलों से बढ़ा भरोसा

इसी उद्देश्य से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। हाल में प्रस्तुत 7,844.18 करोड़ रुपये के अनुपूरक बजट में भी युवाओं, महिलाओं और किसानों सहित विभिन्न वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड विकास के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है।

धामी के नेतृत्व की उपलब्धियों को महेंद्र भट्ट ने सराहा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने मुख्यमंत्री धामी को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान उनके निर्णायक नेतृत्व, पारदर्शी प्रशासन और जनहित में लिए गए महत्वपूर्ण फैसलों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने राज्य की जरूरतों और जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए कई ऐसे निर्णय लिए हैं, जिनका प्रभाव शासन व्यवस्था के साथ सामाजिक और आर्थिक विकास पर भी दिखाई दे रहा है।

धामी सरकार के फैसलों से उत्तराखंड को नई पहचान

महेंद्र भट्ट ने कहा कि धामी सरकार ने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ सड़क, परिवहन और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर भी विशेष ध्यान दिया है। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए भी योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। सरकार की प्राथमिकताओं में युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करना शामिल है।

टिहरी में एसआईआर जागरूकता कार्यक्रम, युवाओं ने पूछे सवाल

200 विद्यार्थियों ने जाना एसआईआर का महत्व

राज्य ब्यूरो

टिहरी/बादशाहीथौल। मेरा युवा भारत, टिहरी गढ़वाल की ओर से मंगलवार को एसआरटी परिसर, बादशाहीथौल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) विषय पर युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 200 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर एसआईआर प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की और अपनी जिज्ञासाएं रखीं। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। जिला युवा अधिकारी आशीष पंत ने मेरा युवा भारत के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली और गतिविधियों की जानकारी देते हुए युवाओं की नेतृत्व क्षमता, सामाजिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके बाद यूथ आइकन संस्कृति नेगी ने एसआईआर प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। युवा संवाद सत्र में विद्यार्थियों ने प्रक्रिया से जुड़े सवाल पूछे, जिनका अतिथियों ने जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया। इस दौरान संस्कृति नेगी, अक्षत बिजल्वाण और आयुष वर्मा सहित खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख सुमन सजवाण, भाजपा प्रदेश मंत्री नलिन भट्ट, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष मनीष राणा और एसआरटी परिसर के निदेशक प्रो. एए बोडाई सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में निदेशक प्रो. बोडाई ने सभी का आभार व्यक्त किया।



अमित शाह की देहरादून रैली में उमड़ेगी 25 हजार से अधिक की भीड़, भाजपा का बड़ा दावा

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छह नवंबर को देहरादून के परेड ग्राउंड में आयोजित भाजपा की जनसभा और पदयात्रा में शामिल होंगे। भाजपा ने इस कार्यक्रम में 25 हजार से अधिक लोगों के जुटने का दावा किया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य महेंद्र भट्ट ने कहा कि देहरादून महानगर, ऋषिकेश, देहरादून ग्रामीण और हरिद्वार से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कार्यक्रम में पहुंचेंगे। उन्होंने दावा किया कि देहरादून में होने वाला यह आयोजन विपक्ष की दिल्ली रैली से भी बड़ा होगा।



- **छह नवंबर को परेड ग्राउंड में अमित शाह करेंगे जनसभा को संबोधित**

उत्तराखंड में पांच स्थानों पर पदयात्रा

भट्ट ने बताया कि विपक्ष की नकारात्मक और अराजक राजनीति के खिलाफ भाजपा देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान चला रही है। इसके तहत उत्तराखंड में पांच स्थानों पर पदयात्राएं और जनसभाएं आयोजित की जा रही हैं।

यूकाडा ने आखिर यह कौन-सा बुद्धिजीवी फैसला खोज निकाला?

5-6 सीटर हेलीकॉप्टर में भी को-पायलट अनिवार्य! क्या सुरक्षा का समाधान सिर्फ एक अतिरिक्त सीट है?

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में 30 अक्टूबर को जोशीमठ के पास हुए हेलीकॉप्टर हादसे में छह लोगों की मौत के बाद यूकाडा और डीजीसीए ने चारधाम चार्टर उड़ानों में दो पायलट अनिवार्य करने का फैसला लिया है। नए निर्देशों में को-पायलट के पहाड़ी क्षेत्र में उड़ान के लिए योग्य होने की शर्त भी रखी गई है। हालांकि, इस फैसले के बाद सवाल उठ रहा है कि क्या सुरक्षा व्यवस्था का मतलब केवल हर हेलीकॉप्टर में एक अतिरिक्त पायलट बैठाना है? क्या यूकाडा के राजस्व मॉडल की भी जांच होनी चाहिए? हेलीकॉप्टर हादसों के बीच यह सवाल अहम है कि राजस्व वसूली कितनी हो रही है, सुरक्षा पर कितना खर्च किया जा रहा है और जवाबदेही किसकी है?

दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए मौसम की सटीक जानकारी, उड़ान से पहले तकनीकी जांच, अनुभवी और पहाड़ी क्षेत्रों में प्रशिक्षित पायलट, उड़ान की समय सीमा, रियल टाइम मॉनिटरिंग और खराब मौसम में उड़ान रोकने की प्रभावी व्यवस्था भी जरूरी है। ऑपरेटरों के अनुसार, प्रदेश में नया हेलीकॉप्टर लाकर सेवा शुरू करने के लिए यूकाडा कार्यालय में लगभग 40 लाख रुपये का डिमांड ड्राफ्ट जमा कराना पड़ता है।



हेलीकॉप्टर सेवा में शुल्क के बदले सुविधाएं भी मिलें

शुल्क व्यवस्था के तहत लगभग 40 लाख रुपये सिक्योरिटी डिपॉजिट, करीब पांच हजार रुपये प्रतिदिन नाइट पार्किंग चार्ज और 30 दिन की पार्किंग के लिए लगभग 1.50 लाख रुपये देने पड़ते हैं। अतिरिक्त उड़ानों के शुल्क की गणना के लिए अलग व्यवस्था होने की बात भी कही गई है। ऐसे में सवाल है कि जब ऑपरेटरों और यात्रियों से शुल्क लिया जा रहा है तो उसके बदले सुविधाएं और सुरक्षा का स्तर क्या है?

चारधाम हेली सेवा में सुविधाओं और सुरक्षा पर सवाल

चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों को हेली टर्मिनल पर स्वच्छ प्रतीक्षालय, पीने का साफ पानी, चाय-कॉफी, उचित दरों पर कैफेटेरिया, साफ महिला एवं पुरुष शौचालय और बुजुर्गों तथा दिव्यांगों के लिए सुविधाएं मिलनी चाहिए। इसके साथ प्राथमिक चिकित्सा और आपातकालीन सहायता की व्यवस्था भी जरूरी है।

यात्रियों को केवल अतिरिक्त शुल्क और नियमों का बोझ नहीं, बल्कि बेहतर सुविधाएं, सुरक्षा और जवाबदेही भी मिलनी चाहिए। उत्तराखंड में हेली सेवाओं के लिए केवल वसूली का सिस्टम नहीं, बल्कि सुविधाओं और सुरक्षा पर आधारित मॉडल विकसित करने की जरूरत है।

चारधाम यात्रा: रॉयल्टी करीब 1,85,000 रुपए प्रति सर्किट, लेकिन सुविधाओं के नाम पर सवाल!

सरकार और यूकाडा राजस्व वसूली में पीछे नहीं, लेकिन सवाल यह है कि यात्रियों और हेली सेवा ऑपरेटरों को बदले में क्या मिल रहा है?

हरिद्वार में सौंदर्यीकरण अभियान तेज

कुंभ से पहले एक रंग में सजेगी हरिद्वार की धर्मनगरी



भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार। कुंभ-2027 से पहले धर्मनगरी हरिद्वार को नए कलेवर में सजाने की तैयारी तेज हो गई है। हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण (एचआरडीए) ने शहर के सौंदर्यीकरण के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। इसके तहत प्रमुख मार्गों पर स्थित दुकानों, होटलों, आश्रमों, धर्मशालाओं और निजी भवनों को निर्धारित रंगों में रंगा जाएगा। साथ ही सभी प्रतिष्ठानों के साइन बोर्ड भी एक तय डिजाइन और आकार में तैयार किए जाएंगे। इसका उद्देश्य शहर में एकरूपता लाने के साथ हरिद्वार को स्वच्छ, सुंदर और आकर्षक स्वरूप देना है।

योजना के तहत देवपुरा चौक से शिवमूर्ति, अपर रोड, हरकी पैड़ी, भीमगोड़ा होते हुए खड़खड़ी और सूखी नदी तक भवनों और बाजारों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इसके अलावा शंकराचार्य चौक से तुलसी चौक होते हुए शिवमूर्ति और शंकराचार्य चौक से झंडा चौक होते हुए दक्ष मंदिर तक भी यह अभियान चलेगा। इन मार्गों पर दुकानों और होटलों के साइन बोर्ड विशेष डिजाइन के अनुरूप लगाए जाएंगे।

एचआरडीए की उपाध्यक्ष एवं मेलाधिकारी सोनिका के निर्देशन में योजना को धरातल पर उतारा जा रहा है। कई क्षेत्रों में रंग-रोगन का काम शुरू हो चुका है, जबकि अन्य मार्गों का सर्वे कर डिजाइन तैयार किया जा रहा है। एचआरडीए सचिव प्रत्यूष सिंह ने बताया कि अभियान की लगातार निगरानी की जा रही है।

एकरूप रंगों और बोर्ड से संवरेगी धर्मनगरी

- **दुकानों-होटलों के रंग और साइन बोर्ड के लिए तय होगी एकरूप थीम**

न्यूज ब्रीफ

सड़क सुविधा से वंचित काणीगाड़ गांव, ग्रामीणों में रोष

भारतेन्दु संवाददाता, टिहरी/चंबा। विकासखंड चंबा की दूरस्थ ग्राम पंचायत बनाली के राजस्व गांव काणीगाड़ के करीब 50 परिवार आज भी सड़क सुविधा से वंचित हैं। ग्रामीणों को रोजमर्रा के कामों के लिए मीलों पैदल चलना पड़ता है। सबसे अधिक परेशानी मरीजों को अस्पताल पहुंचाने और जरूरी सामान गांव तक लाने में होती है। ज्येष्ठ उप प्रमुख संजय मैठाणी ने बताया कि समस्या के समाधान के लिए संबंधित विभाग और जिलाधिकारी को पत्र भेजा गया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सड़क निर्माण की दिशा में कार्रवाई नहीं हुई तो वे आगामी विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करेंगे।

गढ़वाल राइफल्स का सतत मिलाप अभियान पूर्व सैनिकों की समस्याओं का होगा समाधान

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। गढ़वाल राइफल्स की ओर से पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके आश्रितों की समस्याओं के समाधान के लिए एक से 30 नवंबर तक सतत मिलाप अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत लैंसडौन स्थित गढ़वाल राइफल्स अभिलेख कार्यालय की देखरेख में 22 टीमें गढ़वाल मंडल के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करेंगी। अभियान के दौरान टीमें पेंशनभोगियों से संपर्क कर उनकी समस्याएं सुनेंगी और समाधान में मदद करेंगी। साथ ही जीवन प्रमाणपत्र भरने, बच्चों के शिक्षा अनुदान और समीक्षा व संकल्प पोर्टल की जानकारी दी जाएगी। युद्ध में घायल पूर्व सैनिकों को मोबिलिटी उपकरण उपलब्ध कराने के लिए भी आवश्यक दस्तावेज जुटाए जाएंगे। अभिलेख अधिकारियों ने पूर्व सैनिकों और वीर नारियों से टीमों से संपर्क कर योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे बर्दाश्त नहीं होंगे : डीएम



भारतेन्दु संवाददाता, चमोली। सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों के खिलाफ जिलाधिकारी गौरव कुमार ने सख्त रुख अपनाते हुए बिरही में गौचर भूमि पर किए जा रहे निर्माणाधीन भवन को सील करने के निर्देश दिए। मंगलवार को उन्होंने स्वयं मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान कोई भी व्यक्ति काम करता नहीं मिला। डीएम ने संबंधित लोगों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करने, मुकदमा दर्ज कराने और मामले की विस्तृत जांच के निर्देश दिए। इस कार्रवाई के बाद अब जिले के अन्य क्षेत्रों में सरकारी भूमि पर हुए अतिक्रमण को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

हरिद्वार दर्शन को आए बिहार के बेटे को दक्षेश्वर मंदिर में मिले 23 वर्ष से बिछुड़े पिता

भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार। बिहार के औरंगाबाद जिले के वेलसार गांव निवासी शशि कुमार शर्मा को हरिद्वार में 23 साल से लापता पिता मिल गए। 70 वर्षीय जवाहर मिस्त्री वर्ष 2003 में घर छोड़कर चले गए थे। परिजनों ने उनकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। दो दिन पहले शशि परिवार के साथ हरिद्वार आए थे। कनखल स्थित दक्षेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन के दौरान उन्होंने पिता को पहचान लिया। पिता-पुत्र का मिलन देखकर श्रद्धालु भावुक हो गए। पुलिस ने पहचान की पुष्टि के बाद दोनों को बिहार रवाना कर दिया।

दिसंबर महीने में तीन दिन सजेगा टिहरी लेक फेस्टिवल का मंच

टिहरी लेक फेस्टिवल में दिखेगी लोक संस्कृति की झलक



भारतेन्दु संवाददाता, नई टिहरी। टिहरी लेक फेस्टिवल को इस बार भव्य और आकर्षक स्वरूप देने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके आयोजन को लेकर जिला कार्यालय स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में बैठक आयोजित की गई। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में फेस्टिवल की संभावित तिथियां 18 से 20 दिसंबर निर्धारित करने का प्रस्ताव रखा गया। स्थानीय विधायक किशोर उपाध्याय, घनसाली विधायक शक्तिलाल शाह, जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल और मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने आयोजन को लेकर अपने सुझाव दिए।

विधायक किशोर उपाध्याय और नगर पालिका अध्यक्ष टिहरी मोहन सिंह रावत ने फेस्टिवल का उद्घाटन अथवा समापन समारोह टिहरी मुख्यालय में आयोजित करने की बात कही। उन्होंने स्थानीय कलाकारों को पर्याप्त अवसर देने और उनकी प्रतिभा को बड़े मंच पर प्रदर्शित करने पर जोर दिया। बैठक में स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक लोक कलाओं, वाद्य यंत्रों और हस्तशिल्प को विशेष प्राथमिकता देने पर सहमति जताई गई। विधायक शक्तिलाल शाह ने पारंपरिक वाद्य यंत्र बजाने वाले कलाकारों की प्रतियोगिता आयोजित करने का सुझाव दिया। साथ ही स्थानीय परिधानों और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर बल दिया गया।

लोक कला, खानपान और एडवेंचर से गुलजार होगी टिहरी झील

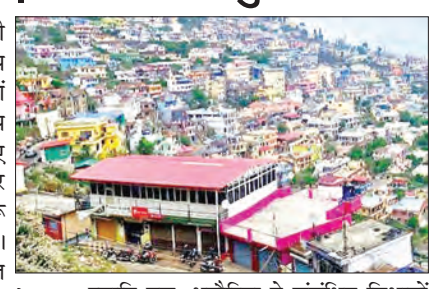
नगर पालिका अध्यक्ष चंबा ने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आयोजन में अधिक अवसर देने की बात कही, जबकि प्रमुख कीर्तिनगर ने काष्ठ कला और स्थानीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने का सुझाव रखा। फेस्टिवल के दौरान मास्टर शेफ, फैशन शो, सोशल मीडिया रील, रैप, फुटबाल टूर्नामेंट, पेंटिंग प्रतियोगिता, गंगा आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम और फूड फेस्टिवल आयोजित करने पर भी चर्चा हुई। इस बार एक्रो शो को नए आकर्षण के रूप में शामिल करने का प्रस्ताव है।

टिहरी लेक फेस्टिवल में नए आकर्षण जोड़ने की तैयारी

इसके अलावा ट्रैकिंग, माउंटेन बाइकिंग, कैंपिंग, मैराथन और रॉक क्लाईबिंग जैसी साहसिक गतिविधियां भी आयोजन का हिस्सा होंगी। फेस्टिवल का विस्तार विधानसभा क्षेत्रों तक करने की योजना है। घनसाली में मासरताल ट्रेक और मैराथन, धनोल्टी में एमटीबी राइड व नागटिब्बा ट्रैकिंग, प्रतापनगर में पीठी पर्वत ट्रैकिंग और एस्ट्रोनॉमी, देवप्रयाग में मंदिर भ्रमण, गंगा आरती, योग और रॉक क्लाईबिंग तथा नरेंद्रनगर में बर्ड वॉचिंग और ट्रैकिंग जैसी गतिविधियां प्रस्तावित की गई हैं।

पौड़ी में पर्यटन को मिलेगा नया आयाम

हिमालयन कार रैली से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाएगा पौड़ी, दिसंबर में गुजरेगी रैली



भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी। पौड़ी गढ़वाल को पर्यटन के नए गंतव्य के रूप में विकसित करने और यहां की प्राकृतिक सुंदरता को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए हिमालयन कार रैली-2026 और नाइट सफारी जैसी गतिविधियां शुरू करने की तैयारी की जा रही है। उत्तराखंड में पहली बार आयोजित होने वाली हिमालयन कार रैली दो से छह दिसंबर तक उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद के तत्वावधान में होगी। जनपद पौड़ी में चार और पांच दिसंबर को रैली के विभिन्न चरण आयोजित किए जाएंगे। इसकी तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रस्तावित मार्गों, सड़कों की स्थिति, यातायात, सुरक्षा और आपदा प्रबंधन व्यवस्थाओं की समीक्षा की। रैली तीन दिसंबर को रामनगर से शुरू होगी।

हिमालयन कार रैली के मार्गों की अंतिम रेकी 21-22 नवंबर को

चार दिसंबर को यह मोहान-मर्चुला होते हुए पौड़ी जनपद में प्रवेश करेगी और नैनीडांडा, लैंसडाउन, दुगड्डा तथा यमकेश्वर के निर्धारित मार्गों से गुजरेगी। प्रशासन की संयुक्त टीम 21 और 22 नवंबर को मार्गों की अंतिम रेकी करेगी। जिलाधिकारी ने सड़क मरम्मत, चिकित्सा सुविधाओं, एंबुलेंस, हेली एंबुलेंस और संचार व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही खोलाचौरी से अदवाणी तक 15 दिवसीय पायलट परियोजना के रूप में नाइट सफारी शुरू करने की योजना है। इसका संचालन पर्यटन विकास परिषद करेगी। परियोजना सफल रहने पर इसे व्यावसायिक रूप दिया जाएगा। इसके लिए स्थानीय लोगों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इन पहलों से पर्यटन गतिविधियों के विस्तार और स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है।

रेखा आर्या के पति की याचिका पर हाई कोर्ट ने निर्णय रखा सुरक्षित

भारतेन्दु संवाददाता, नैनीताल। उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या के पति गिरधारी लाल साहू की गिरफ्तारी पर रोक लगाने और उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे को निरस्त करने की मांग वाली याचिका पर नैनीताल हाई कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की एकलपीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान रेखा आर्या की ओर से कहा गया कि गिरधारी साहू उन्हें बदनाम कर रहे हैं और उनके राजनीतिक करियर को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं, साहू की ओर से आरोपों को गलत और निराधार बताया गया। याचिकाकर्ता ने कहा कि वर्ष 2004 में उनकी शादी हुई थी और तब से दोनों साथ रह रहे हैं। उन्हें गलत तथ्यों के आधार पर मुकदमे में फंसाया गया है। मुकदमे में साहू पर पहले से शादीशुदा होने के बावजूद खुद को अविवाहित बताकर विवाह करने, फर्जी हस्ताक्षर से रेखा आर्या को कंपनियों के निदेशक पद से हटाने, धमकी देने और जातिसूचक शब्द कहने के आरोप हैं।

5.5 लाख रुपए के सालाना पैकेज पर चयनित हुए 14 विद्यार्थी

भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी गढ़वाल। जीबी पंत इंजीनियरिंग कॉलेज (जीबीपीआईईटी), पौड़ी गढ़वाल के 14 विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थियों को 5.5 लाख रुपये सालाना का पैकेज मिलेगा। अंतिम साक्षात्कार के बाद इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के आदित्य, समृद्धि भट्ट और स्वर्णिका यादव का चयन हुआ। वहीं, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग से अर्नव बंसल, आशुतोष शुक्ला, भावेश पांडेय, मयंक सैनी, रितेश बिष्ट, शुभम सिंह रावत, सृष्टि करण, टिया गाबा, वैभव राज और वंश सिंह चयनित हुए। संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) वीके बंगा ने इस उपलब्धि पर विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगारपरक प्रशिक्षण के कारण विद्यार्थियों को सफलता मिली है। प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट डीन डॉ. केएस भाटिया ने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

स्वास्थ्य सुविधाएं सुधारें, वरना 10 नवंबर से आंदोलन

थराली में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं पर युवाओं का आक्रोश, 10 नवंबर से आंदोलन की चेतावनी

भारतेन्दु संवाददाता, चमोली

चमोली में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की बदहाल व्यवस्था को लेकर युवाओं और जनप्रतिनिधियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अस्पताल में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की कमी के साथ ही बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध न होने से मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इस संबंध में मंगलवार को युवाओं और जनप्रतिनिधियों ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग की।



उन्होंने सीएचसी का उच्चीकरण करने, पर्याप्त संख्या में चिकित्सकों और विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती करने तथा आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाई। चेतावनी दी कि यदि जल्द मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो 10 नवंबर 2026 से सीएचसी परिसर में अनिश्चितकालीन शांतिपूर्ण धरना और क्रमिक अनशन शुरू किया जाएगा। ज्ञापन में युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष संजय जोशी सहित कई युवाओं और पंचायत प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किए।

उत्तराखंड में 28 नवंबर को मनाया जाएगा आपदा प्रबंधन दिवस

स्कूलों से अस्पतालों तक आपदा सुरक्षा की तैयारियों का होगा आकलन, बचाव का विशेष अभियान

राज्य ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड में आपदा प्रबंधन को प्रभावी बनाने और आमजन को आपदाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 28 नवंबर को आपदा प्रबंधन दिवस मनाया जाएगा। इस वर्ष 25 से 28 नवंबर तक प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने सभी विभागों, जिलाधिकारियों और संबंधित संस्थानों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। वर्ष 2023 में सिल्क्यारा सुरंग में फंसे सभी 41 श्रमिकों को 28 नवंबर को सुरक्षित बाहर निकाला गया था। इसी ऐतिहासिक रेस्क्यू अभियान की स्मृति में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस दिन को आपदा प्रबंधन दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी।

कार्यक्रम के तहत प्रत्येक जिले में 25 से 27 नवंबर के बीच अस्पतालों, विद्यालयों, सरकारी कार्यालयों, सुरंगों और पावर प्रोजेक्ट सहित आठ से दस स्थानों पर मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। 28 नवंबर को जिला मुख्यालयों पर राहत एवं बचाव उपकरणों की प्रदर्शनी लगेगी। तहसील स्तर पर 50 से 100 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। विकासखंडों में जागरूकता रैलियां, नुक्कड़ नाटक और जनसंपर्क अभियान चलाए जाएंगे। विद्यालयों में मॉक ड्रिल के साथ निबंध, पोस्टर और चित्रकला प्रतियोगिताएं होंगी।

41 श्रमिकों के रेस्क्यू की स्मृति में होगी विशेष पहल



सरकारी कार्यालयों में भूकंप, भूस्खलन और बाढ़ जैसे संभावित खतरों का आकलन किया जाएगा। अस्पतालों में आपदा प्रबंधन योजनाओं की समीक्षा होगी। पशुधन की सुरक्षा, वनाग्नि से बचाव पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। इन गतिविधियों के माध्यम से आपदा के समय त्वरित प्रतिक्रिया और सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा।

फर्जी एनएचएआई अधिकारी की दोनों जमानत याचिकाएं हुई खारिज

भारतेन्दु संवाददाता, बठिंडा। नेशनल हाईवे अथारिटी आफ इंडिया (एनएचएआई) का फर्जी डिप्टी जनरल मैनेजर बनकर टोल प्लाजा का ठेका दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोपित राकेश गोयल को अदालत से राहत नहीं मिली है। बठिंडा की अदालत ने उसकी दोनों जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। आरोपी पर दो अलग-अलग मामलों में कुल 7.29 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने का आरोप है। दोनों मामले थाना थर्मल में दर्ज हैं। करीब 2.40 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से जुड़े पहले मामले में तीन दिन पहले उसकी जमानत याचिका खारिज हुई थी। अब सात करोड़ रुपये से अधिक की रकम से जुड़े दूसरे मामले में भी सत्र न्यायाधीश गगनदीप सिंह गर्ग की अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने दलील दी कि आरोपी 25 जुलाई से न्यायिक हिरासत में है और पुलिस चालान पेश कर चुकी है। वहीं सरकारी पक्ष ने धोखाधड़ी की रकम और गवाहों को प्रभावित करने की आशंका जताते हुए जमानत का विरोध किया। अदालत ने दोनों याचिकाएं खारिज कर दीं। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने खुद को एनएचएआई का अधिकारी बताकर फर्जी पहचान पत्र और सरकारी दस्तावेज दिखाए। उसने टोल प्लाजा का ठेका दिलाने और फास्टैग लगवाने का झांसा देकर रकम हासिल की। वीडियोग्राफर मनीष गुप्ता की शिकायत वाले मामले में आरोपी के खातों में 7.04 करोड़ रुपये से अधिक और उसके रिश्तेदार के खाते में 25 लाख रुपये जमा करवाने का आरोप है।

भारत पर्व में प्रधानमंत्री ने सराहा चंडीगढ़ का पर्यटन मंडप

चंडीगढ़ की आधुनिक पहचान, हरित परिवेश और फिल्म निर्माण की सुविधाओं ने प्रधानमंत्री का ध्यान खींचा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ की पहचान देश के पहले सुनियोजित शहर के साथ-साथ आधुनिक वास्तुकला, विश्व धरोहर और खूबसूरत पर्यटन स्थलों के लिए भी है। शहर की इसी विशिष्ट पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने के उद्देश्य से पर्यटन विभाग की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में गुजरात के एकता नगर में आयोजित भारत पर्व-2026 में चंडीगढ़ के पर्यटन आकर्षणों, वास्तुकला विरासत और फिल्म शूटिंग की संभावनाओं को प्रदर्शित किया जा रहा है। महोत्सव में चंडीगढ़ मंडप विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

भारत पर्व के उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने चंडीगढ़ मंडप का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने शहर का प्रतिनिधित्व कर रहे असिस्टेंट डायरेक्टर हितेश भारद्वाज से करीब सात से आठ मिनट तक बातचीत की। चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री ने चंडीगढ़ की विशिष्ट वास्तुकला, यूनेस्को विश्व धरोहर कैपिटल कॉम्प्लेक्स और पर्यटन की संभावनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि चंडीगढ़ अपनी आधुनिक शहरी योजना, व्यवस्थित सड़कों, हरित क्षेत्रों और ऐतिहासिक इमारतों के कारण देश के अन्य शहरों से अलग पहचान रखता है। इस दौरान शहर की वास्तुकला विरासत को पर्यटन से जोड़ने और अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के विषय पर भी जानकारी साझा की गई। चंडीगढ़ का कैपिटल कॉम्प्लेक्स आधुनिक वास्तुकला के महत्वपूर्ण उदाहरणों में शामिल है। यूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा मिलने के बाद इसकी अंतरराष्ट्रीय पहचान और मजबूत हुई है।

राष्ट्रीय मंच पर चंडीगढ़ की पहचान को मिला विस्तार



◆ चंडीगढ़ की शहरी योजना और फिल्म पर्यटन की खूबियों से प्रधानमंत्री हुए प्रभावित

भारत पर्व में चंडीगढ़ की भागीदारी केवल पर्यटन स्थलों के प्रचार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से शहर की सांस्कृतिक और आधुनिक पहचान को भी व्यापक मंच मिल रहा है। मंडप में प्रदर्शित जानकारी और प्रस्तुतियों के जरिए आगंतुकों को चंडीगढ़ के नियोजित विकास, वास्तुकला की विशिष्टता, हरित क्षेत्रों और प्रमुख दर्शनीय स्थलों से परिचित करवाया जा रहा है। इस पहल से देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले पर्यटकों को शहर की विशेषताओं के बारे में जानने का अवसर मिल रहा है। पर्यटन विभाग का प्रयास है कि चंडीगढ़ को केवल एक प्रशासनिक केंद्र या पड़ाव के रूप में नहीं, बल्कि स्वतंत्र पर्यटन गंतव्य के तौर पर भी स्थापित किया जाए। फिल्म शूटिंग के लिए उपलब्ध सुविधाओं का प्रचार इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे पर्यटन, होटल, परिवहन और स्थानीय कारोबार को भी लाभ मिलने की संभावना है।

फिल्म शूटिंग के लिए सिंगल विंडो सुविधा की जानकारी दी

प्रधानमंत्री के साथ बातचीत के दौरान चंडीगढ़ में फिल्म पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई सिंगल विंडो क्लीयरेंस सुविधा पर भी प्रकाश डाला गया। हितेश भारद्वाज ने बताया कि इस व्यवस्था के माध्यम से फिल्म निर्माताओं को शूटिंग के लिए आवश्यक विभिन्न विभागों की अनुमतियां एक ही संपर्क बिंदु के जरिये उपलब्ध करवाई जाती हैं। इससे फिल्म निर्माताओं को अलग-अलग विभागों के कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते और अनुमति की प्रक्रिया भी अधिक सरल एवं समयबद्ध बनती है। इस सुविधा का उद्देश्य चंडीगढ़ को फिल्म निर्माताओं के लिए सुविधाजनक शूटिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करना है। इससे न केवल फिल्म निर्माण से जुड़ी गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और पर्यटन के नए अवसर भी पैदा हो सकते हैं।

बॉलीवुड से दक्षिण भारतीय फिल्मों तक पसंदीदा लोकेशन

चंडीगढ़ में अब तक पंजाबी, बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। शहर की आधुनिक इमारतें, हरियाली, चौड़ी सड़कें और अलग-अलग तरह की लोकेशन फिल्म निर्माताओं को आकर्षित करती हैं। फिल्म 'धुरंधर' सहित विभिन्न फिल्म परियोजनाओं में भी चंडीगढ़ की लोकेशन का इस्तेमाल किया गया है। फिल्म शूटिंग के लिए बेहतर समन्वय और आसान अनुमति व्यवस्था ने शहर की संभावनाओं को और मजबूत किया है। भारत पर्व जैसे राष्ट्रीय आयोजनों में चंडीगढ़ की भागीदारी से शहर को पर्यटन, संस्कृति और फिल्म निर्माण के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने का अवसर मिल रहा है। इस मंच के माध्यम से चंडीगढ़ की वास्तुकला विरासत, पर्यटन स्थलों और फिल्म शूटिंग की सुविधाओं को देशभर के लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इससे भविष्य में शहर में पर्यटन गतिविधियों और फिल्म निर्माण से जुड़े निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

सेवा सुरक्षा पर न्यायिक हस्तक्षेप से राहत

आपराधिक आरोपों पर कार्रवाई को हाईकोर्ट ने बताया अनुचित



◆ केवल एफआईआर के आधार पर सेवा समाप्त करना उचित नहीं

◆ विभाग को बताने होंगे ठोस कारण

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। किसी सरकारी कर्मचारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होना या उस पर आपराधिक तत्वों से संबंध रखने का आरोप लगना, उसे बिना विभागीय जांच बर्खास्त करने का पर्याप्त आधार नहीं है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब पुलिस के एक कांस्टेबल की बर्खास्तगी रद करते हुए यह टिप्पणी की। अदालत ने उसे सभी परिणामी लाभों सहित सेवा में बहाल करने का निर्देश दिया।

जस्टिस नमित कुमार ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 311(2)(बी) के तहत विभागीय जांच से छूट देने की असाधारण शक्ति का इस्तेमाल केवल ठोस परिस्थितियों में किया जा सकता है। विभाग को यह स्पष्ट करना होगा कि निष्पक्ष जांच कराना क्यों संभव नहीं था। केवल यह आशंका जताना पर्याप्त नहीं कि कर्मचारी गवाहों को प्रभावित कर सकता है।

कांस्टेबल 22 नवंबर 2016 को पंजाब पुलिस में भर्ती हुआ था। उसके खिलाफ 10 जनवरी 2021 को जालंधर ग्रामीण के करतारपुर थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज हुई थी। उसी दिन उसे गिरफ्तार किया गया और बाद में 12 फरवरी 2021 को जमानत मिल गई। निलंबन के बाद 21 अगस्त 2021 को उसे बहाल कर दिया गया था। इस बीच विभागीय जांच लंबित रही और उसे दो आरोपपत्र भी दिए गए। वभाग ने 9 नवंबर 2021 को संविधान के अनुच्छेद 311(2)(बी) का हवाला देकर उसे बर्खास्त कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

गलत दिशा से आई सरकारी बस ने ली युवक की जान

भारतेन्दु संवाददाता, बठिंडा। बठिंडा-मलोट रोड पर बल्लुआणा टोल प्लाजा के पास पीआरटीसी बस की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव करमगढ़ सत्तरा निवासी सुखमंदीप सिंह के रूप में हुई है। वह बल्लुआणा में ट्यूशन पढ़कर रात को मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। इसी दौरान कथित तौर पर गलत दिशा से आ रही सरकारी बस ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, हादसे के बाद बस चालक मौके पर रुकने के बजाय बस लेकर फरार हो गया और गांवों के रास्ते मलोट की ओर निकल गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने तलाश शुरू की और आरोपी चालक को मलोट से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। सुखमंदीप के पिता भारतीय सेना में सेवाएं दे रहे हैं। बेटे की अचानक मौत की खबर से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में भी शोक का माहौल है।

पंजाब चुनावों के लिए संवेदनशील बूथों पर सुरक्षा का खाका तैयार

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से करवाने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी सिलसिले में डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला चुनाव अधिकारी की अध्यक्षता में बचत भवन में समीक्षा बैठक हुई। इसमें पुलिस कमिश्नर, एसएसपी लुधियाना (देहाती), एसएसपी खन्ना, जिले के सभी 14 रिटर्निंग अफसर, 292 सेक्टर अफसर और डीएसपी शामिल हुए। बैठक में संवेदनशील और अति-संवेदनशील मतदान केंद्रों की पहचान और सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की गई। अधिकारियों को संयुक्त रूप से फील्ड सर्वे कर उन क्षेत्रों की पहचान करने के निर्देश दिए गए, जहां मतदाताओं को डराने या प्रलोभन देने की आशंका है। खर्च के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लाइंग स्क्वॉड और स्टेटिक सर्विलांस टीमों की निगरानी बढ़ाने को कहा गया। मास्टर ट्रेनर ब्रज मोहन भारद्वाज ने अधिकारियों को क्रिटिकल बूथों की पहचान, वीडियोग्राफी, वेबकास्टिंग और माइक्रो-ऑब्जर्वर की तैनाती संबंधी प्रशिक्षण दिया।

भाजपा की पैदल यात्रा में कांग्रेस और 'आप' पर निशाना

भारतेन्दु संवाददाता, गुरदासपुर। पंजाब भाजपा की ओर से जिला अध्यक्ष बघेल सिंह बाहिया की अध्यक्षता में गुरदासपुर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पैदल यात्रा निकाली गई। इसमें केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने कांग्रेस पर देश की तरक्की में बाधा डालने और अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए संविधान केवल हाथ में लेने की वस्तु है, जबकि उसके शासनकाल में संवैधानिक व्यवस्थाओं और न्यायालयों के फैसलों की अनदेखी की गई। कृष्ण पाल गुर्जर ने पंजाब की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि राज्य में नशे और भय का माहौल है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के बाद आम आदमी पार्टी की सरकार भी पंजाब को संकट से बाहर निकालने में विफल रही है। भाजपा ही राज्य को इस स्थिति से बाहर निकाल सकती है। पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने भी प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए नशे के कारोबार और हत्याओं को लेकर चिंता जताई। यात्रा पुराने बस स्टैंड से शुरू होकर जहाज चौक और पुलिस लाइन रोड से होते हुए हनुमान चौक पहुंची।

मोहाली में दिवाली से नए साल तक आतिशबाजी के लिए समय निर्धारित, नियमों का पालन अनिवार्य

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। साहिबजादा अजीत सिंह नगर की जिला मजिस्ट्रेट कोमल मित्तल ने दिवाली, श्री गुरु नानक देव जी के गुरुपर्व, क्रिसमस और नए साल के अवसर पर पटाखे चलाने को लेकर आदेश जारी किए हैं। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत जारी ये आदेश 31 अक्टूबर, 2026 से 2 जनवरी, 2027 तक लागू रहेंगे। आदेशों के अनुसार, दिवाली पर 8 नवंबर को रात आठ से दस बजे तक पटाखे चलाने की अनुमति होगी। श्री गुरु नानक देव जी के गुरुपर्व पर 24 नवंबर को सुबह चार से पांच बजे और रात नौ से दस बजे तक पटाखे चलाए जा सकेंगे। क्रिसमस के अवसर पर 25 और 26 दिसंबर की रात 11:55 बजे से 12:30 बजे तक आतिशबाजी की अनुमति रहेगी। वहीं, नए साल के स्वागत में 31 दिसंबर की रात 11:55 बजे से एक जनवरी, 2027 की सुबह 12:30 बजे तक पटाखे चलाए जा सकेंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय के अलावा पटाखे चलाने की अनुमति नहीं होगी। पटाखों की बिक्री, इस्तेमाल और ध्वनि स्तर से जुड़े पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण संबंधी नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा।

पांच साल बाद एनआरआई धोखाधड़ी में कारोबारी पर शिकंजा



◆ दोबारा जांच में खुली परतें ऑस्ट्रेलिया में रह रहे कारोबारी पर एफआईआर दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। एनआरआई से लाखों रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में मोहाली पुलिस ने पांच साल बाद कारोबारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोपित की पहचान सतिंदरपाल सिंह उर्फ सनी खैरा के रूप में हुई है। वह खैरा ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड का मालिक है और फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में रह रहा है। पुलिस ने उसके खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह मामला फतेहगढ़ साहिब निवासी नरेश कुमार की शिकायत से जुड़ा है। शिकायतकर्ता ने सतिंदरपाल सिंह और उसके एक अन्य साथी पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया था। शिकायत के समय नरेश कुमार दक्षिण अफ्रीका में रह रहे थे। उन्होंने मामले की पैरवी के लिए अपने भाई वरिंदर कुमार को विशेष पावर ऑफ अटॉर्नी दी थी।

दोबारा जांच के बाद दर्ज हुआ मामला

शिकायत की दोबारा जांच थाना एनआरआई, एसएएस नगर के मुख्य अधिकारी से करवाई गई। जांच अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट स्पेशल डीजीपी एनआरआई विंग पंजाब को भेजी। रिपोर्ट और उपलब्ध रिकॉर्ड की समीक्षा के बाद एफआईआर दर्ज करने तथा आगे की जांच की मंजूरी दी गई। जांच अधिकारी हिम्मत सिंह के अनुसार, थाना एनआरआई पुलिस ने सतिंदरपाल सिंह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 406 और 420 के तहत केस दर्ज किया है।

पंजाब में निवेश से 6.31 लाख से अधिक रोजगार सृजन का दावा

बड़ी कंपनियों की दिलचस्पी से पंजाब में औद्योगिक विस्तार और रोजगार की संभावनाएं बढ़ीं

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में औद्योगिक विकास और निवेश को बढ़ावा देने के प्रयासों के बीच पिछले चार वर्षों में राज्य को 1.92 लाख करोड़ रुपये का निवेश मिलने की जानकारी सामने आई है। राज्य सरकार के अनुसार, निवेशकों के अनुकूल नीतियों, प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने और उद्योगों के साथ बेहतर समन्वय के प्रयासों से पंजाब घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए आकर्षक निवेश केंद्र बन रहा है। इन प्रयासों के तहत 'इन्वेस्ट पंजाब' के माध्यम से 6.31 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होने का दावा किया गया है। सरकार का लक्ष्य राज्य में औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार करने के साथ युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध करवाना है।

पंजाब में टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, नेस्ले, हिंदुस्तान यूनिलीवर, वर्धमान, कारगिल और फ्रूडेनबर्ग जैसी कंपनियों की परियोजनाएं राज्य के औद्योगिक परिदृश्य को मजबूती दे रही हैं। इन कंपनियों की ओर से नई परियोजनाएं स्थापित करने और मौजूदा कारोबार का विस्तार करने की गतिविधियां निवेश की संभावनाओं को दर्शाती हैं। स्टील, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, एग्रो-फूड प्रोसेसिंग और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में निवेश से उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ सहायक उद्योगों को भी प्रोत्साहन मिल सकता है।

इन क्षेत्रों में औद्योगिक विस्तार से परिवहन, पैकेजिंग, मशीनरी, रखरखाव और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी सेवाओं की मांग बढ़ने की संभावना है। इससे छोटे और मध्यम उद्योगों को भी बड़ी कंपनियों के साथ कारोबार करने के अवसर मिल सकते हैं। सरकार का प्रयास है कि पंजाब की पारंपरिक औद्योगिक ताकत को आधुनिक तकनीक और नए निवेश के साथ जोड़ा जाए।



मोहाली बन रहा तकनीक और नवाचार का केंद्र

मोहाली पंजाब के प्रमुख तकनीकी और औद्योगिक केंद्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। यहां सूचना प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप, नवाचार और आधुनिक सेवाओं से जुड़े कारोबार के विस्तार की संभावनाएं बढ़ रही हैं। बेहतर कनेक्टिविटी, शैक्षणिक संस्थानों और कुशल युवाओं की उपलब्धता इसे तकनीकी कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण स्थान बनाती है। मोहाली को 'सिलिकॉन वैली' के रूप में विकसित करने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं।

निवेश को जमीन पर उतारना होगी अगली चुनौती

राज्य में निवेश के आंकड़े उत्साहजनक हैं, लेकिन इनके वास्तविक आर्थिक लाभ के लिए परियोजनाओं का समय पर धरातल पर उतरना जरूरी है। निवेश प्रस्तावों और वास्तव में खर्च की गई पूंजी के बीच अंतर को समझना भी महत्वपूर्ण है। इसी तरह रोजगार के आंकड़ों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष अवसरों का स्पष्ट विवरण जरूरी है। पंजाब के सामने अब निवेश को वास्तविक उत्पादन, स्थायी रोजगार और स्थानीय उद्योगों की मजबूती में बदलने की चुनौती है।

दौलेवाला में नशे का अड्डा बनी लावारिस इमारत ध्वस्त

भारतेन्दु संवाददाता, मोगा। जिला पुलिस अधीक्षक सरताज सिंह चाहल ने बताया कि नशे के हॉट स्पॉट खत्म करने और नशा विरोधी अभियान को प्रभावी बनाने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में एसपीएच मोगा के नेतृत्व में गांव दौलेवाला में नशा सेवन के एक प्रमुख ठिकाने को खत्म किया गया। यह ठिकाना एक खस्ताहाल और लावारिस इमारत में चल रहा था। पुलिस ने इमारत के मालिक की सहमति और सहयोग से इसे गिरवा दिया, ताकि वहां छिपकर नशीले पदार्थों का सेवन न किया जा सके। थाना कोटईसे खां के प्रभारी कमलजीत सिंह ने बताया कि इस कार्रवाई से गांव में नशे का एक प्रमुख अड्डा समाप्त होगा और क्षेत्र का माहौल भी बेहतर बनेगा। उन्होंने कहा कि इस मुहिम में पंचायत और ग्रामीणों ने पूरा सहयोग दिया है।

पीजीआई के छह कर्मचारियों की मिलीभगत से 1.14 करोड़ का घोटाला

फर्जी दस्तावेज तैयार कर गरीब मरीजों के नाम पर करोड़ों की सरकारी सहायता हड़पी



भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पीजीआई चंडीगढ़ के प्राइवेट ग्रांट सेल में गरीब और जरूरतमंद मरीजों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता में 1.14 करोड़ रुपये का घोटाला सामने आया है। इस मामले में पीजीआई की गोल मार्केट में फोटोस्टेट की दुकान चलाने वाला दुर्लभ कुमार मुख्य सरगना बताया गया है, जबकि इसी मार्केट में ढाबा चलाने वाला साहिल सूद दूसरा सरगना है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दोनों सहित पीजीआई के छह कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

सीबीआई की एफआईआर में साहिल सूद को दुर्लभ कुमार का पार्टनर बताया गया है, लेकिन दैनिक जागरण की पड़ताल में सामने आया कि दोनों का कारोबार अलग-अलग है। दुर्लभ फोटोस्टेट की दुकान चलाता है, जबकि साहिल का गोल मार्केट में ढाबा है। आरोप है कि दोनों ने पीजीआई के छह कर्मचारियों के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेज तैयार किए और मरीजों के नाम पर स्वीकृत आर्थिक सहायता की रकम अपने और अन्य निजी बैंक खातों में ट्रांसफर करवा ली। प्राइवेट ग्रांट सेल स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष, राष्ट्रीय आरोग्य निधि, हंस कल्चर सोसायटी सहित विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं से मिलने वाली ग्रांट का प्रबंधन करता है।

मरीज के पति के पहुंचने पर खुला मामला

घोटाले का पर्दाफाश तब हुआ, जब लाभार्थी कमलेश देवी (फाइल नंबर 18796) के पति दवाओं के लिए स्वीकृत ढाई लाख रुपये की सहायता का लाभ लेने प्राइवेट ग्रांट सेल पहुंचे। वहां उन्हें बताया गया कि उनकी फाइल नष्ट हो चुकी है और उसका डिजिटल रिकॉर्ड भी डिलीट कर दिया गया है। जांच में पता चला कि 22,01,839 रुपये आरटीजीएस के माध्यम से निवास यादव नामक निजी व्यक्ति के खाते में भेज दिए गए थे, जिसका मरीज से कोई संबंध नहीं था।

पंजाब पुलिस के इंस्पेक्टर विवेक चंदर दक्षिण सूडान संयुक्त राष्ट्र मिशन के लिए चयनित

कर्तव्यनिष्ठा ने दिलाया अंतरराष्ट्रीय मिशन में स्थान



भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। *पंजाब पुलिस के इंस्पेक्टर विवेक चंदर को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं, कर्तव्यनिष्ठा और पुलिसिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दक्षिण सूडान स्थित संयुक्त राष्ट्र मिशन में तैनाती के लिए चुना गया है। वह वर्तमान में पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) में कार्यरत हैं। अक्टूबर 2003 में पंजाब पुलिस में भर्ती हुए विवेक चंदर ने अपने सेवाकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। एमआरएस पीपीए फिल्लौर में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद विवेक चंदर ने कमांडो बटालियन, मुख्यमंत्री सुरक्षा, स्पेशल सिक्योरिटी ग्रुप, मॉडर्नाइजेशन विंग, काउंटर इंटेलिजेंस, स्पेशल प्रोटेक्शन यूनिट और एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स में सेवाएं दीं।*

मोहिंदर केपी ने राजनीतिक संन्यास की अटकलों को किया खारिज

अकाली दल के संगठनात्मक कार्यों में निभाते रहेंगे अहम भूमिका

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर। पूर्व सांसद एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहिंदर सिंह केपी ने सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने संबंधी खबरों को पूरी तरह गलत बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह न तो राजनीति छोड़ रहे हैं और न ही शिरोमणि अकाली दल से अलग हुए हैं। वह पार्टी में सक्रिय हैं और आगे भी संगठन की मजबूती के लिए काम करते रहेंगे। दैनिक जागरण से बातचीत में केपी ने कहा कि इंटरनेट मीडिया पर उनके राजनीति से संन्यास लेने को लेकर प्रसारित की जा रही पोस्ट में कोई सच्चाई नहीं है। वह पहले भी शिरोमणि अकाली दल के साथ थे और आज भी इसी पार्टी का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि उनकी राजनीतिक सक्रियता पहले की तरह बनी रहेगी और पार्टी की गतिविधियों में उनकी भागीदारी जारी रहेगी। मोहिंदर सिंह केपी ने स्पष्ट किया कि उन्होंने करतारपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव नहीं लड़ने का फैसला पहले ही पार्टी नेतृत्व को बता दिया था।



40 साल की राजनीतिक सेवा छोड़ने की पोस्ट गलत

गौरतलब है कि इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट प्रसारित हो रही थी, जिसमें दावा किया गया था कि मोहिंदर सिंह केपी करीब 40 साल की राजनीतिक सेवा के बाद सक्रिय राजनीति से संन्यास ले रहे हैं। इस खबर के सामने आने के बाद उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई थीं। हालांकि, केपी ने इन अटकलों पर विराम लगाते हुए साफ कर दिया कि वह राजनीति में सक्रिय रहेंगे। मोहिंदर सिंह केपी का जन्म वर्ष 1956 में जालंधर में हुआ था। उनके पिता दर्शन सिंह केपी पूर्व मंत्री और पांच बार जालंधर से विधायक रहे थे। वर्ष 1992 में खालिस्तानी आतंकियों ने उनकी हत्या कर दी थी।

अवमानना सुप्रीम कोर्ट में अपील का हवाला नहीं आया काम, हाईकोर्ट ने दिखाई सख्ती

डीए बकाये पर हाईकोर्ट सख्त, मुख्य सचिव को नोटिस

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब के सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) के बकाये का भुगतान नहीं करने पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई है। मंगलवार को करीब पौने दो घंटे तक चली सुनवाई के दौरान अदालत ने मुख्य सचिव केएपी सिन्हा के जवाब पर असंतोष व्यक्त करते हुए उनके खिलाफ अवमानना का नोटिस जारी किया। हाईकोर्ट ने उन्हें 17 नवंबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करने मात्र से हाईकोर्ट का आदेश निष्प्रभावी नहीं हो जाता। जब तक सुप्रीम कोर्ट इस मामले में कोई आदेश जारी नहीं करता, तब तक पंजाब सरकार को हाईकोर्ट के फैसले का पालन करना होगा।

सुनवाई के दौरान मुख्य सचिव केएपी सिन्हा अदालत में पेश हुए। हालांकि, सरकार यह स्पष्ट नहीं कर सकी कि पूर्व आदेश के अनुसार कर्मचारियों को डीए का बकाया जारी करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा कि जब वह अपने फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की बात कह रही है तो उसकी अपील अभी तक सुनवाई के लिए सूचीबद्ध क्यों नहीं हुई।

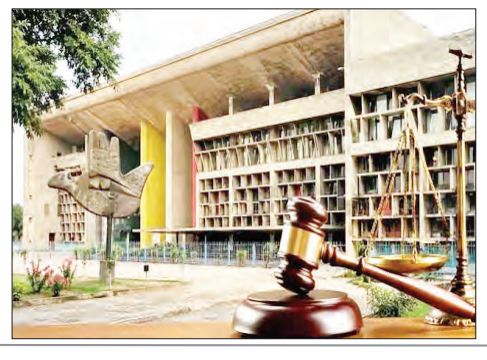
अदालत के सामने यह बात भी आई कि सरकार की अपील में कुछ तकनीकी खामियां थीं, जिन्हें दूर करने की प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण मामला आगे नहीं बढ़ पाया। सरकार की ओर से बताया गया कि इन खामियों को दूर कर दिया गया है और अगले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होने की संभावना है। वहीं, कर्मचारियों की ओर से पेश वकील ने इस दलील पर सवाल उठाते हुए कहा कि अपील को अभी तक मुकदमा नंबर भी आवंटित नहीं हुआ है। ऐसे में उसके सुनवाई के लिए सूचीबद्ध होने की बात कैसे कही जा सकती है।

सुनवाई के दौरान मुख्य सचिव ने अदालत को बताया कि फैसले के अनुसार यदि सरकार डीए का भुगतान देरी से करती है तो उसे छह प्रतिशत ब्याज भी देना होगा। इस पर हाईकोर्ट ने तीखी टिप्पणी करते हुए पूछा कि क्या सरकार का आशय यह है कि वह छह महीने बाद भी बकाया जारी कर सकती है और केवल ब्याज देकर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेगी। अदालत ने इस दलील को स्वीकार करने से इनकार करते हुए कहा कि यह उचित जवाब नहीं है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि उसने सरकार से केवल सामान्य स्थिति रिपोर्ट नहीं मांगी थी, बल्कि पूर्व आदेशों पर की गई कार्रवाई का ब्योरा मांगा था।

कर्मचारियों का डीए कोई खैरात नहीं

अदालत ने टिप्पणी की कि सरकार कर्मचारियों को महंगाई भत्ता देकर कोई खैरात या चैरिटी नहीं कर रही है। यह उनका अधिकार है और सरकार को इसका भुगतान करना ही होगा। हाईकोर्ट ने कहा कि यदि सरकार की मंशा भुगतान करने की होती तो वह पहले ही अदालत को बता सकती थी कि इतनी बड़ी राशि का एकमुश्त भुगतान करना संभव नहीं है और इसे किश्तों में जारी किया जा सकता है। लेकिन सरकार की ओर से ऐसी कोई ठोस पहल दिखाई नहीं दी। कर्मचारियों की ओर से पेश वकील ने भी अदालत में कहा कि यदि पंजाब सरकार के पास भुगतान के लिए धन नहीं है तो उसे वित्तीय आपातकाल घोषित कर देना चाहिए या फिर कर्मचारियों का बकाया डीए जारी करना चाहिए।

कर्मचारियों के वित्तीय अधिकारों पर अदालत ने सरकार की जवाबदेही की तय



बड़ी राशि का हवाला देकर मांगा और समय

पंजाब सरकार की ओर से अदालत में दलील दी गई कि डीए का बकाया काफी बड़ी राशि है और इसके भुगतान से जुड़ी कार्रवाई में समय लग रहा है। सरकार ने भुगतान की प्रक्रिया पूरी करने के लिए और समय देने की मांग की। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस दलील पर संतोष व्यक्त नहीं किया और सरकार के रवैये को अपने पूर्व आदेशों की अवहेलना से जुड़ा गंभीर मामला माना।

न्यूज ब्रीफ

उमर अब्दुल्ला की शादी पर 'आप' विधायक मेहराज मलिक के सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हाल ही में वरिष्ठ पत्रकार निधि राजदान से शादी की। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कर दी। उमर ने इसे अपने जीवन के नए सफर की शुरुआत बताया। वहीं, डोडा से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक मेहराज मलिक ने मुख्यमंत्री को बधाई देने के साथ ही उनकी शादी को लेकर कई सवाल उठाए। **मेहराज मलिक ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि उमर अब्दुल्ला को शादी की बधाई, लेकिन अब गोदी मीडिया कहां है, जो 'लव जिहाद' पर प्राइम टाइम बहस करता है? क्या ऐसे मुद्दों को केवल भाजपा को फायदा पहुंचाने और गरीब लोगों को निशाना बनाने के लिए उठाया जाता है?** उन्होंने सवाल किया कि क्या अब हिंदू धर्म खतरे में नहीं है? मलिक ने अपनी अगली पोस्ट में मुस्लिम विद्वानों से पूछा कि क्या इस्लाम में किसी दूसरे धर्म के व्यक्ति से बिना धर्म परिवर्तन कराए शादी करना जायज है? उन्होंने अमीर और गरीब लोगों के लिए अलग-अलग नियम होने पर भी सवाल उठाए। आप विधायक ने उमर अब्दुल्ला पर जनहित के मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विधानसभा में दिहाड़ी मजदूरों से संबंधित रिपोर्ट जमा नहीं होने और अधिकारियों के काम में बाधा डालने की बात करते हैं, लेकिन दूसरी ओर उन्हीं अधिकारियों के साथ समारोह कर रहे हैं। **मलिक ने सवाल किया कि मुख्यमंत्री को अपने और अपने बच्चों के भविष्य की चिंता है, लेकिन जनता से किए गए वादों का क्या हुआ?** एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि उमर अपनी शादी के लिए अदालतों तक गए, लेकिन जनता के लिए क्या किया? उन्होंने कहा कि ऐसे सवाल हर जगह उठेंगे।

बारामूला में चोरी का पर्दाफाश, चार आरोपी गिरफ्तार आठ फ्रीजर बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। बारामूला पुलिस ने 24 घंटे के भीतर चोरी का मामला सुलझाते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी किए गए सभी आठ डीप फ्रीजर भी बरामद कर लिए हैं। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, कनरू एंटरप्राइजेज के मालिक नजीर अहमद कनरू ने गुलनार पार्क के पास गौसिया कालोनी स्थित गोदाम से डीप फ्रीजर चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी विश्लेषण और पूछताछ के आधार पर आदिल हसन डार की संलिप्तता सामने आई। जांच में पता चला कि चोरी का सामान ले जाने के लिए टाटा मोबाइल वाहन का इस्तेमाल किया गया था।

जम्मू-कश्मीर के ऊंचे इलाकों में कल हल्की बारिश और हिमपात की संभावना

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आगामी दिनों में मौसम के मिजाज में बदलाव देखने को मिल सकता है। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार 10 नवंबर की शाम तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम सामान्यतः शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि, कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आज मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा। कल शाम कुछ स्थानों पर ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बारिश और हिमपात होने की संभावना है। इसके बाद 6 से 9 नवंबर तक मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। 10 और 11 नवंबर को कश्मीर संभाग के ऊंचे इलाकों में छिटपुट बारिश और हल्की बर्फबारी हो सकती है। वहीं, 12 और 13 नवंबर को आसमान आंशिक से सामान्यतः बादलों से घिरा रह सकता है। इस दौरान कुछ स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना है।

रियासी में वीडीजी सदस्य और पत्नी की गोली लगने से मौत

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में सोमवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से विलेज डिफेंस ग्रुप (वीडीजी) के एक सदस्य और उसकी पत्नी की मौत हो गई। घटना महोर तहसील के बगोढास इलाके के ब्रालकुंड मोरा गांव में उनके घर पर हुई। अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की पहचान वीडीजी सदस्य जावेद अहमद (26) और उसकी पत्नी शाहीन अख्तर (22) के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में आशंका जताई गई है कि जावेद अपना हथियार साफ कर रहा था, तभी अचानक गोली चल गई। गोली लगने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। परिवार के सदस्य और स्थानीय लोग दोनों को तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

मतभेदों की लंबी खाई के बाद आगा रुहुल्लाह ने नेशनल कॉन्फ्रेंस से तोड़ा नाता

अनुच्छेद 370 की बहाली और संवैधानिक अधिकारों पर मतभेद के बाद लिया फैसला

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर



जम्मू-कश्मीर की राजनीति में मंगलवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया। श्रीनगर से नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी ने पार्टी छोड़ने और लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने का एलान किया। उन्होंने बडगाम में अपने पिता आगा सैयद मेहदी की 26वीं पुण्यतिथि पर आयोजित जनसभा में समर्थकों के बीच यह घोषणा की। उनके इस फैसले से नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर चल रहे मतभेद एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं।

अनुच्छेद 370 की बहाली और संवैधानिक अधिकारों को लेकर पार्टी नेतृत्व से लंबे समय से उनके मतभेद चल रहे थे। रुहुल्लाह ने आरोप लगाया था कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने विधानसभा चुनाव के दौरान जनता से विशेष दर्जे की बहाली, राजनीतिक बंदियों की रिहाई और जम्मू-कश्मीर के अधिकारों की रक्षा का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद पार्टी इन मुद्दों पर पीछे हट गई। उनका कहना था कि पार्टी ने सत्ता हासिल करने के लिए इन मांगों को प्रमुखता दी, मगर अब इन्हें प्राथमिकता नहीं दी जा रही है।

आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख नेताओं में शामिल रहे हैं। वह बडगाम विधानसभा क्षेत्र से तीन बार विधायक चुने गए और जम्मू-कश्मीर सरकार में मंत्री के रूप में भी काम कर चुके हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने श्रीनगर संसदीय सीट से चुनाव लड़ा था और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के उम्मीदवार वहीद-उर-रहमान पारा को 1,88,416 मतों से हराया था। इसके बाद वह श्रीनगर से लोकसभा पहुंचे।

रुहुल्लाह और नेशनल कॉन्फ्रेंस नेतृत्व के बीच मतभेद पिछले करीब दो वर्षों से सामने आ रहे थे। शुरुआत जम्मू-कश्मीर में आरक्षण नीति के युक्तिकरण के मुद्दे से हुई थी। इसके बाद विवाद का दायरा बढ़ता गया और अनुच्छेद 370, विशेष दर्जे, राज्य के अधिकारों तथा सरकार की नीतियों को लेकर दोनों पक्षों के बीच दूरी बढ़ी। रुहुल्लाह ने उमर अब्दुल्ला सरकार की नीतियों पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाए और कई मौकों पर अपनी ही पार्टी के नेतृत्व की आलोचना की। अगस्त 2026 में उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला को पत्र लिखकर अपनी नाराजगी जाहिर की थी। पत्र में उन्होंने कहा था कि पार्टी विशेष दर्जे की बहाली की मांग को पीछे छोड़कर केवल राज्य का दर्जा बहाल करने तक अपनी राजनीतिक सीमा तय कर रही है।

फारूक अब्दुल्ला की चुनौती के बाद बढ़ा विवाद

पार्टी के भीतर बढ़ती खींचतान के बीच फारूक अब्दुल्ला ने अगस्त में रुहुल्लाह को चुनौती दी थी कि यदि उन्हें पार्टी के फैसलों से असहमति है तो वह लोकसभा से इस्तीफा देकर दोबारा चुनाव लड़ें। इसके बाद रुहुल्लाह ने अपने इस्तीफे का एलान किया था। उन्होंने तीन नवंबर की तारीख अपने पिता की पुण्यतिथि के अवसर पर चुनी। उनके कार्यालय की ओर से भी पहले ही पार्टी और लोकसभा सदस्यता छोड़ने की घोषणा की गई थी। रुहुल्लाह के इस्तीफे के एलान के बाद अब उनके अगले राजनीतिक कदम को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, उन्होंने भविष्य की राजनीतिक रणनीति को लेकर कोई स्पष्ट घोषणा नहीं की है। उनके फैसले से श्रीनगर लोकसभा सीट के खाली होने और संभावित उपचुनाव को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। लोकसभा से उनका इस्तीफा औपचारिक रूप से स्वीकार किए जाने की प्रक्रिया अलग होगी।

रामबन में खाई में गिरी टाटा सूमो, एक की मौत, दो घायल

भारतेन्दु संवाददाता, रामबन



जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में मंगलवार सुबह एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। हादसा चाका सरबगनी बस स्टैंड के पास उस समय हुआ, जब एक टाटा सूमो मोड़ से गुजरते हुए अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे जा गिरी।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन एक तीखे मोड़ पर चालक के नियंत्रण से बाहर हो गया और सड़क से फिसलकर नीचे जा गिरा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और संबंधित एजेंसियों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलने पर बचाव दल भी घटनास्थल पर पहुंचा और वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकालने का अभियान चलाया।

एक अधिकारी ने बताया कि हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हुए हैं। घायलों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। अधिकारी के मुताबिक, घटनास्थल पर बचाव अभियान जारी है और हादसे से संबंधित अन्य जानकारियां जुटाई जा रही हैं। दुर्घटना के कारणों का भी पता लगाया जा रहा है। मृतक की पहचान और घायलों की स्थिति के संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। हादसे के बाद आसपास के क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुट गई। बचाव दल ने घटनास्थल का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने भी दुर्घटना से जुड़ी जानकारी एकत्र करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि वाहन में सवार लोगों की संख्या, हादसे की परिस्थितियों और मृतक की पहचान संबंधी तथ्यों की पुष्टि की जा रही है। घायलों को आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। हादसे के कारणों की जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

आयुष पाठ्यक्रमों की खाली सीटों के लिए स्ट्रे राउंड काउंसलिंग

पात्र अभ्यर्थी पांच नवंबर तक नई पसंद भरकर काउंसलिंग में लें हिस्सा

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू



जम्मू-कश्मीर बोर्ड ऑफ प्रोफेशनल एंट्रेंस एग्जामिनेशन (जेकेबीओपीईई) ने बीएएमएस, बीयूएमएस और बीएचएमएस पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों को भरने के लिए स्ट्रे राउंड काउंसलिंग की घोषणा कर दी है। बोर्ड की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया तीन नवंबर को सुबह 11:30 बजे से शुरू होकर पांच नवंबर की मध्यरात्रि तक चलेगी। इस दौरान पात्र अभ्यर्थियों को नए सिरे से अपनी पसंद के कॉलेज और पाठ्यक्रम भरने होंगे।

बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि काउंसलिंग के पिछले चरणों में जिन अभ्यर्थियों को कोई सीट आवंटित नहीं हुई थी, वे इस प्रक्रिया में हिस्सा ले सकते हैं। इसके अलावा, जिन उम्मीदवारों को पहले किसी राउंड में सीट आवंटित हुई थी, लेकिन उन्होंने संबंधित संस्थान में प्रवेश नहीं लिया, उन्हें भी स्ट्रे राउंड में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

हालांकि, जिन अभ्यर्थियों ने पहले से किसी संस्थान में प्रवेश ले रखा है और उनकी सीट बरकरार है, वे इस काउंसलिंग में शामिल होने के पात्र नहीं होंगे। नीट-यूजी 2026 में पात्र वे उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने पहले आयोजित किसी भी काउंसलिंग चरण में हिस्सा नहीं लिया था। ऐसे अभ्यर्थियों को पहले 1500 रुपये काउंसलिंग शुल्क जमा करना होगा। इसके बाद ही वे अपनी पसंद भर सकेंगे।

जेकेबीओपीईई ने अधिसूचना में बताया है कि माप-अप राउंड के बाद आरक्षित वर्ग की जो सीटें खाली रह गई थीं, उन्हें निर्धारित नियमों के अनुसार ओपन मेरिट में परिवर्तित कर दिया गया है। इस कारण स्ट्रे राउंड में उपलब्ध सभी सीटें ओपन मेरिट के तहत भरी जाएंगी। पात्रता रखने वाले अभ्यर्थियों को इन सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिलेगा।

बोर्ड ने अभ्यर्थियों को विशेष रूप से निर्देश दिया है कि पिछले काउंसलिंग राउंड में उनके द्वारा भरी गई पसंद इस चरण के लिए मान्य नहीं होगी। सभी पात्र उम्मीदवारों को स्ट्रे राउंड के लिए नए सिरे से कॉलेज और पाठ्यक्रमों की प्राथमिकता दर्ज करनी होगी। यदि कोई अभ्यर्थी नई पसंद नहीं भरता है तो उसे सीट आवंटन की प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाएगा।

बिना मंजूरी स्कूल संचालन पर प्रशासन सख्त, मामला उच्च न्यायालय में लंबित

लद्दाख प्रशासन ने डेजर्ट फ्लावर स्कूल पर लगाई रोक, हाई कोर्ट के फैसले तक गतिविधियां बंद

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू



लद्दाख प्रशासन ने लेह के फ्यांग स्थित डेजर्ट फ्लावर स्कूल में कक्षाएं शुरू करने और अन्य गतिविधियां संचालित करने पर रोक लगा दी है। इस संबंध में प्रशासन ने हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स (एचआईएएल) की संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. गीतांजलि जे. आंग्मो को नोटिस जारी किया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि स्कूल से जुड़ा मामला जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। ऐसे में अदालत का अंतिम फैसला आने या कोई नया आदेश जारी होने तक स्कूल की गतिविधियां शुरू नहीं की जा सकतीं।

नोटिस में कहा गया है कि संबंधित अधिकारियों से आवश्यक सहमति, अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) और अन्य मंजूरियां प्राप्त किए बिना ही स्कूल का संचालन शुरू कर दिया गया है। प्रशासन ने इस पर आपत्ति जताते हुए चेतावनी दी है कि ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जाना चाहिए, जिससे उच्च न्यायालय में चल रही कानूनी कार्यवाही प्रभावित हो।

जानकारी के अनुसार, डॉ. गीतांजलि आंग्मो ने 22 सितंबर, 2026 को लेह के उपायुक्त को पत्र लिखकर एचआईएएल के तहत संचालित होने वाले डेजर्ट फ्लावर स्कूल की प्रबंधन समिति के प्रस्तावित सदस्यों के लिए एनओसी और आवश्यक मंजूरी जारी करने का अनुरोध किया था। हालांकि, प्रशासन के संज्ञान में आया कि मंजूरी मिलने से पहले ही स्कूल ने कामकाज शुरू कर दिया है। इसके बाद संबंधित अधिकारियों ने इस मामले में हस्तक्षेप किया।

गौरतलब है कि केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने अगस्त 2025 में एचआईएएल को आवंटित जमीन का आवंटन रद्द कर दिया था। इसके खिलाफ संस्थान ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की थी। यह मामला अभी अदालत में लंबित है। इसी कानूनी स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने फिलहाल यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। लेह के तहसीलदार ने एक नवंबर, 2026 को नोटिस जारी कर डॉ. आंग्मो को निर्देश दिया कि अदालत का अंतिम निर्णय आने तक स्कूल में कक्षाएं या किसी अन्य प्रकार की गतिविधियां संचालित न की जाएं। प्रशासन का कहना है कि न्यायालय में मामला लंबित रहने के दौरान किसी भी तरह की ऐसी कार्रवाई नहीं होनी चाहिए, जिसका असर कानूनी प्रक्रिया पर पड़े।

उमर आदिल डार के वित्तीय नेटवर्क और सीमा पार संपर्कों की जांच तेज

टेरर फंडिंग नेटवर्क की पड़ताल तेज, ईडी ने श्रीनगर में चार ठिकानों पर की छापेमारी

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू



प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने टेरर फंडिंग से जुड़े एक मामले में मंगलवार को श्रीनगर में चार स्थानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई ईडी के श्रीनगर जोनल कार्यालय की टीम ने की। एजेंसी प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के कथित ओवरग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) उमर आदिल डार और उसके साथियों की भूमिका की जांच कर रही है।

जांच एजेंसी के अनुसार, उमर आदिल डार पर लश्कर-ए-तैयबा के लिए ओवरग्राउंड वर्कर के तौर पर काम करने और संगठन की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहने का आरोप है। इससे पहले उसे उसके कुछ साथियों के साथ पकड़ा गया था। उस समय उनके पास से बड़ी मात्रा में नकदी और प्रतिबंधित संगठन से जुड़ा आपत्तिजनक साहित्य बरामद होने की बात सामने आई थी।

जांच में यह भी पता चला है कि उमर आदिल डार पहले करीब चार साल तक जेल में रह चुका है। उस पर जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी और भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप रहे हैं। ईडी की यह कार्रवाई कथित आतंकी फंडिंग के वित्तीय स्रोतों और नेटवर्क का पता लगाने के उद्देश्य से की जा रही है। एजेंसी यह जांच कर रही है कि धन कहां से जुटाया गया और किन माध्यमों से इसे आतंकी गतिविधियों तक पहुंचाया गया। इसके साथ ही सीमा पार बैठे कथित हैंडलर्स के साथ संपर्क और वित्तीय लेनदेन से जुड़े साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं। छापेमारी के दौरान मिले दस्तावेजों और अन्य सामग्री की जांच के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कश्मीर के वजवान में लौटा मावल का लाल रंग, किसानों में उत्साह

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर के पारंपरिक व्यंजनों को प्राकृतिक लाल रंग देने वाला मावल फूल एक बार फिर वजवान की रसोई में अपनी जगह बना रहा है। सिंथेटिक खाद्य रंगों पर प्रतिबंध और लोगों में स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण इसकी मांग में तेजी आई है। इससे उन किसानों का भी खेती की ओर रुझान बढ़ा है, जिन्होंने पहले इसकी पैदावार बंद कर दी थी। वनस्पति विज्ञान में सेलोसिया क्रिस्टाटा कहलाने वाले इस फूल को कॉक्सकॉम्ब भी कहा जाता है। इसके सूखे फूलों को पानी में भिगोकर प्राकृतिक लाल रंग निकाला जाता है। इसका इस्तेमाल रिस्ता, रोगन जोश और मर्चवंगन कोरमा जैसे पारंपरिक कश्मीरी व्यंजनों में किया जाता है। श्रीनगर के नूर बाग निवासी किसान बशीर अहमद पम्पोरी के अनुसार, तैयार खाद्य पदार्थों में सिंथेटिक रंगों पर प्रतिबंध के बाद मावल की मांग बढ़ी है। पिछले वर्ष अगस्त में खाद्य सुरक्षा विभाग ने वजवान, बिरयानी और अन्य तैयार खाद्य पदार्थों में कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल पर रोक लगाई थी।

डिगडोल-मरोग सुरंग निर्माण में देरी, 2030 तक मिलेगी राहत

चार साल में 36 प्रतिशत काम पूरा, भूस्खलन प्रभावित इलाकों से गुजरना बना रहेगा चुनौती

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर



जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर सफर करने वाले वाहन चालकों को भूस्खलन और पहाड़ों से गिरने वाले पत्थरों के खतरे से स्थायी राहत मिलने में अभी कई साल लग सकते हैं। रामबन-बनिहाल मार्ग के संवेदनशील हिस्सों को सुरक्षित बनाने के लिए बनाई जा रही डिगडोल-मरोग ट्विन ट्यूब टनल का निर्माण चार साल से अधिक समय बीतने के बावजूद महज 36 प्रतिशत पूरा हो पाया है। परियोजना की धीमी रफ्तार को देखते हुए आशंका है कि वाहन चालकों को बैटरी चश्मा मोड़, मंकी मोड़ और अनोखीफॉल जैसे खतरनाक स्थानों से पूरी राहत के लिए वर्ष 2030 तक इंतजार करना पड़ सकता है।

◆दोनों ट्यूब का निर्माण 2029 तक पूरा करने की योजना, समयसीमा खिसकने की आशंका कायम

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के परियोजना निदेशक शुभम यादव के अनुसार, जम्मू की ओर जाने वाली टनल को दिसंबर 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वहीं, दोनों ट्यूब का निर्माण 2029 के अंत तक पूरा करने की योजना है। हालांकि, परियोजना से जुड़े अधिकारियों का मानना है कि यदि काम की मौजूदा गति में तेजी नहीं आई तो निर्धारित समयसीमा आगे बढ़ सकती है और निर्माण वर्ष 2030 तक खिंच सकता है।

करीब 4.38 किलोमीटर लंबी इस ट्विन ट्यूब टनल का ठेका नवंबर 2021 में दिया गया था और अगस्त 2022 में निर्माण कार्य शुरू हुआ था। शुरुआत में इसे अगस्त 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। बाद में देरी के कारण समयसीमा बढ़ाकर 30 जून 2027 कर दी गई। अब तक केवल 36 प्रतिशत काम पूरा होने से इस संशोधित समयसीमा पर भी सवाल उठ रहे हैं।

परियोजना में जम्मू और श्रीनगर की ओर जाने वाले वाहनों के लिए दो अलग-अलग ट्यूब बनाई जा रही हैं। इसके अलावा दोनों तरफ एप्रोच रोड और 0.6 किलोमीटर का अतिरिक्त हिस्सा भी निर्माण योजना में शामिल है। टनल पूरी होने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग के करीब पांच किलोमीटर लंबे संवेदनशील हिस्से को बाइपास किया जा सकेगा। इससे भूस्खलन और पहाड़ों से पत्थर गिरने के कारण बार-बार बाधित होने वाले मार्ग पर यातायात अधिक सुरक्षित और सुगम हो सकेगा।

सियासत कहा - चुनाव आयोग पर सवाल उठाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं में अविश्वास फैला रही कांग्रेस

राम माधव ने कांग्रेस के वोट चोरी अभियान पर साधा निशाना

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू



भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राम माधव ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव लड़कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हराने में सक्षम नहीं है। इसलिए वह 'वोट चोरी' और चुनावी धांधली के आरोप लगाकर देश में भ्रम और अराजकता फैलाने की कोशिश कर रही है। जम्मू में मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव आयोग और देश की चुनावी व्यवस्था पर लगातार सवाल उठाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति लोगों का भरोसा कमजोर कर रही है।

राम माधव ने दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस और विपक्षी दलों की रैली का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें 10 लाख लोगों के शामिल होने का दावा किया गया था, जबकि उनके आकलन के अनुसार रैली में 50 हजार से अधिक लोग नहीं पहुंचे। उन्होंने कहा कि 23 विपक्षी दल मिलकर भी इतनी भीड़ नहीं जुटा पाए, जबकि जम्मू में भाजपा की एक विधानसभा क्षेत्र की रैली में पांच हजार लोग पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस 50 हजार लोगों को इकट्ठा कर अराजकता फैलाने की कोशिश करेगी तो भाजपा पांच लाख गांवों तक पहुंचकर 100 करोड़ लोगों को कांग्रेस की राजनीति के बारे में बताएगी।

इंदिरा गांधी और 1987 के चुनाव का किया जिक्र

राम माधव ने कांग्रेस पर चुनावी प्रक्रिया के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चुनाव और जम्मू-कश्मीर के 1987 के विधानसभा चुनाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी के चुनाव को लेकर हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ फैसला सुनाया था। वहीं, 1987 में राजीव गांधी और फारूक अब्दुल्ला के गठबंधन के दौरान हुए जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में धांधली के आरोप लगे थे। राम माधव ने दावा किया कि उस चुनाव के बाद प्रदेश में आतंकवाद के उभार की परिस्थितियां बनीं।

◆मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर भाजपा का समर्थन, कांग्रेस की रणनीति पर सवाल

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का समर्थन करते हुए राम माधव ने कहा कि कांग्रेस पिछले कई महीनों से चुनाव आयोग और चुनावी व्यवस्था को निशाना बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने की बात कह रही है, लेकिन अब तक किसी ऐसे व्यक्ति को सामने नहीं ला पाई, जिसका नाम गलत तरीके से हटाया गया हो। उन्होंने कहा कि देश में हर साल बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु होती है और लाखों लोग अपना निवास स्थान बदलते हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के आंतरिक विवाद पर टिप्पणी से किया इनकार

जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर चल रही राजनीतिक खींचतान और सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी के इस्तीफे को लेकर राम माधव ने कहा कि पार्टी में आंतरिक असंतोष सामने आ रहा है। उन्होंने रुहुल्लाह मेहदी की दूसरी रैली का उल्लेख करते हुए इसे अपने लोगों का आशीर्वाद बताया। हालांकि, पार्टी के अंदरूनी विवाद पर विस्तार से टिप्पणी करने से इनकार करते हुए उन्होंने कहा कि यह नेशनल कॉन्फ्रेंस का आंतरिक मामला है और इस पर वह कुछ नहीं कहना चाहते। हालिया कैबिनेट विस्तार के बाद पार्टी में मंत्रियों के कामकाज, नेतृत्व और राजनीतिक हिस्सेदारी को लेकर असंतोष की चर्चाएं सामने आई हैं।

जम्मू खनन कार्यालय में सीबीआई की छापेमारी

न्यू प्लाट स्थित कार्यालय में सीबीआई टीम ने की जांच, छापेमारी के कारणों का खुलासा नहीं

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू



जम्मू माइनिंग ऑफिस पर सीबीआई का छापा।

जम्मू के न्यू प्लाट क्षेत्र स्थित जिला खनन कार्यालय (डीएमओ) में मंगलवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने छापेमारी की। सीबीआई अधिकारियों की कई गाड़ियां कार्यालय परिसर में पहुंचीं, जिसके बाद टीम ने अंदर जांच शुरू कर दी। अधिकारियों ने कार्यालय के विभिन्न रिकॉर्ड, दस्तावेजों और अन्य संबंधित फाइलों की पड़ताल की।

सीबीआई की टीम की अचानक हुई कार्रवाई से कार्यालय और आसपास के इलाके में हलचल देखने को मिली। टीम के अधिकारी काफी समय तक कार्यालय के भीतर मौजूद रहे और उपलब्ध दस्तावेजों की जांच करते रहे। हालांकि, इस कार्रवाई के दौरान किसी अधिकारी या कर्मचारी से पूछताछ किए जाने अथवा किसी तरह की बरामदगी की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

फिलहाल सीबीआई की ओर से छापेमारी के संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कार्रवाई किस शिकायत, मामले या गोपनीय सूचना के आधार पर की गई है। जांच का दायरा और कार्रवाई के नतीजों को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी इसी जिला खनन कार्यालय में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की ओर से छापेमारी किए जाने की खबर सामने आई थी। ऐसे में मंगलवार को सीबीआई की कार्रवाई के बाद कार्यालय से जुड़े मामलों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, दोनों कार्रवाइयों के बीच किसी संबंध की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

फिलहाल सीबीआई की टीम की जांच जारी है। कार्रवाई पूरी होने और जांच एजेंसी की ओर से आधिकारिक जानकारी साझा किए जाने के बाद ही छापेमारी के कारणों तथा इससे जुड़े अन्य तथ्यों का पता चल सकेगा।

क्षमता हमारे भीतर

संपन्नता साकार

करने का रहस्य

प्रत्येक व्यक्ति स्वयं में प्रकाश का एक स्रोत है। जब तक मनुष्य अपने भीतर छिपे इस प्रकाश को पहचानकर उसे जागृत नहीं करता, तब तक समाज से अंधकार दूर करना संभव नहीं है। इसलिए हमें अपने आसपास जागरूकता, ज्ञान, प्रेम और उत्सव का वातावरण निर्मित करना चाहिए। विशेष रूप से ऐसे समय में, जब लोग चिंता और उदासी के कारण स्वयं को भीतर तक समेट लेते हैं, उन्हें जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करना आवश्यक है। यह उस शाश्वत ज्ञान में आनंदित होने का अवसर है कि हमारी आत्मा अजेय है। हमें संकल्प लेना चाहिए कि हर हृदय में ज्ञान और प्रेम का दीप जलाएंगे तथा प्रत्येक चेहरे पर प्रसन्नता और मुस्कान लाने का प्रयास करेंगे।

धनतेरस और दीपावली का पर्व संपन्नता और समृद्धि का अनुभव करने का विशेष अवसर है। हमारी परंपरा रही है कि इस दिन हम अपनी अर्जित संपत्ति को सामने रखकर उसकी प्रचुरता का अनुभव करते हैं। जब हमारा ध्यान अभाव के बजाय उपलब्धियों और प्रचुरता पर केंद्रित होता है, तो जीवन में संतुष्टि और सकारात्मकता का भाव बढ़ता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में प्राप्त सुख-सुविधाओं और उपलब्धियों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहिए। हमें इस भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए कि जीवन में जिन वस्तुओं और सुविधाओं की आवश्यकता है, उन्हें प्राप्त करने की



एआई निर्मित चित्र।

मौजूद है। हमें स्वयं को बार-बार याद दिलाना चाहिए कि हम समृद्ध हैं। यदि हम केवल अभाव और कमी के बारे में सोचते रहेंगे, तो जीवन में नकारात्मकता बढ़ेगी। दीपावली ऐसा पर्व है, जब हम सबसे पहले अपनी चेतना में यह विचार स्थापित करते हैं कि हमारे पास प्रचुरता है और हम संपन्न हैं। यही सकारात्मक विचार आगे चलकर हमारे भौतिक जीवन में भी समृद्धि के रूप में प्रकट हो सकता है।

संपन्नता का अर्थ केवल भौतिक धन और संपत्ति तक सीमित नहीं है। वास्तविक संपन्नता सर्वांगीण होती है। इसमें भौतिक सुख-सुविधाओं के साथ उत्तम स्वास्थ्य, सफलता, साहस, मैत्रीपूर्ण व्यवहार, कौशल, गरिमा और अपने मूल स्रोत की स्मृति भी शामिल है। जीवन में इन सभी गुणों का होना ही वास्तविक समृद्धि का परिचायक है। जब व्यक्ति के भीतर संतुष्टि, आत्मविश्वास और सकारात्मकता होती है, तब वह जीवन की चुनौतियों का सामना अधिक सहजता से कर पाता है।



गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

धनतेरस का पर्व भगवान धन्वंतरि की पूजा का भी पवित्र अवसर है। भगवान धन्वंतरि ने विश्व को आयुर्वेद का उपहार दिया। मानवीय चेतना के उत्थान और समाज के कल्याण के लिए समग्र स्वास्थ्य आवश्यक है। आयुर्वेद की प्राचीन चिकित्सा पद्धति हमें शरीर और मन को स्वस्थ रखने का मार्ग दिखाती है। अपने स्वास्थ्य को पुष्ट बनाए रखना और रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुदृढ़ करना प्रत्येक व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण है। आयुर्वेद में जड़ी-बूटियों, रसायनों और शरीर की शुद्धि के माध्यम से स्वयं को सबल बनाए रखने का ज्ञान दिया गया है। इस ज्ञान को अपनाकर हम स्वस्थ जीवन की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

एक शांतिपूर्ण और सुखी समाज के निर्माण के लिए सर्वांगीण कल्याण अनिवार्य है। प्रसन्नता भी अच्छे स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण अंग है। जब तक व्यक्ति भीतर से प्रसन्न नहीं है, तब तक उसे पूरी तरह स्वस्थ नहीं माना जा सकता। समग्र स्वास्थ्य का अर्थ केवल रोगों से मुक्त होना नहीं, बल्कि चेहरे पर मुस्कान, हृदय में करुणा और व्यवहार में अपनेपन की भावना होना भी है। अपने आसपास रहने वाले लोगों के साथ जुड़ाव और सहयोग की भावना समाज को मजबूत बनाती है। ये सभी गुण हमारी चेतना में पहले से मौजूद हैं। दीपावली हमें इन्हें पहचानने और जीवन में सकारात्मकता के बीज बोने का अवसर प्रदान करती है।

एआई निर्मित चित्र।

हमें स्वयं अपने लिए प्रकाश बनना चाहिए। योग सूत्रों में महर्षि पतंजलि ने कहा है, 'मूर्धन्योतिषि सिद्धदर्शनम्।' इसका आशय है कि अपने भीतर के प्रकाश को पहचानकर हम पूर्णता की ओर बढ़ सकते हैं। प्रत्येक व्यक्ति स्वयं में एक प्रकाश है। उसे पहचानना, अनुभव करना और सदैव स्मरण रखना ही दीपावली का वास्तविक उत्सव है। इसका सार ज्ञान की आभा से स्वयं को प्रकाशित करना और अपने प्रकाश से दूसरों के जीवन का मार्ग भी आलोकित करना है।

इस दीपावली हमें अपने भीतर ज्ञान और प्रेम का दीप जलाने का संकल्प लेना चाहिए। स्वयं प्रसन्न और संतुष्ट रहते हुए अपनी सकारात्मकता को आसपास के लोगों तक पहुंचाना चाहिए। अतीत की नकारात्मकता को पीछे छोड़कर सभी के साथ प्रेम, सद्भाव और सामंजस्य स्थापित करना चाहिए। यही दीपावली का वास्तविक संदेश है कि हम अपने भीतर के प्रकाश को पहचानें और उससे पूरे समाज को प्रकाशित करने का प्रयास करें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मिट्टी के दीयों से एलईडी तक, बदलती दीपावली और खोती परंपराएं

दीपावली खुशियों, उमंग और उल्लास का प्रतीक पर्व है। इसे परंपरागत तरीके से मनाना ही इसकी वास्तविक सार्थकता है। एक समय था जब लोग दीपावली की तैयारियों में कई महीने पहले ही जुट जाते थे। घरों की साफ-सफाई, रंगाई-पुताई, मिट्टी के दीप खरीदने और पकवान बनाने का उत्साह देखते ही बनता था। लेकिन आज के आधुनिक दौर में त्योहार भी केवल एक औपचारिकता बनकर रह गए हैं। सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं देने तक ही लोगों की भागीदारी सीमित होती जा रही है। त्योहारों को लेकर पहले जैसी उत्सुकता और आपसी प्रेमभाव अब कहीं दिखाई नहीं देता।

बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक दीपावली पर्व का समाज के लिए विशेष संदेश है। भगवान श्रीराम के जीवन और आदर्शों से जुड़ी रामायण का मंचन हर वर्ष किया जाता है, लेकिन इसके संदेशों को जीवन में अपनाने के प्रति हम अभी तक पूरी तरह सफल नहीं हो पाए हैं। कुछ लोग रामलीला के मंचन को केवल मनोरंजन का साधन मानते हैं, जबकि रामायण हमें त्याग, प्रेम, समर्पण, मर्यादा और मानवता का पाठ पढ़ाती है।

भगवान श्रीराम ने पिता के वचन की लाज रखने के लिए चौदह वर्षों का वनवास स्वीकार किया था। राजा दशरथ की पत्नी कैकेयी ने अपने पुत्र भरत को राजगद्दी पर बैठाने की जिद में श्रीराम को वनवास भेजने का वरदान मांग लिया था। लेकिन भरत ने सिंहासन स्वीकार करने के बजाय अपने बड़े भाई श्रीराम की चरण पादुकाओं को राजगद्दी पर स्थापित कर दिया। यह प्रसंग उस समय के प्रेम, भाईचारे और त्याग की भावना को दर्शाता है। वनवास के दौरान माता शबरी के जूठे बेर भगवान श्रीराम द्वारा प्रेमपूर्वक स्वीकार करना भी सामाजिक



एआई निर्मित चित्र।

समानता और मानवता का संदेश देता है। महर्षि वाल्मीकि द्वारा रामायण की रचना करना भी इस बात का प्रमाण है कि भारतीय संस्कृति में ज्ञान और भक्ति को सर्वोपरि माना गया है।

रावण ने अपनी बहन शूर्पणखा के अपमान का बदला लेने के लिए माता सीता का हरण किया था, लेकिन उन्हें



सुखदेव सिंह, नूरपुर

लंका में रखने के बावजूद कभी स्पर्श नहीं किया। अंततः रावण का वध करने के बाद भगवान श्रीराम अयोध्या लौटे तो नगरवासियों ने घी के दीप जलाकर उनका स्वागत किया। इसी परंपरा से दीपावली मनाने की शुरुआत मानी जाती है। ऐसे में विचार करने की आवश्यकता है कि क्या हम वास्तव में दीपावली को उसके मूल स्वरूप और उद्देश्य के अनुरूप मना रहे हैं?

एक समय था जब दीपावली के आगमन से पहले कुम्हार समुदाय के लोग मिट्टी के दीप, कुजे और खटनियां बनाने में जुट जाते थे। बाजारों में दुकानों के बाहर मिट्टी के बर्तनों के ढेर लगे रहते थे, जो त्योहार के नजदीक आने का एहसास कराते थे। गांवों के लोग कुम्हारों के घर जाकर दीप और अन्य मिट्टी के बर्तन खरीदकर लाते थे। मिट्टी के दीपों में रूई की बाती बनाकर सरसों का तेल या देसी घी डाला जाता और उन्हें प्रज्वलित कर माता लक्ष्मी तथा पितृ देवताओं की पूजा-अर्चना की जाती थी।

घर की महिलाएं रंगोली बनाकर आंगन और कमरों को सजाती थीं। ऐसी मान्यता थी कि दीपावली के दिन माता लक्ष्मी घर में प्रवेश करती हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं। इस अवसर पर बहू-बेटियों को विशेष रूप से घर बुलाया जाता था। दूर-दराज के प्रदेशों में रोजगार के लिए गए लोग भी परिवार के साथ दीपावली मनाने के लिए घर लौटते थे। घरों में मिठाइयां और विभिन्न प्रकार के पकवान बनाए जाते तथा उन्हें पड़ोसियों और रिश्तेदारों में बांटा जाता था। सूर्यास्त होते ही परिवार का मुखिया दीप प्रज्वलित कर माता लक्ष्मी और पितृ देवताओं की पूजा करता था। इस तरह दीपावली केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि परिवार और समाज को जोड़ने का माध्यम भी थी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

हिमाचल में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से पुलिस व्यवस्था पर उठे सवाल

हिमाचल प्रदेश हमेशा से शांतिप्रिय और सुरक्षित राज्य के रूप में पहचाना जाता रहा है। यहां के लोग अपनी ईमानदारी, भाईचारे और मेहमाननवाजी के लिए देशभर में प्रसिद्ध हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में चोरी, सेंधमारी और घरों में घुसकर सामान उड़ाने की घटनाएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। चोरी और सेंधमारी के सबसे अधिक मामले कांगड़ा, मंडी और शिमला जिलों में दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा सोलन (बद्दी) और ऊना जैसे औद्योगिक व शहरी क्षेत्रों में रात के समय घरों या दुकानों के शटर तोड़कर चोरी करने के मामलों में भी बढ़ोतरी हुई है। इन लगातार हो रही वारदातों ने आम लोगों के मन में सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अब ऐसा कोई जिला नहीं बचा है, जहां चोरी की घटनाएं न हुई हों। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर हिमाचल में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के लिए जिम्मेदार कौन है?

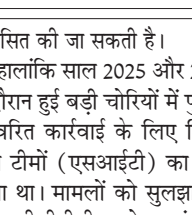
घरों और दुकानों की सुरक्षा पर मंडराया खतरा



एआई निर्मित चित्र।

कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस और प्रशासन की जिम्मेदारी होती है। कई क्षेत्रों में लोगों की शिकायत रहती है कि रात के समय पुलिस पर्याप्त गश्त नहीं करती। बाजारों, सुनसान सड़कों, रिहायशी कॉलोनियों और ग्रामीण इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत है। यदि किसी क्षेत्र में बार-बार चोरी की घटनाएं हो रही हैं तो पुलिस को अपराध के पैटर्न का विश्लेषण कर संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी बढ़ानी चाहिए। चोरी के मामलों में त्वरित जांच, आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी की संपत्ति की बरामदगी भी जरूरी है। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस को संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों, खासकर फेरी वालों पर भी नजर रखनी होगी। कई बार दिन के उजाले में रेकी करने के बाद रात के अंधेरे में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया जाता है। ऐसे में पुलिस को इस तरह की गतिविधियों पर सतर्कता बरतनी चाहिए।

प्रदेश में नशे की समस्या भी एक गंभीर सामाजिक चुनौती बनी हुई है। कुछ मामलों में नशे की लत ही अपराध की ओर धकेलती है। हालांकि हर चोरी को नशे से जोड़ना सही नहीं होगा। इसके लिए पुलिस जांच और ठोस साक्ष्य जरूरी हैं। इसके अलावा बेरोजगारी, आर्थिक स्थिति और आपराधिक प्रवृत्ति भी कुछ लोगों को अपराध की ओर ले जाती है। इन परिस्थितियों को समझते हुए केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि अपराध की वजहों पर भी ध्यान देना होगा। सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी भी है। लोगों को अपने घरों में सीसीटीवी कैमरे लगाने, मजबूत ताले इस्तेमाल करने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने की जरूरत है। गांवों और मोहल्लों में सामुदायिक निगरानी व्यवस्था भी विकसित की जा सकती है।



विजय शर्मा

हालांकि साल 2025 और 2026 के दौरान हुई बड़ी चोरियों में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई के लिए विशेष जांच टीमों (एसआईटी) का गठन किया था। मामलों को सुलझाने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगालने और वाहन नंबर ट्रेसिंग जैसी तकनीकों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया। कई मामलों में पुलिस को सफलता भी मिली है, लेकिन सवाल फिर वहीं है कि जब पुलिस कार्रवाई कर रही है तो वारदातें रुक क्यों नहीं रही हैं? केवल मामलों को सुलझाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिससे अपराधियों में कानून का डर पैदा हो और चोरी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लग सके। इसके लिए पुलिस को नियमित रात्रि गश्त, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, चोरी के पुराने मामलों की समीक्षा और अपराधियों के नेटवर्क पर कार्रवाई करनी होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नशे पर लगाम जरूरी



एआई निर्मित चित्र।

स्वास्थ्य किसी भी व्यक्ति, परिवार और समाज की सबसे बड़ी पूंजी है। स्वस्थ नागरिक ही किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति होते हैं और उसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। लेकिन वर्तमान समय में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति समाज के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। शराब, तंबाकू, सिगरेट, गुटखा, चरस, गांजा, अफीम और अन्य मादक पदार्थों का बढ़ता सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि परिवारों की खुशियां, सामाजिक सौहार्द और आर्थिक स्थिरता को भी प्रभावित कर रहा है। यदि समय रहते इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया, तो इसके दुष्परिणाम आने वाली पीढ़ियों तक देखने को मिल सकते हैं।

नशा मानव शरीर के लगभग प्रत्येक अंग को प्रभावित करता है। तंबाकू और सिगरेट के सेवन से फेफड़ों का कैंसर, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और श्वसन संबंधी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अत्यधिक शराब का सेवन यकृत (लीवर), गुर्दों और मस्तिष्क को नुकसान पहुंचाता है। वहीं चरस, गांजा और अन्य मादक पदार्थ मानसिक संतुलन को प्रभावित कर व्यक्ति को अवसाद, चिंता, तनाव और आत्मविश्वास की कमी जैसी समस्याओं का शिकार बना



केशव शर्मा 'रसिक'

देते हैं। लंबे समय तक नशे की लत व्यक्ति की कार्यक्षमता को कम कर देती है और उसका सामाजिक जीवन भी प्रभावित होने लगता है।

नशे का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका पूरा परिवार इसकी कीमत चुकाता है। नशे की लत के कारण घरेलू हिंसा, पारिवारिक कलह, आर्थिक तंगी और रिश्तों में दूरियां बढ़ने लगती हैं। कई परिवारों की वर्षों की मेहनत से अर्जित पूंजी नशे की आदतों में नष्ट हो जाती है। ऐसे वातावरण में पलने वाले बच्चों का मानसिक और भावनात्मक विकास भी प्रभावित होता है, जिससे उनका भविष्य संकट में पड़ सकता है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि आज का युवा वर्ग तेजी से नशे की गिरफ्त में आता जा रहा है। मित्रों का दबाव, गलत संगति, बेरोजगारी, तनाव, दिखावे की संस्कृति और सोशल मीडिया का प्रभाव युवाओं को नशे की ओर आकर्षित कर रहा है। कुछ लोग इसे आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा मान लेते हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि नशा धीरे-धीरे व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और भविष्य को बर्बाद कर देता है। यही युवा देश का भविष्य हैं और यदि वे नशे की चपेट में आ गए, तो राष्ट्र की प्रगति भी प्रभावित होगी। नशे पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सरकार, समाज और परिवार को मिलकर कार्य करना होगा। विद्यालयों और महाविद्यालयों में नियमित रूप से नशा मुक्ति अभियान, जागरूकता कार्य, म और परामर्श शिविर आयोजित किए जाने चाहिए। युवाओं को खेल, योग, सांस्कृतिक गतिविधियों और कौशल विकास कार्य, में से जोड़ना आवश्यक है, ताकि उनकी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लग सके।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कविता

हे धरा कृपा करो

वीरेन्द्र शर्मा वात्स्यायन

धधक धधक रही धरा अब,
झुलस रहे सभी प्राणी जीव
देखा नहीं ऐसा मंजर कभी,
हे धरा ! हम पर कृपा करो
क्यों तुम रूठी हो वसुधा,
सूख रही है प्रकृति यहां
चारों ओर गर्मी का कहर,
धरा बंजर है बन रही
कांटे ही कांटे उग रहे,
छाया का नाम कहां
धूप अंगारे बरसा रही,
हे वसुधा ! कृपा करो
ममतामयी कहलाती हो तुम ,
छोड़कर क्रोध की अग्नि
ठंडक प्रदान करो हमें,
हे धरती मां! माफ करो
आगे से नहीं करेंगे छेड़छाड़ ,
करो हम सबका तुम भला
करेंगे हमेशा ख्याल तेरा,
सुरक्षित नहीं हैं हम यहां
तुम पर ही हमारी डोर ,
हो यहां सदा सुखद भोर
हे वसुधा ! तूं है तो हैं हम क्षमा करो तुम हमारी भूल
हमारी दयनीय दशा को देख, कृपा करो हे वसुंधरा ! तुम

संपादकीय

तथ्यों से हो चर्चा

दिल्ली में विपक्ष की रैली के ठीक अगले दिन हैदराबाद में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जिस तरह विपक्षी नेताओं, विशेष रूप से कांग्रेस नेता राहुल गांधी, को निशाने पर लिया, उससे स्पष्ट है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर उठाए जा रहे राजनीतिक सवालों का जवाब देने के लिए सत्तापक्ष पूरी तरह तैयार है। विपक्ष लगातार मतदाता सूचियों के शुद्धीकरण की प्रक्रिया को वोट चोरी का नाम देकर जनता के बीच भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहा है। मसौदा मतदाता सूची से करीब 13 करोड़ नाम हटाए जाने को लेकर विपक्ष ने जिस तरह का राजनीतिक अभियान छेड़ा है, उससे ऐसा प्रतीत होता है कि वह इस पूरी प्रक्रिया को समझने के बजाय इसे सरकार और चुनाव आयोग के विरुद्ध राजनीतिक हथियार बनाने में जुटा है। लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुद्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि चुनाव की निष्पक्षता का आधार ही सही मतदाता सूची होती है। यदि किसी सूची में मृत व्यक्तियों, स्थायी रूप से पलायन कर चुके लोगों या एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं के नाम बने रहते हैं, तो इससे चुनावी व्यवस्था की विश्वसनीयता प्रभावित होती है।

गृहमंत्री अमित शाह ने हैदराबाद में एसआइआर को लेकर उठाए जा रहे सवालों का जवाब देते हुए बताया कि हटाए गए करीब 13 करोड़ नामों में लगभग 6.30 करोड़ ऐसे लोग हैं, जो स्थायी रूप से दूसरे स्थानों पर जा चुके हैं। करीब 2.80 करोड़ मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है, जबकि एक करोड़ से अधिक लोगों के नाम दो या तीन स्थानों पर दर्ज पाए गए हैं। इसके अतिरिक्त लगभग तीन करोड़ लोग सत्यापन के दौरान अपने निर्धारित पते पर नहीं मिले। शाह ने इन तीन करोड़ लोगों को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि उनके बारे में पड़ोसियों तक को जानकारी नहीं है। उन्होंने ऐसे लोगों को घुसपैठिया बताते हुए स्पष्ट किया कि उनके नाम मतदाता सूची में बने रहने का कोई औचित्य नहीं है। हालांकि, इस तरह के मामलों में अंतिम निष्कर्ष संबंधित दस्तावेजों और निर्धारित सत्यापन प्रक्रिया के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए। मतदाता सूची में नाम दर्ज होना केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और नागरिक अधिकारों से जुड़ा विषय है।

दरअसल, मतदाता सूची का नियमित पुनरीक्षण किसी भी लोकतांत्रिक देश की चुनावी व्यवस्था का आवश्यक हिस्सा है। समय के साथ लोगों के पते बदलते हैं, अनेक मतदाता दूसरे शहरों और राज्यों में जाकर बस जाते हैं तथा बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु हो जाती है। इसके बावजूद यदि उनके नाम पुरानी मतदाता सूची में बने रहते हैं तो फर्जी मतदान और चुनावी अनियमितताओं की आशंका पैदा हो सकती है। इसी तरह एक ही व्यक्ति का नाम अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में दर्ज होना भी चुनावी पारदर्शिता के लिए उचित नहीं है। इसलिए एसआइआर जैसी प्रक्रिया का उद्देश्य वास्तविक मतदाताओं की पहचान करना और मतदाता सूची को अद्यतन बनाना होना चाहिए। विपक्ष को इस बुनियादी आवश्यकता को समझना चाहिए। केवल राजनीतिक विरोध के लिए हर प्रशासनिक प्रक्रिया को संदेह के घेरे में खड़ा करना लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत नहीं करता।

देश में अवैध घुसपैठ का मुद्दा भी लंबे समय से गंभीर चिंता का विषय रहा है। विशेष रूप से बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ को लेकर पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा जैसे राज्यों में समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसंख्या के स्वरूप में बदलाव, अवैध रूप से रहने वाले लोगों की पहचान और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सरकारी सुविधाएं प्राप्त करने जैसे विषय राष्ट्रीय सुरक्षा तथा प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े हैं। यदि कोई विदेशी नागरिक गलत तरीके से भारतीय पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज हासिल कर लेता है, तो यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि देश की नागरिकता और चुनावी व्यवस्था के लिए भी चुनौती बन सकता है। ऐसे मामलों में निष्पक्ष जांच और कानूनी कार्रवाई आवश्यक है। हालांकि, किसी व्यक्ति का सत्यापन के समय अपने पते पर नहीं मिलना मात्र उसे घुसपैठिया घोषित करने का पर्याप्त आधार नहीं हो सकता। प्रत्येक मामले में प्रमाण और निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन जरूरी है।

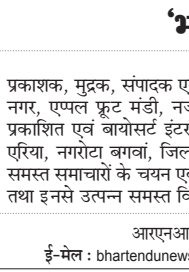
विपक्ष की भूमिका पर भी इस पूरे विवाद के संदर्भ में सवाल उठना स्वाभाविक है। यदि किसी मतदाता का नाम गलत तरीके से हटाया गया है तो उसे प्रमाणों के साथ सामने लाना चाहिए। चुनाव आयोग के समक्ष आपत्ति दर्ज कराने और नाम दोबारा शामिल कराने के लिए उपलब्ध प्रक्रियाओं का उपयोग करना चाहिए। केवल राजनीतिक मंचों से वोट चोरी के आरोप लगाने से किसी समस्या का समाधान नहीं निकल सकता। बिहार में एसआइआर के दौरान करीब 65 लाख नाम हटाए जाने पर भी विपक्ष ने व्यापक विरोध किया था। उस समय भी यह सवाल उठा था कि हटाए गए नामों में कितने वास्तविक और पात्र मतदाताओं के थे तथा कितने ऐसे लोगों के, जिनके नाम विभिन्न कारणों से सूची में बने हुए थे। किसी भी राजनीतिक दल को यदि लगता है कि वास्तविक मतदाताओं के अधिकार प्रभावित हुए हैं तो उसे ऐसे मामलों को प्रमाण सहित सामने रखना चाहिए। यह भी महत्वपूर्ण है कि चुनावी प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक दलों के रुख में एकरूपता दिखाई दे।

- शिवांश धाकड़

आज की प्रमुख हस्ती

दुनिया की 'मानव कंप्यूटर'

शकुंतला देवी का जन्म 4 नवंबर, 1929 को कर्नाटक के बेंगलुरु में हुआ था। उन्हें दुनिया भर में 'मानव कंप्यूटर' के नाम से पहचान मिली।



शकुंतला देवी
जन्म : 4 नवंबर, 1929

बचपन से ही उनमें असाधारण गणना क्षमता थी। उनके पिता सीवी सुंदरराज राव सर्कस में ट्रैपेज कलाकार, शेरों को काबू करने वाले, रस्सी पर चलने वाले और जादूगर के रूप में काम करते थे। जब शकुंतला देवी करीब तीन वर्ष की थीं, तब उनके पिता ने ताश के एक खेल के दौरान उनकी असाधारण स्मरण शक्ति और संख्याओं को समझने की क्षमता को पहचाना। इसके बाद उनके पिता ने सर्कस छोड़कर उन्हें विभिन्न स्थानों पर ले जाना शुरू किया, जहां वह अपनी गणना प्रतिभा का प्रदर्शन करती थीं। उन्होंने बिना किसी औपचारिक शिक्षा के गणित की जटिल गणनाएं करने में महारत हासिल की। महज छह वर्ष की आयु में उन्होंने मैसूर विश्वविद्यालय में अपनी गणितीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वर्ष 1944 में 15 वर्ष की उम्र में वह लंदन चली गईं और वहां भी अपनी प्रतिभा से लोगों को प्रभावित किया।

शकुंतला देवी ने अपनी मानसिक गणना क्षमता का प्रदर्शन भारत सहित दुनिया के कई देशों में किया। वर्ष 1977 में अमेरिका की सदर्न मेथोडिस्ट यूनिवर्सिटी में उन्होंने 201 अंकों वाली संख्या का 23वां मूल महज 50 सेकंड में निकाल दिया। उनके उत्तर की पुष्टि के लिए अमेरिकी मानक ब्यूरो के यूनीवैक कंप्यूटर का इस्तेमाल किया गया, जिसे सही उत्तर देने में 62 सेकंड लगे। वर्ष 1988 में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आर्थर जेनसन ने भी उनकी गणना क्षमता का वैज्ञानिक अध्ययन किया। उन्होंने कई बड़ी संख्याओं के घनमूल और सातवें मूल निकालने जैसे कठिन सवालों के जवाब बेहद कम समय में दिए। 18 जून, 1980 को लंदन के इम्पीरियल कॉलेज में उन्होंने 13 अंकों वाली दो संख्याओं का गुणा महज 28 सेकंड में करके सभी को हैरान कर दिया। इस उपलब्धि को वर्ष 1982 के गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया। हालांकि, इसका आधिकारिक प्रमाणपत्र उन्हें मरणोपरांत 30 जुलाई, 2020 को प्रदान किया गया।

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437

ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

राज्यपाल ने स्नातकों से सामाजिक बदलाव और राष्ट्र निर्माण का वाहक बनने का किया आह्वान

सीपीयू के दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की, 648 विद्यार्थियों को प्रदान की डिग्रियां



सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने करियर प्वाइंट विश्वविद्यालय, हमीरपुर के 12वें दीक्षांत समारोह में युवा स्नातकों से अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज में सकारात्मक बदलाव लाने तथा राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल व्यक्तिगत सफलता हासिल करना नहीं, बल्कि सामाजिक आवश्यकताओं और राष्ट्रीय विकास से जुड़ना भी है।

समारोह में कुल 648 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। इनमें 43 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि मिली, जबकि शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए 43 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। स्वर्ण पदक विजेताओं में 29 छात्राएं और 14 छात्र शामिल रहे। राज्यपाल ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी।

उन्होंने विश्वविद्यालय की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के विस्तार और सामुदायिक विकास के प्रयासों की सराहना की। इनमें 100 गांवों को गोद लेना, 'मेरा गांव मेरा तीर्थ' अभियान तथा ग्रामीण आजीविका, स्वास्थ्य जागरूकता और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना शामिल है। उन्होंने 'विज्ञान दर्शन' पहल के माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया।

राज्यपाल ने कहा कि सफलता का आकलन केवल वेतन, पद या पहचान से नहीं होना चाहिए, बल्कि यह देखना चाहिए कि व्यक्ति का ज्ञान दूसरों के जीवन में कितना सकारात्मक बदलाव लाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति, गांव और जड़ों से जुड़े रहने की सलाह दी। साथ ही कृषि, पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता में अनुसंधान को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई।

राज्यपाल ने मोटे अनाज आधारित पुस्तक का किया लोकार्पण

राज्यपाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के साथ विश्वविद्यालय में योग, पारंपरिक चिकित्सा, भारतीय मूल्यों और मोटे अनाज को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को शिक्षा को स्थानीय जरूरतों और जनकल्याण से जोड़ने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इस दौरान राज्यपाल ने हिमाचल प्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व उद्योग मंत्री कुलदीप धीमान, सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. डीएस राणा और प्रसिद्ध लोक गायक करनैल राणा को मानद उपाधियां प्रदान कीं। उन्होंने विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन किया और मोटे अनाज पर आधारित पुस्तक का लोकार्पण भी किया। इसके अलावा मिलेट्स फेस्टिवल के विजेताओं को सम्मानित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव शर्मा ने संस्थान की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

सरकारी अस्पतालों में टेस्ट बंद होने पर विधायक पवन काजल ने सरकार को घेरा



आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। भाजपा उपाध्यक्ष एवं विधायक पवन काजल ने सरकारी अस्पतालों में क्रिसना डायग्नोस्टिक लैब के माध्यम से होने वाले मरीजों के टेस्ट बंद होने पर प्रदेश सरकार की कड़ी निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने में नाकाम रही है। मेडिकल कॉलेज टांडा में सिरिंज, रुई, ग्लूकोज और जीवनरक्षक दवाइयों की कमी के कारण मरीजों को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

अब सरकारी अस्पतालों में कम दरों पर होने वाले टेस्ट बंद होने से गरीब और मध्यम वर्ग के मरीजों को निजी अस्पतालों में महंगा उपचार करवाना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से क्रिसना लैब कर्मचारियों के लंबित वेतन का दिवाली से पहले भुगतान करने की मांग की। मंगलवार को वैदी पंचायत में कबड्डी प्रतियोगिता के समापन समारोह में काजल ने कांग्रेस सरकार पर चुनावी गारंटियां पूरी नहीं करने और बेरोजगारों को स्थायी रोजगार देने में विफल रहने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि महिलाएं चार साल से 1500 रुपये मासिक सहायता का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने बताया कि वैदी गांव में 15 लाख रुपये से खेल मैदान बनाया गया है और 15 हैंडपंप लगाए गए हैं। युवा क्लब को 11 हजार रुपये दिए। प्रतियोगिता में 12 टीमों ने भाग लिया। फाइनल में पालमपुर ने सलोल को हराकर ट्रॉफी जीती। विजेता को 4100 और उपविजेता को 3100 रुपये दिए गए।

न्यूज ब्रीफ

ईको-क्राफ्ट प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

रूप लाल कौंडल, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी के वनस्पति विज्ञान विभाग की ओर से मंगलवार को वनस्पति विज्ञान प्रयोगशाला में दीपावली के अवसर पर पर्यावरण अनुकूल सजावटी वस्तुओं की प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता आयोजित की गई। विभागाध्यक्ष डॉ. तारा देवी सेन के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में एथ्नोबॉटनी विषय के 26 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने औषधीय पौधों से धूपबत्तियां तथा चीड़ की पत्तियों और जूट से फूलदान, दीपक, आभूषण, टोकरियां और अन्य सजावटी वस्तुएं तैयार कीं। प्रतियोगिता में रोटरी क्लब ऑफ मनाली की अध्यक्ष रोटेरियन मीनाक्षी और महाविद्यालय के गणित विभाग के प्रो. परविंदर दूर ने निर्णायक की भूमिका निभाई। उन्होंने उत्पादों की रचनात्मकता और नवीनता के आधार पर विजेताओं का चयन किया। अवंतिका शर्मा और अंजलि प्रथम, धार्वी और पारुल द्वितीय तथा हिरिल और पालवी तृतीय स्थान पर रहीं।

व्यापारियों की चिंताओं को प्राथमिकता देते हुए भाजपा ने बदला जनसभा स्थल, अब कुमार पैलेस में होगी सभा : राकेश ठाकुर

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। व्यापार मंडल के आग्रह पर भाजपा जिला हमीरपुर ने 4 नवंबर को प्रस्तावित जनसभा का स्थान बदल दिया है। अब जनसभा गांधी चौक के बजाय कुमार पैलेस में आयोजित होगी। भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने बताया कि त्योहारी सीजन में बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही अधिक रहती है। ऐसे में गांधी चौक पर जनसभा होने से व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित होने की आशंका थी। व्यापारियों की चिंताओं को देखते हुए प्रदेश नेतृत्व से चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया। शहरी निकाय प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक अजमेर सिंह ठाकुर ने कहा कि व्यापारियों के हितों का ध्यान रखना पार्टी की प्राथमिकता है। जनसभा के बाद पदयात्रा कुमार पैलेस से शुरू होकर ओल्ड आरटीओ रोड, भोटा चौक और मुख्य बाजार से होते हुए गांधी चौक पहुंचेगी।

धर्मशाला में सिर्फ तय जगहों पर बिकेंगे पटाखे रात 8 से 10 बजे तक ही आतिशबाजी की छूट

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। दीपावली पर पटाखों की बिक्री और आतिशबाजी को लेकर प्रशासन ने सख्त नियम लागू किए हैं। शहर में पटाखों की बिक्री के लिए चार स्थान निर्धारित किए गए हैं। इनमें दाड़ी ग्राउंड, भागसूनाग रोड पर सब्जी मंडी के सामने खाली जगह, कम्युनिटी हॉल के रास्ते का खुला क्षेत्र और पुलिस ग्राउंड शामिल हैं। दुकानदारों को बिक्री के लिए एलई-5 श्रेणी का अस्थायी लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। एसडीएम मोहित रत्न के अनुसार, बिना लाइसेंस पटाखे बेचने की अनुमति नहीं होगी। दिवाली की रात केवल रात 8 से 10 बजे तक आतिशबाजी की जा सकेगी। नियम तोड़ने वालों पर कानूनी कार्रवाई होगी।

12 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन

सन्नी महाजन, भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कांगड़ा की ओर से 12 दिसंबर, 2026 को प्रदेश के सभी जिला एवं अधीनस्थ न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी। सचिव आर. महिंदल शर्मा ने बताया कि इसमें बैंक, श्रम विवाद, बिजली-पानी के बिल, वैवाहिक विवाद, पूर्व मुकदमेबाजी और लंबित मामलों का निपटारा किया जाएगा। मुकदमे से पहले आपसी समझौता करने के इच्छुक लोग संबंधित न्यायालय में आवेदन कर सकते हैं। आमजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं या टोल फ्री हेल्पलाइन 15100 पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने लोगों से लोक अदालत में भाग लेकर आपसी सहमति से मामलों का निपटारा करवाने की अपील की।

गांवों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकास कार्य कर रही सरकार : केवल सिंह

भारतेन्दु संवाददाता, शाहपुर। विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने ग्राम पंचायत सुधेड़ के मतेई धार में 15.78 लाख रुपये की लागत से स्थापित 63 केवीए ट्रांसफार्मर का लोकार्पण किया। इससे क्षेत्र के करीब 150 घरों को लाभ मिलेगा और लंबे समय से चली आ रही कम वोल्टेज की समस्या में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं मजबूत करने को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने मतेई धार की सड़क पक्की करवाने का मामला मुख्यमंत्री के समक्ष उठाने का आश्वासन दिया। साथ ही सुधेड़ में पुरानी पेयजल पाइपें बदलने के लिए जल शक्ति विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए।

गुरु राजीव वशिष्ठ वॉलीबॉल एवं फिटनेस अकादमी का भव्य उद्घाटन संपन्न

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। गुरु राजीव वशिष्ठ वॉलीबॉल एवं फिटनेस अकादमी का विधिवत उद्घाटन विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री नीरज दौनोरिया ने किया। इस अवसर पर अंडर-18 बालक एवं बालिका वॉलीबॉल प्रतियोगिता और जिला स्तरीय टीम के चयन के लिए ट्रायल आयोजित किए गए। प्रतियोगिता में 13 बालक और चार बालिका टीमों ने भाग लिया। अकादमी का उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़कर नशे से दूर रखना और उन्हें स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन के लिए प्रेरित करना है।

उपायुक्त निवेदिता नेगी ने विकास कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। उपायुक्त निवेदिता नेगी ने पंचायती राज और ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के लंबित कार्य शीघ्र पूरे करने और स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालयों व सामुदायिक सोख्ता गड्ढों के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाइयों, ग्रामीण आजीविका मिशन और विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति पर चर्चा हुई। उपायुक्त ने अधिकारियों को योजनाओं के तहत उपलब्ध अव्ययित धनराशि विकास कार्यों पर समयबद्ध खर्च करने के निर्देश दिए।

आईआईटी रोपड़ में अनुराग ठाकुर ने विकसित भारत 2047 का तकनीकी विजन प्रस्तुत किया



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री एवं हमीरपुर के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने 3 नवंबर को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रोपड़ में आयोजित इनोप्रेन्योर 2026 कार्यक्रम को संबोधित किया। विकसित भारत 2047 के लिए अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर केंद्रित इस कार्यक्रम में उन्होंने भारत की तकनीकी क्षमताओं और स्टार्टअप क्षेत्र की प्रगति पर विचार रखे।

अनुराग ठाकुर ने आईआईटी रोपड़ की 18 वर्षों की यात्रा की सराहना की। उन्होंने 2019 की बाढ़ के बाद संस्थान द्वारा किए गए पुनर्निर्माण कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि संस्थान से 600 से अधिक स्टार्टअप जुड़े हैं। कृषि क्षेत्र में नैनोकृति नैनोबबल टेक्नोलॉजीज और अन्नम एआई जैसी पहल अनुसंधान के व्यावहारिक उपयोग के उदाहरण हैं। भारतीय सेना के सहयोग से ड्रोन और स्वायत्त प्रणालियों पर हो रहे कार्यों को भी उन्होंने महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र बन चुका है। वर्ष 2014 में 354 स्टार्टअप की तुलना में अब इनकी संख्या 2.23 लाख से अधिक हो गई है। इनसे 23.36 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं। वैश्विक नवाचार सूचकांक में भी भारत की रैंकिंग 2015 के 81वें स्थान से सुधरकर 2025 में 38वें स्थान पर पहुंची है। उन्होंने तकनीक के लोकतंत्रीकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश का उल्लेख करते हुए युवाओं से अनुसंधान को उपयोगी उत्पादों और उद्यमों में बदलने का आह्वान किया।

कैरियर प्वाइंट विश्वविद्यालय में आयोजित विकसित भारत युवा संसद में ईशान प्रथम



सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मेरा युवा भारत, हमीरपुर की ओर से विकसित भारत युवा संसद 2026-27 का आयोजन कैरियर प्वाइंट विश्वविद्यालय में किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य विषय 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' रहा। इसमें युवाओं ने लोकतांत्रिक व्यवस्था, चुनावी सुधारों और राष्ट्र के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव शर्मा मुख्य अतिथि, जबकि हिमाचल प्रदेश ओलंपियन संघ के उपाध्यक्ष नरेंद्र अत्री विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के मूल्यांकन के लिए डॉ. एनडी खन्ना, चंपा ठाकुर, डॉ. पूनम, संतोष और युवा आयोजक सनी ने निर्णायक की भूमिका निभाई। उन्होंने प्रतिभागियों की विषय पर समझ, विचारों और प्रस्तुतीकरण के आधार पर मूल्यांकन किया।

प्रतियोगिता में ईशान ने प्रथम, ऋषिका ने द्वितीय और मुस्कान सोनी ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेताओं को स्मृति चिह्न और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अन्य प्रतिभागियों को भी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। जिला युवा अधिकारी दीपमाला ठाकुर ने बताया कि प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी राज्य स्तरीय युवा संसद में जिला हमीरपुर का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं।

एकलव्य विद्यालय चयन परीक्षा 15 नवंबर को,761 विद्यार्थी आजमाएंगे भाग्य

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय चयन परीक्षा-2027 के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि परीक्षा 15 नवंबर को सुबह 11 से दोपहर एक बजे तक आयोजित होगी। इसमें प्रदेश के 761 अभ्यर्थी भाग लेंगे। परीक्षा के लिए चंबा, कांगड़ा, किन्नौर और लाहौल-स्पीति जिलों में केंद्र बनाए गए हैं। इनमें होली, भरमौर, किलाड़, दाड़ी, निचार, पूह, रिकांग पिओ, कुकुमसेरी, काजा और केलांग शामिल हैं। बोर्ड के अनुसार, अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र 5 नवंबर से आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे। विद्यार्थी आवेदन संख्या और जन्मतिथि दर्ज कर इन्हें डाउनलोड कर सकेंगे। डाक के माध्यम से प्रवेश पत्र नहीं भेजे जाएंगे। बोर्ड अध्यक्ष ने अभ्यर्थियों और अभिभावकों से समय रहते प्रवेश पत्र डाउनलोड करने तथा उस पर दिए निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

मटौर-घूरकड़ी में यातायात व्यवस्था बदहाल, सड़क पार करना हुआ मुश्किल

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। कांगड़ा के निकट स्थित घूरकड़ी (मटौर) क्षेत्र में लगातार बढ़ती वाहनों की आवाजाही के कारण लोगों को सड़क पार करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारिक गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण बन चुके इस क्षेत्र से पालमपुर, मंडी, धर्मशाला और कांगड़ा सहित कई स्थानों के लिए यातायात गुजरता है। ऐसे में यहां सुबह से शाम तक दोपहिया वाहनों के साथ-साथ बड़े वाहनों की भी भारी आवाजाही रहती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर लगातार वाहनों का दबाव बने रहने के कारण पैदल चलने वालों के लिए रास्ता पार करना जोखिम भरा हो गया है। विपन कुमार, रवि कुमार, पप्पू कुमार, मुल्ख राज, कुलभूषण कुमार, काव्यांश कुमार, कृतिका और रुचि सहित अन्य लोगों ने बताया कि मौजूदा हालात में उन्हें अपने बच्चों



◆ घूरकरी में भारी यातायात से सड़क पार करना हुआ मुश्किल

को भी इस सड़क पर पैदल भेजने में डर लगता है। हर समय हादसे की आशंका बनी रहती है।

गौरतलब है कि मटौर और घूरकरी क्षेत्र में कई स्कूल और कॉलेज स्थित हैं, जहां बड़ी संख्या में विद्यार्थी रोजाना शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते-जाते हैं। ऐसे में यातायात का बढ़ता दबाव विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय बन गया है। अभिभावकों को बच्चों के स्कूल आने-जाने के दौरान अनहोनी का डर सताता रहता है।

स्थानीय लोगों ने सरकार और प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या का जल्द समाधान किया जाए। सड़क पर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और पैदल चलने वालों की सुरक्षा के लिए उचित इंतजाम किए जाएं। लोगों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो उन्हें सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। वहीं, इस समस्या को लेकर जब एसडीएम से संपर्क किया गया तो उन्होंने बाद में बात करने की बात कहकर फोन काट दिया।

सिर्फ स्कूलों में से ही क्यूं हटे,15 वर्ष पुराने बाकी बसें क्यूंकि चलेंगी - रमेश

◆ डॉ. राकेश धरवाल ने विजेता टीम को किया सम्मानित



भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। सामाजिक कार्यकर्ता एवं हिमाचल दिव्यांग कल्याण समिति के प्रदेश महासचिव रमेश चंद भारद्वाज ने उपमंडल अधिकारी (ना.) सरकाघाट के माध्यम से भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत को ज्ञापन भेजा है। इसमें उन्होंने हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के स्कूली बसों की आयु सीमा से जुड़े फैसले का स्वागत करते हुए सुप्रीम कोर्ट से सार्वजनिक परिवहन के सभी साधनों की वैधता निर्धारित करने के लिए सरकार को दिशा-निर्देश देने की मांग की है।

उन्होंने सुझाव दिया कि छोटी-बड़ी बसों, टेंपो, टिप्पर, रेलगाड़ियों और हवाई जहाजों की निर्धारित आयु स्पष्ट होनी चाहिए, ताकि पुराने और खस्ताहाल वाहनों के कारण जान-माल का नुकसान न हो। उन्होंने सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि हिमाचल पथ परिवहन निगम ने बसों के निरीक्षण प्रमाणपत्र तो भेजे, लेकिन उनमें वैधता अवधि का उल्लेख नहीं था।

ज्ञापन में इलेक्ट्रिक बसों में मोबाइल और लैपटॉप चार्जिंग सुविधा, आरामदायक सीटों, सामान रखने की व्यवस्था तथा दिव्यांगों, बुजुर्गों और बच्चों के लिए सुविधाजनक सीढ़ियों की व्यवस्था करने के सुझाव भी दिए गए हैं। उन्होंने सरिया और टीएमटी छड़ों की ढुलाई के लिए बड़ी गाड़ियों के उपयोग तथा बसों के टायरों के ऊपर नुकीले हिस्सों की जगह गोल सुरक्षा कवर लगाने का सुझाव भी दिया है।

बालविकास

डॉ. अमित कुमार शर्मा ने केंद्र में उपलब्ध उपचार और पुनर्वास सेवाएं जांचीं

बच्चों के स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के लिए जिला हस्तक्षेप केंद्र महत्वपूर्ण : उपायुक्त

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, समग्र विकास और उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ऐसे केंद्रों के माध्यम से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को समय रहते स्वास्थ्य, चिकित्सा और पुनर्वास संबंधी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकती हैं। उपायुक्त कुल्लू डॉ. अमित कुमार शर्मा ने मंगलवार को क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू स्थित जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र का दौरा कर यहां उपलब्ध करवाई जा रही विभिन्न सेवाओं और सुविधाओं का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने केंद्र की कार्यप्रणाली समझी और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के उपचार एवं पुनर्वास के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रंजीत ठाकुर तथा क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सपना शर्मा भी मौजूद रहीं। संफिया फाउंडेशन की क्लिनिकल प्रमुख एवं निदेशक डॉ. श्रुति मोरे भारद्वाज ने उपायुक्त को केंद्र में उपलब्ध विशेषज्ञ सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्र का मुख्य उद्देश्य बच्चों में विकास संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान करना और उन्हें आवश्यक उपचार एवं पुनर्वास सुविधाएं उपलब्ध करवाना है।



उन्होंने बताया कि केंद्र में बच्चों के शारीरिक, मानसिक और संचार संबंधी विकास को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न विशेषज्ञ सेवाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें शारीरिक चिकित्सा, वाणी एवं भाषा चिकित्सा, व्यावसायिक चिकित्सा तथा विशेष शिक्षा जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इन सेवाओं के माध्यम से बच्चों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार उपचार और विकास संबंधी गतिविधियां संचालित की जाती हैं। इससे बच्चों को उनकी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने में सहायता मिलती है। विशेष रूप से विकास में देरी और दिव्यांगता से संबंधित समस्याओं की शुरुआती अवस्था में पहचान कर उचित हस्तक्षेप किया जाता है, जिससे बच्चों को समय पर आवश्यक सहायता मिल सके।

उपायुक्त ने केंद्र में संचालित दिव्यांग मित्र केंद्र की गतिविधियों की भी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि इस केंद्र के माध्यम से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों और दिव्यांगजनों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन और सहयोग दिया जाता है। इसमें विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआईडी) के पंजीकरण, दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाने, दिव्यांग पेंशन, सहारा योजना, हिमाचली प्रमाण पत्र और आय प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित सहायता उपलब्ध करवाई जाती है। इससे जरूरतमंद परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा मिलती है।

इस दौरान उपायुक्त को श्रवण संबंधी समस्याओं की पहचान के लिए केंद्र में उपलब्ध बीईआरए जांच सुविधा के महत्व से भी अवगत करवाया गया। बताया गया कि इस जांच के माध्यम से बच्चों की सुनने की क्षमता से जुड़ी समस्याओं का आकलन करने में सहायता मिलती है। विशेष रूप से बच्चों में श्रवण संबंधी दिव्यांगता की पहचान और दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया में यह जांच महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। केंद्र की कार्यप्रणाली और उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण करने के बाद उपायुक्त डॉ. अमित कुमार शर्मा ने यहां संचालित सेवाओं पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बच्चों के समग्र विकास और सामाजिक समावेशन के लिए इस प्रकार की पहल बेहद महत्वपूर्ण है।

लाहौल-स्पीति के स्कूलों में निर्वाचन साक्षरता क्लबों ने करवाई प्रतियोगिताएं

लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति बढ़ेगी जागरूकता



भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला लाहौल-स्पीति में निर्वाचन साक्षरता क्लबों के माध्यम से निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। ये प्रतियोगिताएं शैक्षणिक संस्थानों में 2 से 7 नवंबर तक और उपमंडलीय निर्वाचन कार्यालयों में 10 से 13 नवंबर तक आयोजित होंगी। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी निवेदिता नेगी ने बताया कि प्रत्येक शिक्षण संस्थान से दो विद्यार्थियों का चयन अगले स्तर के लिए किया जाएगा।

जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने जिले के युवाओं और विद्यार्थियों से प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य नए और भावी मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया, मतदान के महत्व और चुनावी अधिकारों के प्रति जागरूक करना है, ताकि वे जिम्मेदार मतदाता बनकर लोकतंत्र को मजबूत करने में योगदान दे सकें।

निबंध प्रतियोगिता के लिए 'मजबूत लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी' और 'मेरा पहला वोट-देश के लिए' विषय निर्धारित किए गए हैं। प्रतिभागी हिंदी या अंग्रेजी में 500 से 800 शब्दों में निबंध लिख सकेंगे। प्रश्नोत्तरी में भारतीय संविधान, निर्वाचन प्रणाली, लोकतंत्र के इतिहास और मतदाता जागरूकता से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे। प्रतियोगिताओं में वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों, महाविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों के विद्यार्थी तथा निर्वाचन साक्षरता क्लबों के सदस्य भाग ले सकेंगे।

कुल्लू में खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, 12 खाद्य पदार्थों के सैंपल भरे

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। त्योहारी सीजन के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांचने के लिए निरीक्षण एवं सैंपलिंग अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में विभाग की टीम ने छाटनसेरी, रामशिला और ज्वाणी रोपा क्षेत्रों में विभिन्न खाद्य पदार्थों के 12 सैंपल भरे। इनमें गुड़पारा, मूंग दाल पिन्नी, पेठा, तिरंगा लड्डू, पेड़ा, पतीसा, मिल्क केक, जलेबी, पकौड़ा, मेसू, खोया बर्फी और बेसन बर्फी शामिल हैं। इन सभी नमूनों को गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। वहीं, विभाग ने तीन मामलों का निपटारा करते हुए कुल 32 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। ये मामले दही, डेयरी एनालॉग और सूरजमुखी तेल से संबंधित खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के थे। विभाग ने खाद्य कारोबारियों और दुकानदारों से निर्धारित मानकों का पालन करने की अपील की है। साथ ही उपभोक्ताओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं।

न्यूज ब्रीफ

पबजी खेलने पर भाई ने डांटा, गुस्से में नहर में कूदा 15 वर्षीय छात्र

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। हरियाणा के करनाल में मोबाइल गेम खेलने को लेकर बड़े भाई की डांट से नाराज 15 वर्षीय छात्र घर से निकल गया और नहर में कूद गया। छात्र की पहचान प्रिंस के रूप में हुई है। वह नौवीं कक्षा में पढ़ता था। जानकारी के अनुसार, प्रिंस घर पर पबजी गेम खेल रहा था। इस पर बड़े भाई ने उसे गेम छोड़कर पढ़ाई करने के लिए कहा और डांट लगाई। इससे नाराज होकर प्रिंस गुस्से में घर से बाहर चला गया। बड़ा भाई भी उसके पीछे पहुंचा और नहर के पास ग्रिल के नजदीक उसे रोकने की कोशिश की। इसी दौरान दोनों के बीच खींचतान हुई और छात्र हाथ छुड़ाकर नहर में कूद गया। घटना के बाद उसकी तलाश और आगे की कार्रवाई से जुड़ी जानकारी उपलब्ध अंश में नहीं है।

नारनौल में शराब कारोबारी अंकुश गोयल के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल। हरियाणा के नारनौल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को शराब कारोबारी अंकुश गोयल के ठिकानों पर छापेमारी की। जांच एजेंसियों की टीम सबसे पहले उनके घर पहुंची। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई गुरुग्राम में दिसंबर 2025 में सामने आए करीब 10 करोड़ रुपये के अवैध विदेशी शराब मामले से जुड़ी है। ईडी की टीम मामले से संबंधित दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। अंकुश गोयल की गैंगस्टर चीकू से नजदीकियां होने की बात भी सामने आई है। हालांकि, छापेमारी के दौरान क्या-क्या बरामद हुआ और जांच एजेंसी को कौन से अहम दस्तावेज मिले हैं, इसकी आधिकारिक जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। कार्रवाई के संबंध में ईडी की ओर से विस्तृत बयान का इंतजार है।

बच्चों की सुरक्षा में चूक पर स्कूल संचालकों की तय होगी जवाबदेही, हिसार पुलिस सख्त

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार। पंचकूला के एक स्कूल में केजी कक्षा की मासूम बच्ची पर तीसरी कक्षा के छात्र द्वारा किए गए जानलेवा हमले के बाद हिसार पुलिस अलर्ट हो गई है। बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने स्कूल संचालकों और प्रबंधन को जरूरी निर्देश जारी किए हैं। पुलिस ने कहा है कि स्कूल परिसर में खाली पड़े कमरों को ताला लगाकर रखा जाए, ताकि बच्चे वहां अकेले न पहुंच सकें। इसके अलावा किसी भी बच्चे को स्कूल में बिना निगरानी के नहीं छोड़ने की हिदायत दी गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि बच्चों की सुरक्षा में लापरवाही पाए जाने पर स्कूल संचालकों की जवाबदेही तय की जाएगी और उनके खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। स्कूल प्रबंधन को सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और हर समय बच्चों पर निगरानी रखने को कहा गया है।

गुरुग्राम के होटल में बाथटब में मिला यूके से लौटे इंजीनियर का शव

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। सेक्टर-53 स्थित एक होटल में यूके से भारत लौटे 35 वर्षीय इंजीनियर का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के आगरा निवासी प्रांजिल पाठक के रूप में हुई है। वह मैनचेस्टर में रहते थे और यूनाइटेड किंगडम की एक मल्टीनेशनल कंपनी में इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। जानकारी के अनुसार, प्रांजिल हाल ही में भारत आए थे। इसके बाद वह उत्तराखंड के ऋषिकेश घूमने गए थे। सोमवार को ऋषिकेश से लौटकर उन्होंने गुरुग्राम के सेक्टर-53 स्थित एक होटल में कमरा लिया था। देर रात वह कमरे में बने जकूजी (बाथटब) में अचेत अवस्था में मिले। होटल प्रबंधन की सूचना पर डॉक्टर को बुलाया गया। जांच के बाद डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल उनकी मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। घटना के संबंध में आगे की जानकारी सामने आनी बाकी है।

यमुनानगर में ट्रैक्टर-ट्राली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौके पर मौत

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। प्रतापनगर क्षेत्र के गांव भुड़कला के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली की टक्कर से बाइक सवार 31 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अमन के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश से अपने मामा के घर आया हुआ था। जानकारी के अनुसार, अमन बाइक पर जा रहा था। उसके साथ ममेरा भाई भी मौजूद था। इसी दौरान गांव भुड़कला के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली ने उनकी बाइक को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि अमन बाइक समेत सड़क पर जा गिरा। हादसे में उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। यह पूरी घटना उसके ममेरे भाई के सामने हुई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। दुर्घटना में बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना से परिवार में शोक का माहौल है।

दिवाली की छुट्टी पर घर लौट रहे बीएसएफ इंस्पेक्टर की ट्रेन में मौत

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल। हरियाणा के नारनौल निवासी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के इंस्पेक्टर विनोद कुमार (59) का सेवानिवृत्ति से महज दो महीने पहले निधन हो गया। वह दिवाली की छुट्टी पर ट्रेन से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गए। इस घटना से परिवार और गांव में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार, विनोद कुमार दिवाली पर छुट्टी लेकर घर आ रहे थे। नारनौल पहुंचने से पहले ही ट्रेन में उनकी तबीयत खराब हो गई। वह अचानक बेहोश हो गए। उनके निधन की खबर मिलने पर परिजनों और ग्रामीणों में दुख का माहौल बन गया। विनोद कुमार की उम्र 59 वर्ष थी और उनकी सेवानिवृत्ति में केवल दो महीने शेष थे। भूषण कलां गांव में उनका अंतिम संस्कार किया गया। परिवार और ग्रामीणों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी।

पानीपत की फैक्ट्री में दर्दनाक हादसा, मशीन में बाल फंसने से युवती की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। हरियाणा के पानीपत स्थित एक फैक्ट्री में काम के दौरान मशीन की चपेट में आने से युवती गीता की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री में एक मशीन खराब हो गई थी। गीता उसे ठीक करने के लिए मशीन के पास पहुंची तो उसके बाल उसमें फंस गए। मशीन की चपेट में आने से उसके सिर की खाल उखड़ गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गई। बाद में उसकी मौत हो गई। मशीन के पुर्जे खोलकर शव को बाहर निकाला गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिरसा अस्पताल से 6800 नशीली गोलियां चोरी

चोरी हुईं टैबलेट बुप्रेनोर्फिन की हैं, जिन्हें ओएसटी सेंटर में लोहे की अलमारी में रखा गया था

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा



हरियाणा के सिरसा जिले में सरकारी अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। जिला नागरिक अस्पताल परिसर स्थित टीबी भवन में संचालित ओएसटी (ओपिओइड सब्स्टीट्यूशन थेरेपी) सेंटर से सोमवार रात अज्ञात चोर 6800 नशीली टैबलेट चोरी कर ले गया। चोरी हुई दवाएं बुप्रेनोर्फिन की बताई गई हैं, जिन्हें सेंटर में लोहे की अलमारी के अंदर सुरक्षित रखा गया था। घटना का पता मंगलवार सुबह उस समय चला, जब अस्पताल का स्टाफ नियमित रूप से सेंटर पहुंचा।

जानकारी के अनुसार, अज्ञात व्यक्ति ने रात के समय वारदात को अंजाम दिया। आरोपित ने सबसे पहले टीबी भवन में प्रवेश करने के लिए एल्यूमिनियम गेट के निचले हिस्से को खोला। इसके बाद वह भवन के अंदर दाखिल हो गया। सेंटर में रखी दवाओं तक पहुंचने के लिए उसने लोहे की अलमारी को क्षतिग्रस्त किया और उसमें रखी 6800 टैबलेट चोरी कर मौके से फरार हो गया। वारदात को अंजाम देने के दौरान आरोपित ने इस बात का ध्यान रखा कि दवाएं जिस अलमारी में रखी थीं, उसे तोड़कर ही बाहर निकाला जाए। मंगलवार सुबह जब सेंटर का स्टाफ वहां पहुंचा तो अलमारी क्षतिग्रस्त मिली। जांच करने पर उसमें रखी दवाएं गायब पाई गईं। इसके बाद अस्पताल प्रशासन को चोरी की सूचना दी गई। इतनी बड़ी संख्या में नशीली टैबलेट चोरी होने की जानकारी सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में भी हलचल मच गई। उप सिविल सर्जन डॉ. प्रतीक गोयल ने घटना की सूचना जेजे कालोनी पुलिस चौकी को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब चोरी की वारदात से जुड़े तथ्यों की पड़ताल कर रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि अज्ञात व्यक्ति किस रास्ते से भवन में दाखिल हुआ और चोरी के बाद किस दिशा में फरार हुआ।

अस्पताल परिसर में संचालित एक महत्वपूर्ण उपचार केंद्र से इतनी बड़ी मात्रा में दवाओं की चोरी होना सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। ओएसटी सेंटर में रखी जाने वाली दवाएं निर्धारित उपचार प्रक्रिया के तहत इस्तेमाल होती हैं। ऐसे में इनका सुरक्षित भंडारण और निगरानी बेहद जरूरी है। अलमारी तोड़कर हजारों टैबलेट चोरी होने की घटना से अस्पताल परिसर में सुरक्षा इंतजामों की स्थिति पर भी सवाल उठने लगे हैं। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है और चोरी हुई दवाओं के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि इस वारदात को किसने अंजाम दिया और चोरी की गई टैबलेट कहां ले जाई गईं। अस्पताल प्रशासन और पुलिस के सामने अब चोरी हुई दवाओं का पता लगाने के साथ-साथ भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने की चुनौती भी है।

अस्पताल परिसर में हुई इस चोरी ने दवाओं के रखरखाव और निगरानी व्यवस्था की प्रभावशीलता पर भी सवाल खड़े किए हैं। खासकर नशीली दवाओं के भंडारण वाले स्थानों पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम होना जरूरी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी तक पहुंचने का प्रयास कर सकती है। फिलहाल अस्पताल प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आगे क्या कदम उठाए जाएंगे, इस पर भी नजर रहेगी।

गोल्ड मेडलिस्ट तीरंदाज को तीन करोड़ की जगह मिले साढ़े सात लाख

भारतेन्दु संवाददाता, जींद। हरियाणा के खेल विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली जींद के रिटोली गांव की तीरंदाज कीर्ति शर्मा को तीन करोड़ रुपये की जगह महज 7.50 लाख रुपये मिले। विभाग ने अपने रिकॉर्ड में उन्हें गोल्ड मेडलिस्ट के बजाय प्रतिभागी दिखा दिया। इस गलती के कारण उन्हें निर्धारित पुरस्कार राशि नहीं मिल पाई। जानकारी के अनुसार, 30 अक्टूबर को भिवानी में प्रदेश स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। इसी समारोह में खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों के आधार पर सम्मानित किया गया। एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाली कीर्ति शर्मा को भी पुरस्कार दिया जाना था, लेकिन विभागीय रिकॉर्ड में उनकी उपलब्धि गलत दर्ज होने के कारण उन्हें कम राशि मिली। मामला सामने आने के बाद खेल विभाग के अधिकारियों ने इसे क्लेरिकल मिस्टेक बताया है।

पुलिस मुठभेड़ में बदमाश घायल, चार गिरफ्तार

मुठभेड़ के दौरान करनाल निवासी अमन के पैर में गोली लगी, अस्पताल में भर्ती

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र



हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के लाडवा में मंगलवार सुबह पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। गांव बडौदी के पास हुई इस मुठभेड़ में एक आरोपी के पैर में गोली लगी। घायल आरोपी की पहचान करनाल जिले के घिसरपड़ी निवासी अमन के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे उपचार के लिए लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में भर्ती कराया है। इस मामले में पुलिस ने कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह लाडवा के गांव बडौदी के पास पुलिस और बदमाशों का आमना-सामना हो गया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के दौरान आरोपी अमन के पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे मौके से पकड़कर अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक देसी पिस्टल और तीन कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने इस मामले में अमन सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल घायल आरोपी का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने घटनास्थल पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों से जुड़े साक्ष्य जुटाए। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी किस वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे और उनके पास हथियार कहां से आए थे। पुलिस की ओर से आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक आरोपियों के खिलाफ दर्ज अन्य मामलों और मुठभेड़ के विस्तृत कारणों के संबंध में कोई अतिरिक्त जानकारी साझा नहीं की है।

मुठभेड़ के बाद क्षेत्र में पुलिस की गतिविधियां बढ़ गईं। पुलिस ने मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आरोपियों के नेटवर्क और संभावित आपराधिक गतिविधियों की भी जांच कर रही है।

बच्ची से मारपीट करने वाले छात्र में दो व्यवहार संबंधी विकारों के लक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला। पंचकूला के सरकारी स्कूल में छह वर्षीय केजी की बच्ची से मारपीट के मामले में आरोपी छात्र के व्यवहार को लेकर कई अहम बातें सामने आई हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, बच्चे के व्यवहार में बदलाव के पीछे मोबाइल गेम्स की लत और माता-पिता की ओर से परवरिश में बरती गई अनदेखी को प्रमुख कारण माना जा रहा है। आरोपी छात्र में दो तरह के डिसऑर्डर के लक्षण भी बताए जा रहे हैं। इस घटना के बाद बच्चों के व्यवहार और उन पर मोबाइल के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि मोबाइल गेम्स में अधिक समय बिताने से छात्र के व्यवहार में बदलाव आया। वहीं, माता-पिता की ओर से समय पर ध्यान नहीं दिए जाने को भी इस स्थिति से जोड़कर देखा जा रहा है। उधर, मारपीट में घायल छह वर्षीय बच्ची का चंडीगढ़ पीजीआई में उपचार चल रहा है। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

भिवानी के धानक समाज ने मृत्युभोज और शादियों में डीजे पर लगाई रोक



धानक समाज ने लिए ऐतिहासिक फैसले।

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी। समाज में बढ़ती कुरीतियों पर रोक लगाने और नई पीढ़ी को सही दिशा देने के उद्देश्य से धानक समाज ने महत्वपूर्ण सामाजिक फैसले लिए हैं। भिवानी में न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास स्थित संत कबीर आश्रम में समाज की बैठक हुई। इसमें मृत्युभोज, शादियों में फिजूलखर्ची, युवाओं में बढ़ते नशे और रिलेशनशिप के कारण प्रभावित हो रहे भविष्य जैसे मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा की गई।

बैठक में समाज के लोगों ने मृत्युभोज पर रोक लगाने और शादियों सहित अन्य सामाजिक समारोहों में डीजे नहीं बजाने का निर्णय लिया। इसके साथ ही विवाह समारोहों में अनावश्यक खर्च से बचने पर भी जोर दिया गया। समाज के सदस्यों ने माना कि फिजूलखर्ची रोकर परिवारों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कम किया जा सकता है।

◆ **युवाओं को नशे से दूर रखने और शिक्षा के लिए धानक समाज एकजुट**

युवाओं को नशे से दूर रखने और शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने पर भी विशेष जोर दिया गया। बैठक में नई पीढ़ी के भविष्य को लेकर चिंता जताते हुए सकारात्मक दिशा देने की आवश्यकता बताई गई। समाज के लोगों ने इन फैसलों को केवल चर्चा तक सीमित न रखकर व्यवहार में लागू करने का संकल्प लिया।

गुरुग्राम में स्कूटी हादसे में 25 वर्षीय युवक की मौत, दो दोस्त गंभीर घायल

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

डीएलएफ फेज-एक थाना क्षेत्र के ब्रिस्टल चौक अंडरपास में देर रात सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसके साथ स्कूटी पर सवार दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों युवक एक ही स्कूटी पर सवार होकर जा रहे थे। अंडरपास में अचानक स्कूटी का संतुलन बिगड़ने से तीनों सड़क पर गिर गए। हादसे में सभी को गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।



मृतक की पहचान 25 वर्षीय वंश के रूप में हुई है। वह मूल रूप से पंजाब का रहने वाला था। पुलिस के अनुसार, वंश अपने दो साथियों के साथ डीएलएफ फेज-एक में किराये के मकान में रहता था। तीनों गुरुग्राम की एक निजी कंपनी में काम करते थे। देर रात वे स्कूटी पर सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान ब्रिस्टल चौक अंडरपास में स्कूटी अनियंत्रित हो गई और तीनों युवक गिर पड़े। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। तीनों युवकों को गंभीर चोटें आईं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने वंश को मृत घोषित कर दिया, जबकि उसके दोनों साथियों का उपचार किया जा रहा है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को हादसे की सूचना देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि स्कूटी का संतुलन किन परिस्थितियों में बिगड़ा। हादसे के समय स्कूटी की रफ्तार कितनी थी और सड़क पर किसी अन्य कारण से दुर्घटना हुई या नहीं, इसकी भी जांच की जा रही है। एक स्कूटी पर तीन युवकों के सवार होने की बात भी जांच के दायरे में है। पुलिस का कहना है कि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, हादसे से जुड़े सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। घायलों के बयान दर्ज होने के बाद दुर्घटना की परिस्थितियां और स्पष्ट हो सकेंगी। पोस्टमार्टम के बाद वंश का शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव ने प्रतिनिधिमंडल को नियमितीकरण से साफ इनकार किया

21 साल की सेवा के बाद भी नियमित नहीं होंगे अतिथि अध्यापक

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



हरियाणा सरकार ने करीब 21 साल से सेवाएं दे रहे अतिथि अध्यापकों को नियमित करने से साफ इनकार कर दिया है। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के लगभग 12 हजार अतिथि अध्यापकों को बड़ा झटका लगा है। लंबे समय से नियमितीकरण की मांग कर रहे इन शिक्षकों को अब सरकार की ओर से राहत मिलने की उम्मीद कम हो गई है। प्रदेश सरकार पहले ही अतिथि अध्यापकों को नियमित नहीं करने के संबंध में स्पीकिंग ऑर्डर जारी कर चुकी है।

अब सरकार ने इस आदेश को वापस लेने से भी मना कर दिया है। मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर ने अतिथि अध्यापकों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान अपना रुख स्पष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि अतिथि अध्यापक नियमित होने के लिए निर्धारित शर्तें पूरी नहीं करते हैं। ऐसे में उन्हें नियमित करना संभव नहीं है। सरकार की ओर से यह भी कहा गया कि इन अतिथि अध्यापकों की भर्ती पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सरकार के कार्यकाल में अस्थायी तौर पर की गई थी। उस समय उन्हें कुछ समय के लिए सेवाओं में रखा गया था। हालांकि, लंबे समय तक काम करने का यह मतलब नहीं है कि वे नियमितीकरण के हकदार हो गए हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया कि केवल लंबे समय तक सेवा देने के आधार पर नियमित करने का निर्णय नहीं लिया जा सकता। सरकार का कहना है कि अतिथि अध्यापकों को नौकरी से हटाने के बजाय उन्हें जॉब सिक्योरिटी दी गई है। हालांकि, अध्यापक इस व्यवस्था से संतुष्ट नहीं हैं और नियमितीकरण की मांग पर अड़े हुए हैं। उनका कहना है कि वे लंबे समय से शिक्षा विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं और अब उन्हें नियमित किया जाना चाहिए। प्रदेश में करीब 12 हजार अतिथि अध्यापक कार्यरत हैं। इनकी सेवाओं को 21 साल से अधिक का समय हो चुका है। नियमितीकरण की मांग को लेकर अध्यापक लंबे समय से कानूनी लड़ाई भी लड़ रहे हैं। मामला पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट तक पहुंचा था।

अदालत ने राज्य सरकार को तीन माह के भीतर अतिथि अध्यापकों के संबंध में निर्णय लेने का निर्देश दिया था। इसके बाद सरकार ने स्पीकिंग ऑर्डर जारी कर नियमितीकरण से इनकार कर दिया। अब सरकार के आदेश को वापस लेने से मना करने के बाद अध्यापकों के सामने कानूनी विकल्प पर आगे बढ़ने का रास्ता बचा है। सरकार ने भी प्रतिनिधिमंडल को अदालत जाने का सुझाव दिया है।

त्योहारों से पहले खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

जींद में 288 लीटर देसी घी और रिफाइंड सील

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत



त्योहारों के दौरान मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने हरियाणा में कार्रवाई तेज कर दी है। सोमवार को विभाग की टीमों ने पानीपत, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, जींद, कैथल और अंबाला सहित छह जिलों में छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए। इस दौरान कई जगहों पर अनियमितताएं सामने आईं। कैथल और अंबाला में करीब 13 क्विंटल रसगुल्ले नष्ट कराए गए, जबकि जींद में देसी घी और रिफाइंड तेल की बड़ी खेप सील की गई।

जींद जिले के पिल्लूखेड़ा में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने दो गोदामों पर छापा मारा। जांच के दौरान यहां से 288 लीटर देसी घी और 162 लीटर रिफाइंड तेल बरामद किया गया। विभाग ने दोनों खाद्य पदार्थों को सील कर दिया। टीम ने गोदामों में रखे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उनकी बिक्री से संबंधित जानकारी भी जांची। कार्रवाई का उद्देश्य बाजार में बिक रहे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना और मिलावट की आशंका पर रोक लगाना है।

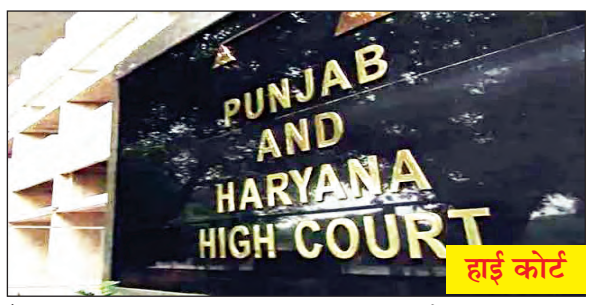
कैथल में सीएम फ्लाइंग की टीम ने कार्रवाई करते हुए 500 किलोग्राम रसगुल्ले नष्ट कराए। जांच के दौरान रसगुल्लों की चाशनी में मक्खी और मच्छर तैरते हुए पाए गए। खाद्य पदार्थों की इस स्थिति को देखते हुए टीम ने मिठाइयों को खाने योग्य नहीं माना और उन्हें नष्ट करा दिया। त्योहारों के दौरान बड़ी मात्रा में मिठाइयों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में साफ-सफाई और गुणवत्ता की अनदेखी लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकती है।

अंबाला में भी खाद्य सुरक्षा से जुड़ी कार्रवाई के दौरान 800 किलोग्राम रसगुल्ले नष्ट कराए गए। कैथल और अंबाला में कुल 1300 किलोग्राम मिठाइयां नष्ट की गईं। वहीं, पानीपत, यमुनानगर और कुरुक्षेत्र में भी टीमों ने खाद्य पदार्थों के सैंपल लेकर जांच की प्रक्रिया शुरू की। खाद्य सुरक्षा विभाग की इन कार्रवाइयों का मकसद त्योहारों के दौरान मिलावटी और अस्वच्छ खाद्य पदार्थों की बिक्री पर अंकुश लगाना है। विभाग की टीमों ने छह जिलों में जांच अभियान चलाकर कारोबारियों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया।

राहत अदालत ने कहा, नियमित कर्मचारी की नियुक्ति से इंद्रावती की सेवा सुरक्षा प्रभावित नहीं होगी

13 साल से कार्यरत महिला प्रशिक्षक को हाई कोर्ट से राहत

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



हाई कोर्ट

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने 13 साल से अधिक समय से संविदा आधार पर सेवाएं दे रहीं महिला प्रशिक्षक इंद्रावती को बड़ी राहत दी है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि उनके पद पर नियमित कर्मचारी की नियुक्ति होने से उनकी नौकरी की सुरक्षा प्रभावित नहीं होगी। यदि उनके मौजूदा पद पर नियमित कर्मचारी की तैनाती की जाती है तो हरियाणा सरकार को उन्हें किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर समायोजित करना होगा। इस फैसले से लंबे समय से संविदा आधार पर काम कर रहे कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण स्थिति स्पष्ट हुई है।

जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ की पीठ ने इंद्रावती की याचिका का निपटारा करते हुए हरियाणा सरकार को पहले से स्वीकृत सेवा सुरक्षा के लाभ के संबंध में औपचारिक आदेश जारी करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि जब किसी कर्मचारी को सेवा सुरक्षा का लाभ स्वीकृत किया जा चुका है तो केवल नियमित भर्ती के आधार पर उसकी नौकरी को असुरक्षित नहीं किया जा सकता।

अदालत के निर्देशों के अनुसार, यदि इंद्रावती के वर्तमान पद पर नियमित कर्मचारी की नियुक्ति होती है तो सरकार को उनकी सेवाएं समाप्त करने के बजाय किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर समायोजित करना होगा। इससे उनकी नौकरी की निरंतरता बनी रहेगी। अदालत ने सेवा सुरक्षा के पहले से स्वीकृत लाभ को प्रभावी तरीके से लागू करने पर जोर दिया है।

मामले में इंद्रावती 13 साल से अधिक समय से संविदा आधार पर अपनी सेवाएं दे रही हैं। इतने लंबे समय तक काम करने के बावजूद नियमित भर्ती की प्रक्रिया के कारण उनकी नौकरी पर असर पड़ने की आशंका थी। इसी को लेकर उन्होंने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याचिका में उनकी सेवा सुरक्षा और नौकरी की निरंतरता से जुड़े पहलुओं पर राहत की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने सेवा सुरक्षा के लाभ को लेकर स्थिति स्पष्ट करते हुए हरियाणा सरकार को आवश्यक औपचारिक आदेश जारी करने के निर्देश दिए। पीठ ने माना कि स्वीकृत सेवा सुरक्षा का लाभ केवल कागजों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे संबंधित कर्मचारी को वास्तविक रूप से उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

हाई कोर्ट के इस निर्देश से यह स्पष्ट हो गया है कि इंद्रावती की नौकरी पर नियमित भर्ती का सीधा असर नहीं पड़ेगा। यदि उनके मौजूदा पद पर किसी नियमित कर्मचारी की नियुक्ति होती है तो सरकार को उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी होगी। अदालत ने याचिका का निपटारा करते हुए सरकार को सेवा सुरक्षा से संबंधित आदेश जारी करने को कहा है। इस फैसले से इंद्रावती को राहत मिली है और उनकी लंबे समय से जारी संविदा सेवा को सुरक्षा प्रदान करने का रास्ता साफ हुआ है। हालांकि, उनके समायोजन के लिए सरकार को उपयुक्त स्थान तय करना होगा। इस फैसले से अन्य संविदा कर्मचारियों को भी सेवा सुरक्षा संबंधी मामलों में राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

संविदा कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा देने के आदेश

हाई कोर्ट के इस फैसले को लंबे समय से संविदा आधार पर काम कर रहे कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि एक बार सेवा सुरक्षा का लाभ स्वीकृत होने के बाद उसे प्रभावी रूप से लागू करना सरकार की जिम्मेदारी है। नियमित भर्ती के कारण किसी कर्मचारी की सेवा समाप्त करना उचित नहीं होगा। जरूरत पड़ने पर सरकार को वैकल्पिक पद पर समायोजन करना होगा।

सत्ता के लिए देश को आग में झोंकने की सोच रखता है विपक्ष–भाजपा

'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के जरिए विपक्ष पर साधा निशाना

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर देश में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया है। पार्टी ने राहुल गांधी के 'सत्ता परिवर्तन' संबंधी बयानों और कथित हिंसक विरोध प्रदर्शनों को लेकर भी सवाल उठाए। भाजपा का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक मंच पर मजबूती से अपनी भूमिका निभा रहा है, जबकि विपक्ष का एक वर्ग संवैधानिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक संस्थाओं को चुनौती देने वाली राजनीति कर रहा है।



भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि भारतीय समाज की आस्था संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था में है। हिंसक विरोध प्रदर्शन देश की लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष ऐसी राजनीति कर रहा है, जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। उनके अनुसार, इस तरह की सोच देशहित और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

भाटिया ने भाजपा के 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य अराजकता और हिंसक विरोध की राजनीति के खिलाफ आवाज उठाना है। उन्होंने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने भी अभियान के तहत मार्च में हिस्सा लिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी बड़ी संख्या में लोगों के साथ मार्च निकाला।भाजपा प्रवक्ता ने अपने आरोपों के समर्थन में एक टीवी चैनल के स्टिंग ऑपरेशन का हवाला दिया। उन्होंने दावा किया कि इसके माध्यम से विपक्ष से जुड़े कुछ लोगों की पर्दे के पीछे की गतिविधियों और कथित रणनीति सामने आई है।

भाजपा ने राहुल गांधी पर हिंसक विरोध की राजनीति का लगाया आरोप

भाटिया ने दावा किया कि स्टिंग ऑपरेशन से राहुल गांधी की पसंद के कथित विध्वंसक मॉडल और हिंसा के प्रति उनकी सोच उजागर हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोध प्रदर्शनों में महिलाओं को आगे करने की रणनीति भी सामने आई है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि विपक्ष के नेता और अन्य दल अराजकता तथा टूलकिट आधारित राजनीति को अधिक महत्व दे रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि विपक्ष शांतिपूर्ण और रचनात्मक तरीके से प्रदर्शन क्यों नहीं करता। भाटिया के अनुसार, लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध करना हर दल का अधिकार है, लेकिन इसके लिए प्रशासन से अनुमति लेकर निर्धारित स्थल पर प्रदर्शन किया जाना चाहिए। उन्होंने हिंसा से दूर रहकर लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करने की अपील भी की।

वक्फ बोर्ड केस में अमानतुल्लाह खान का फैसला टला

आदेश तैयार नहीं होने के कारण अदालत ने फैसले की तारीख आगे बढ़ाई

एजेंसी, नई दिल्ली



दिल्ली वक्फ बोर्ड मामले में आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान और 10 अन्य आरोपियों को अदालत के फैसले के लिए अभी और इंतजार करना होगा। राजधानी की राउज एवेन्यू कोर्ट ने मामले में फैसला सुनाने की तारीख आगे बढ़ा दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि अभी आदेश तैयार नहीं हुआ है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 28 नवंबर को होगी।

फैसले की तारीख आगे बढ़ने के बाद अमानतुल्लाह खान और अन्य आरोपियों को लेकर एक बार फिर कानूनी स्थिति पर चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, अदालत की ओर से अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं सुनाया गया है। ऐसे में आरोपियों को राहत मिलेगी या उनकी मुश्किलें बढ़ेंगी, इसका जवाब अगली सुनवाई के बाद ही मिल सकेगा। राउज एवेन्यू कोर्ट में मंगलवार को दिल्ली वक्फ बोर्ड मामले में फैसला सुनाए जाने की उम्मीद थी। इस मामले में अमानतुल्लाह खान सहित कुल 11 लोग आरोपी हैं। लेकिन अदालत ने बताया कि आदेश अभी तैयार नहीं है। इसी वजह से फैसले की तारीख आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

अदालत की ओर से अब अगली तारीख 28 नवंबर निर्धारित की गई है। इस दिन मामले में आगे की कार्यवाही होगी। फैसले को लेकर बनी प्रतीक्षा के बीच आरोपियों और उनके समर्थकों की नजर अब अगली सुनवाई पर रहेगी। दिल्ली वक्फ बोर्ड से जुड़े इस मामले में अमानतुल्लाह खान का नाम होने के कारण यह मामला राजनीतिक और कानूनी दोनों दृष्टियों से चर्चा में है। फिलहाल अदालत ने आरोपियों के पक्ष या विपक्ष में कोई अंतिम फैसला नहीं दिया है। आदेश तैयार होने के बाद ही मामले की अगली स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अमानतुल्लाह खान समेत 11 आरोपियों के फैसले का इंतजार बढ़ा

फैसले में देरी के कारण मामले से जुड़े सभी पक्षों की निगाहें अब 28 नवंबर की सुनवाई पर टिकी हैं। इस दिन अदालत की ओर से आगे की कानूनी प्रक्रिया को लेकर स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है। अमानतुल्लाह खान और अन्य आरोपियों के लिए यह तारीख महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि इसी मामले में अदालत का आदेश आने के बाद उनकी कानूनी स्थिति को लेकर तस्वीर साफ होगी। फिलहाल अदालत ने किसी भी आरोपी को दोषी या निर्दोष घोषित नहीं किया है। आदेश तैयार होने में लग रहे समय के चलते फैसला आगे बढ़ाया गया है। अब देखना होगा कि अगली सुनवाई पर अदालत अपना निर्णय सुनाती है या मामले में आगे की तारीख देती है। मामले की सुनवाई टलने से आरोपियों को फिलहाल किसी तरह की कानूनी राहत नहीं मिली है। वहीं, अदालत की ओर से अंतिम आदेश नहीं आने के कारण मामले में आगे की कार्रवाई भी स्पष्ट नहीं हो पाई है। 28 नवंबर को होने वाली सुनवाई में अदालत के रुख पर सभी की नजर रहेगी। इस मामले में अमानतुल्लाह खान के साथ 10 अन्य लोग भी आरोपी हैं। ऐसे में फैसला सभी आरोपियों की कानूनी स्थिति के लिहाज से अहम होगा। अदालत का आदेश आने के बाद ही यह तय हो सकेगा कि मामले में आगे किस तरह की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। फिलहाल अगली तारीख तक आरोपियों को फैसले का इंतजार करना पड़ेगा। हालांकि, सुनवाई की अगली तारीख पर फैसला सुनाया जाएगा या नहीं, इसे लेकर अभी कोई निश्चित जानकारी सामने नहीं आई है।

प्रयागराज एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या घटी सात साल का सबसे कमजोर रिकॉर्ड बना

एजेंसी, नई दिल्ली

- अक्तूबर में 252 उड़ानों से 37,616 यात्रियों ने किया सफर



संगम नगरी से हवाई यात्रा का दायरा लगातार सिमटता नजर आ रहा है। प्रयागराज एयरपोर्ट पर उड़ानों के संचालन और यात्रियों की संख्या सात वर्षों के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। अक्टूबर में एयरपोर्ट से कुल 252 उड़ानों का संचालन हुआ, जिनके माध्यम से केवल 37,616 यात्रियों ने सफर किया। वर्ष 2019 में नए टर्मिनल की शुरुआत के बाद किसी एक महीने में दर्ज किया गया यह सबसे कमजोर परिचालन रिकॉर्ड है।

हवाई सेवाओं के लिहाज से अक्टूबर का महीना प्रयागराज एयरपोर्ट के लिए निराशाजनक रहा। आमतौर पर विंटर शेड्यूल लागू होने के साथ उड़ानों की संख्या में बदलाव या बढ़ोतरी की उम्मीद रहती है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। नया शेड्यूल लागू होने के बावजूद उड़ानों की संख्या में कोई इजाफा नहीं किया गया। इसका असर शहर के हवाई संपर्क पर पड़ रहा है। उड़ानों की संख्या कम रहने से यात्रियों के पास हवाई सफर के विकल्प भी सीमित हो रहे हैं। खासकर महानगरों के लिए सीधी उड़ानों की उपलब्धता प्रभावित होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। प्रयागराज से दूसरे प्रमुख शहरों तक सीधे हवाई संपर्क की सुविधा यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण है।

ऐसे में उड़ानों में कमी का असर न केवल आम यात्रियों, बल्कि कारोबार और पर्यटन से जुड़े लोगों पर भी पड़ सकता है। अक्टूबर के आंकड़े बताते हैं कि एयरपोर्ट पर हवाई यातायात की स्थिति पिछले सात वर्षों में सबसे कमजोर रही। 252 उड़ानों के जरिए 37,616 यात्रियों का सफर करना इस गिरावट को दर्शाता है। फिलहाल विंटर शेड्यूल में उड़ानों की संख्या नहीं बढ़ने से यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद कम है। हवाई सेवाओं के विस्तार और महानगरों से बेहतर संपर्क की जरूरत एक बार फिर सामने आई है।

दिल्ली के वजीराबाद में बदले की आग में युवक रवि की गोली मारकर हत्या

एजेंसी, नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के वजीराबाद इलाके के संगम विहार में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान रवि के रूप में हुई है। वह जमानत पर जेल से बाहर आया था। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या के मुख्य शूटर समेत दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

- वारदात में इस्तेमाल पिस्टल और फरार होने वाली कार पुलिस ने बरामद की

वारदात में इस्तेमाल पिस्टल और फरार होने के लिए इस्तेमाल की गई कार भी बरामद कर ली गई है। पुलिस के अनुसार, सोमवार रात करीब 11 बजे संगम विहार की गली नंबर 14 में डिवाइन अस्पताल के पास गोली चलने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस की आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम मौके पर पहुंची। वहां रवि घायल अवस्था में मिला। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। रवि को दो गोलियां लगी थीं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, इस वारदात के पीछे वर्ष 2021 में हुई एक हत्या का बदला लेने की रंजिश बताई जा रही है। इसी पुरानी दुश्मनी के चलते शूटर रवि की हत्या करने पहुंचा था। पुलिस ने जांच के दौरान मुख्य शूटर सहित दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई पिस्टल और भागने के लिए इस्तेमाल की गई कार बरामद की गई है। पुलिस गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर रही है, ताकि हत्या की साजिश और वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं का पता लगाया जा सके।

आगरा में बढ़ा वायु प्रदूषण, रोहता और शास्त्रीपुरम की हवा खराब श्रेणी में पहुंची

एजेंसी, नई दिल्ली

- पीएम 2.5 और पीएम 10 की अधिकता से सांस के मरीज परेशान
- शुष्क मौसम के बीच आगरा की हवा में बढ़ने लगा प्रदूषण का स्तर



मौसम शुष्क होने के साथ ही आगरा में वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगा है। सोमवार को शहर के कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता खराब दर्ज की गई। रोहता में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 238 और शास्त्रीपुरम में 223 रहा। वहीं, फतेहपुर सीकरी में एक्यूआई बढ़कर 306 तक पहुंच गया। यहां वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई।

हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 की अधिक मात्रा लोगों के स्वास्थ्य पर असर डाल रही है। प्रदूषण के कारण विशेष रूप से दमा के मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेषज्ञों ने सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को सावधानी बरतने और घर से बाहर निकलते समय मास्क पहनने की सलाह दी है। एक्यूआई के आंकड़ों के अनुसार, रोहता और शास्त्रीपुरम में भी हवा की गुणवत्ता खराब स्थिति में बनी हुई है। फतेहपुर सीकरी में सूचकांक 306 दर्ज होने से वहां प्रदूषण का स्तर इन दोनों क्षेत्रों से अधिक रहा। एक्यूआई का बढ़ना हवा में प्रदूषक कणों की मौजूदगी को दर्शाता है। पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे सूक्ष्म कण सांस के साथ शरीर में पहुंच सकते हैं। इससे पहले से सांस की समस्या से जूझ रहे लोगों की दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

विशेषज्ञों ने दमा के मरीजों को प्रदूषित वातावरण में अधिक समय तक रहने से बचने की सलाह दी है। जरूरत होने पर ही बाहर निकलें और मास्क का इस्तेमाल करें। बच्चों, बुजुर्गों तथा सांस संबंधी परेशानी से पीड़ित लोगों को भी विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। मौसम शुष्क रहने के बीच प्रदूषण का बढ़ता स्तर चिंता का विषय बना हुआ है। अलग-अलग क्षेत्रों में एक्यूआई के आंकड़े हवा की गुणवत्ता में गिरावट की स्थिति को सामने रख रहे हैं। लोगों को अपनी सेहत का ध्यान रखते हुए जरूरी एहतियात बरतने की आवश्यकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, प्रदूषण से बचाव के लिए सुबह-शाम बाहर व्यायाम करने से भी बचना चाहिए।

पप्पू यादव ने धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

पप्पू यादव ने भगवान कृष्ण के अपमान का आरोप लगाकर कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई

एजेंसी, नई दिल्ली



पप्पू यादव ने धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर।

कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कथित विवादित बयान को लेकर सांसद पप्पू यादव ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पप्पू यादव ने दिल्ली के पार्लियामेंट थाने में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। यह मामला भगवान श्रीकृष्ण पर की गई कथित टिप्पणी से जुड़ा है। सांसद ने इस टिप्पणी पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि वह कथावाचक को सजा दिलाकर ही मानेंगे।

पप्पू यादव ने इससे पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की बात कही थी। उन्होंने अपनी पोस्ट में भगवान श्रीकृष्ण के कथित अपमान को लेकर कड़ी आपत्ति जताई थी। सांसद ने लिखा था कि भगवान श्रीकृष्ण का अपमान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अपनी पोस्ट में पप्पू यादव ने कथावाचक पर निशाना साधते हुए उन्हें सत्ता संरक्षित बताते हुए कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कृष्ण कन्हैया का अपमान करने के बाद अब माफी मांगने की बात करना महज दिखावा है। उन्होंने अपने पोस्ट में साफ कहा कि इस मामले को वह छोड़ने वाले नहीं हैं और धीरेंद्र शास्त्री को सजा दिलाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ेंगे।

सांसद ने अपने बयान में कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के प्रति इस तरह की टिप्पणी स्वीकार नहीं की जा सकती। इसी नाराजगी के चलते उन्होंने पुलिस के पास पहुंचकर शिकायत दर्ज कराने का कदम उठाया। इसके बाद दिल्ली के पार्लियामेंट थाने में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई।

कृष्ण पर टिप्पणी से नाराज पप्पू यादव ने खोला मोर्चा

पप्पू यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के प्रति की गई कथित टिप्पणी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में स्पष्ट किया था कि वह इस मामले को हल्के में नहीं लेंगे। सांसद के अनुसार, धार्मिक आस्था से जुड़े विषयों पर जिम्मेदारी से बयान दिया जाना चाहिए। उन्होंने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का फैसला लिया। सांसद ने अपनी पोस्ट में यह भी आरोप लगाया कि कथावाचक अब माफी मांगने की बात कर रहे हैं, जबकि उनके अनुसार यह केवल दिखावा है। पप्पू यादव ने कहा कि वह इस मामले में कानूनी लड़ाई जारी रखेंगे और कथावाचक को सजा दिलाने का प्रयास करेंगे।

आनंद कौशल की 'हमनशीं' में प्रेम और विरह के अनकहे एहसास

एजेंसी, नई दिल्ली। आनंद कौशल का पहला ग़ज़ल एवं शायरी संग्रह 'हमनशीं' प्रेम, विरह और मानवीय भावनाओं की सहज अभिव्यक्ति है। मधुप मणि 'पिक्कू' के अनुसार, इस संग्रह की खासियत इसकी सरल भाषा और दिल को छू लेने वाला अंदाज है। इसमें शामिल अधिकांश ग़ज़लें और शायरियां ऐसी लगती हैं, मानो शायर ने अपने मन के एहसास सीधे कागज पर उतार दिए हों। शब्दों में कहीं भी बनावटीपन नजर नहीं आता। यही वजह है कि पाठक रचनाओं को आसानी से समझ पाते हैं और उनसे भावनात्मक जुड़ाव महसूस करते हैं। संग्रह में प्रेम और विरह के साथ जीवन के विभिन्न अनुभवों को भी जगह मिली है। इसकी रचनाएं आम इंसान की भावनाओं और संवेदनाओं को आवाज देती हैं।

साइबर ठगी के लिए 70 बैंक खाते मुहैया कराने वाले गिरोह के छह सदस्य गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली



साइबर ठगी के लिए बैंक खाते और सिम कार्ड उपलब्ध कराने वाले संगठित नेटवर्क का आउटर नार्थ जिला साइबर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने चार अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि गिरोह के सदस्य साइबर अपराधियों को करीब 70 बैंक खाते उपलब्ध करा चुके थे। इन खातों का इस्तेमाल ठगी की रकम को एक जगह से दूसरी जगह भेजने और उसे इधर-उधर करने के लिए किया जाता था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों में चार बैंक खाताधारक और एक डाकिया भी शामिल है।

गिरोह के सदस्य बैंक खाते और सिम कार्ड उपलब्ध कराकर साइबर अपराधियों की मदद करते थे। इन खातों के माध्यम से ठगी की रकम का लेनदेन किया जाता था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन खातों को किन लोगों तक पहुंचाया गया और इनके जरिये कितने साइबर अपराधों को अंजाम दिया गया। जांच के दौरान पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े मोहित की पहचान भी की है। बताया गया है कि मोहित फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद है। उसके तार इस गिरोह से जुड़े होने की बात सामने आई है। पुलिस इस नेटवर्क के अन्य संपर्कों और गतिविधियों की पड़ताल कर रही है। चार मामलों में हुई कार्रवाई के दौरान कुल 1.59 करोड़ रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, पीड़ितों को 74.94 लाख रुपये वापस भी दिलाए गए हैं।

अब पुलिस गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर रही है, ताकि बैंक खातों और सिम कार्ड की व्यवस्था करने वाले पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। पूछताछ में आरोपितों से ठगी की रकम के लेनदेन, बैंक खातों के इस्तेमाल और सिम कार्ड उपलब्ध कराने वालों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस को आशंका है कि इस नेटवर्क के तार कई अन्य साइबर ठगी के मामलों से भी जुड़े हो सकते हैं।

यमुना का जलस्तर बढ़ने से पोइया घाट पर पांटून पुल निर्माण प्रभावित

एजेंसी, नई दिल्ली

ओखला बैराज से यमुना नदी में अधिक पानी छोड़े जाने का असर सोमवार को आगरा के पोइया घाट पर दिखाई दिया। नदी का जलस्तर 483 फीट से बढ़कर 484 फीट तक पहुंच गया। पानी का स्तर बढ़ने और तेज प्रवाह के कारण घाट के दोनों ओर मिट्टी का कटाव हुआ। इससे यहां तैयार किए जा रहे पांटून पुल का निर्माण कार्य प्रभावित हो गया।

पानी के तेज बहाव से घाट के किनारे की मिट्टी कटने के कारण पुल निर्माण में जुटे कर्मचारियों को काम करने में परेशानी का सामना करना पड़ा। नदी के जलस्तर में अचानक हुई बढ़ोतरी ने निर्माण कार्य की गति धीमी कर दी है। पांटून पुल तैयार होने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है। ऐसे में निर्माण कार्य प्रभावित होने से इसके शुरू होने को लेकर भी चिंता बढ़ी है।

हालांकि, अधिकारियों को भरोसा है कि दीपावली से पहले पुल को चालू कर दिया जाएगा। इसके लिए निर्माण कार्य को जल्द



पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। नदी का जलस्तर और प्रवाह सामान्य होने के बाद काम में तेजी आने की उम्मीद है। फिलहाल मिट्टी के कटाव और पानी के बहाव को देखते हुए निर्माण कार्य में सावधानी बरती जा रही है।

दीपावली से पहले चालू होगा पांटून पुल

स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि पांटून पुल बनने से नदी के आर-पार आवागमन आसान होगा और उन्हें लंबा रास्ता तय नहीं करना पड़ेगा। पुल का निर्माण पूरा होने के बाद आसपास के क्षेत्रों के लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा। फिलहाल निर्माण कार्य से जुड़े कर्मचारी जलस्तर में उतार-चढ़ाव पर नजर रख रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति अनुकूल होते ही काम में तेजी लाई जाएगी। दीपावली से पहले पुल चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए जरूरी तैयारियां की जा रही हैं, ताकि तय समयसीमा में निर्माण पूरा कर लोगों को आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

निर्देश वकीलों ने एसीपी पर धमकी भरी टिप्पणी करने का लगाया है आरोप

एसीपी मनस्वी मामले में हाई कोर्ट का स्वत: संज्ञान से इनकार

एजेंसी, नई दिल्ली



दिल्ली पुलिस में तैनात एसीपी मनस्वी वशिष्ठ पर वकीलों के खिलाफ कथित तौर पर धमकी भरी टिप्पणी करने का आरोप लगा है। इस मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेने से इनकार कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकरण पर विचार करने के लिए पहले औपचारिक याचिका दाखिल करनी होगी।

मामले का उल्लेख दिल्ली हाई कोर्ट में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव सांम्ब्रे की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष किया गया। इस दौरान वकीलों की ओर से एसीपी मनस्वी वशिष्ठ के कथित बयान का मामला उठाया गया। हालांकि, पीठ ने इस मामले में अपनी ओर से स्वत: संज्ञान लेकर सुनवाई शुरू करने से परहेज किया।

अदालत ने मामले का संज्ञान लेने के बजाय वकीलों को नियमानुसार औपचारिक याचिका दायर करने के निर्देश दिए। पीठ ने कहा कि याचिका दाखिल होने के बाद ही इस मामले पर विचार किया जाएगा। इस तरह हाई कोर्ट ने फिलहाल स्वत: संज्ञान के आधार पर कोई कार्रवाई शुरू नहीं की है।

एसीपी मनस्वी वशिष्ठ पर वकीलों के खिलाफ कथित धमकी भरी टिप्पणी करने का आरोप है। इसी आरोप को लेकर मामला हाई कोर्ट के समक्ष उठाया गया था। हालांकि, अदालत के समक्ष अभी औपचारिक याचिका दाखिल नहीं की गई थी। इसी वजह से पीठ ने वकीलों को पहले कानूनी प्रक्रिया पूरी करने को कहा। अदालत के इस रुख के बाद अब मामले में आगे की कार्रवाई औपचारिक याचिका दाखिल होने पर निर्भर करेगी। याचिका आने के बाद हाई कोर्ट उसके तथ्यों और उठाए गए मुद्दों पर विचार करेगा।

याचिका दाखिल होने पर ही सुनवाई करेगा हाई कोर्ट

मामले में हाई कोर्ट के इस रुख के बाद अब वकीलों को औपचारिक याचिका दाखिल करनी होगी। याचिका में एसीपी मनस्वी वशिष्ठ के कथित बयान से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों को सामने रखा जा सकेगा। इसके बाद अदालत तय करेगी कि मामले में सुनवाई की आवश्यकता है या नहीं। फिलहाल पीठ ने आरोपों की सत्यता को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव सांम्ब्रे की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि बिना औपचारिक याचिका के इस मामले में आगे बढ़ना संभव नहीं है। अदालत ने वकीलों को निर्धारित कानूनी प्रक्रिया अपनाने का निर्देश दिया है। ऐसे में अब अगला कदम याचिका दाखिल करने का होगा। याचिका आने के बाद अदालत उसके आधार पर मामले पर विचार करेगी। फिलहाल स्वत: संज्ञान लेने से इनकार के कारण हाई कोर्ट में इस प्रकरण की सुनवाई शुरू नहीं हुई है।

न्यूज ब्रीफ

स्कोडा ऑटो इंडिया के देशभर में 350 से अधिक ग्राहक संपर्क केंद्र, 193 शहरों तक पहुंचा नेटवर्क

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। स्कोडा ऑटो इंडिया ने देशभर में अपने ग्राहक संपर्क नेटवर्क का विस्तार करते हुए 193 शहरों में 350 से अधिक ग्राहक संपर्क केंद्र स्थापित कर लिए हैं। कंपनी ने 30 अक्तूबर को मणिपुर के इम्फाल में अपना 350वां केंद्र शुरू किया। इसके साथ ही कंपनी ने मणिपुर में भी प्रवेश किया है। कंपनी के ब्रांड निदेशक आशीष गुप्ता ने कहा कि इस विस्तार का उद्देश्य ग्राहकों को बिक्री और बिक्री के बाद बेहतर सेवाएं उपलब्ध करवाना है। उन्होंने नए और पुराने डीलर साझेदारों का आभार जताया। कंपनी का नेटवर्क वर्ष 2021 में 191 केंद्रों से बढ़कर 2025 में 325 और अक्तूबर 2026 तक 350 से अधिक हो गया है। वर्तमान में यह 29 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 193 शहरों में फैला है। यह नेटवर्क 79 डीलर साझेदारों के सहयोग से संचालित हो रहा है, जिसमें 270 बिक्री केंद्र और 203 बिक्री पश्चात सेवा केंद्र शामिल हैं।

विधायक पूर्ण चंद ठाकुर पांच नवंबर से करेंगे चौहार घाटी का दो दिवसीय दौरा

भारतेन्दु संवाददाता, बरोट। द्रंग क्षेत्र के विधायक पूर्ण चंद ठाकुर पांच नवंबर से चौहार घाटी के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। पद्धर भाजपा मंडल अध्यक्ष इंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि विधायक पांच नवंबर को सुबह दस बजे खलैहल पंचायत से दौरे की शुरुआत करेंगे। इसके बाद दोपहर एक बजे बरोट पहुंचकर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। दोपहर बाद तीन बजे लपास पंचायत में बैठक और जनसभा को संबोधित करेंगे। विधायक बरोट में रात्रि ठहराव करेंगे। छह नवंबर को सुबह दस बजे वरधान, दोपहर एक बजे लटराण और तीन बजे धमच्याण पंचायत में जनसभाएं करेंगे। इस दौरान वे लोगों की समस्याएं भी सुनेंगे।

शिक्षा मंत्री रोहित का मंडी दौरा स्थगित, नंद लाल के अंतिम संस्कार में होंगे शामिल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर का बुधवार को प्रस्तावित एकदिवसीय मंडी दौरा स्थगित कर दिया गया है। वह रामपुर के विधायक एवं सातवें राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष नंद लाल के निधन पर उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए रामपुर पहुंचेंगे। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर रामपुर में दिवंगत नंद लाल को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करेंगे। उल्लेखनीय है कि नंद लाल के निधन से रामपुर क्षेत्र में शोक की लहर है। वह क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधि रहे और उन्होंने जनहित एवं विकास कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंडी दौरा स्थगित होने के कारण इस दौरान प्रस्तावित सभी कार्यक्रम और बैठकें भी स्थगित रहेंगी।

यूके में दो पंजाबियों को 28 साल की जेल, तेज रफ्तार कार रेस में मां-बेटी को कुचलने का मामला

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। यूनाइटेड किंगडम में तेज रफ्तार कारों से रेस लगाने और चार वर्षीय बच्ची व उसकी मां की मौत के मामले में दो पंजाबी युवकों को कुल 28 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। लीड्स क्राउन कोर्ट ने हरदीप भचू (29) को 12 साल और जसकमल रियात (37) को 16 साल कैद की सजा सुनाई। हादसा 16 जनवरी 2023 को लीड्स के एडेल इलाके में हुआ था। दोनों युवक ऑडी और बीएमडब्ल्यू कारों से रेस लगा रहे थे। इसी दौरान हरदीप की तेज रफ्तार कार ने स्कूल जा रही पोलिश महिला जुस्तीना हुलबॉय और उनकी चार वर्षीय बेटी लीना को कुचल दिया। दोनों की मौके पर मौत हो गई। हादसे के बाद दोनों आरोपी बिना मदद किए फरार हो गए थे। अदालत ने दोनों के वाहन चलाने के अधिकार पर छह-छह साल की रोक भी लगाई। न्यायाधीश ने कहा कि सार्वजनिक सड़क कोई रेसिंग मैदान नहीं है और ऐसी लापरवाही से निर्दोष लोगों की जान लेना गंभीर अपराध है।

नाहन में बुजुर्ग की जेब से 50 हजार रुपए चोरी, बैंक से ही पीछा कर रहे थे शातिर

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। नाहन में बैंक से नकदी निकालकर घर लौट रहे 80 वर्षीय बुजुर्ग की जेब से 50 हजार रुपए चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित विजय कुमार जैन ने डीएसपी मुख्यालय को शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार, 2 नवंबर को दोपहर करीब ढाई बजे उन्होंने बैंक से 50 हजार रुपये निकाले थे। घर लौटते समय दो से तीन संदिग्ध युवक उनका पीछा कर रहे थे। घर के गेट पर ताला खोलते समय युवकों ने उनकी जेब से नकदी निकाल ली। घर पहुंचने पर उन्हें चोरी का पता चला। पीड़ित ने सीसीटीवी फुटेज में संदिग्धों के चेहरे दिखाई देने का दावा किया है। डीएसपी शक्ति सिंह ने बताया कि पुलिस ने सीसीटीवी और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

दो नशा तस्कर दोषियों को 10-10 साल की सजा, एक-एक लाख रुपए जुर्माना

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। कांगड़ा जिला की विशेष अदालत ने चिट्टा और चरस के साथ-साथ नशा तस्करी के मामलों में सख्ती बरतते हुए भुक्की तस्करी के एक मामले में दो आरोपियों को 10-10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश-तीन कांगड़ा स्थित धर्मशाला की अदालत ने दोनों दोषियों पर एक-एक लाख रुपये जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना अदा न करने की सूरत में छह-छह माह का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी। मामला पुलिस थाना डमटाल में एक अक्टूबर 2020 को दर्ज किया गया था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक ट्रक में नशीले पदार्थ की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने डमटाल स्थित हिल टॉप मंदिर के पास खड़े ट्रक नंबर जेके-03डी-8971 की स्वतंत्र गवाह की मौजूदगी में तलाशी ली। इस दौरान ट्रक में सेब की पेटियों के बीच छिपाकर रखे गए 12 बोरों से 363 किलो 18 ग्राम भुक्की बरामद हुई थी। ट्रक में उमर इब्राहिम निवासी बारामूला और हिलाल कादिर भट्ट निवासी बारामूला (जम्मू-कश्मीर) सवार थे। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 22 गवाह पेश किए गए। अदालत ने साक्ष्यों और गवाहों के बयान के आधार पर दोनों आरोपियों को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 15 और 29 के तहत दोषी करार दिया। अदालत ने 31 अक्तूबर को दोषसिद्धि का फैसला सुनाया, जबकि दो नवंबर को सजा का आदेश जारी किया। सरकार की ओर से मामले की पैरवी उप जिला न्यायवादी विवेक डोगरा ने की, जबकि नायब कोर्ट दीपिका भी इस दौरान मौजूद रहीं।

जिला स्तरीय निबंध-प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 17 को

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। विद्यार्थियों को चुनावी प्रक्रिया और लोकतंत्र के प्रति जागरूक करने के लिए 17 नवंबर को जिला स्तरीय निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। उपायुक्त जतिन लाल ने बताया कि प्रतियोगिताएं सुबह 10:30 बजे बचत भवन ऊना में होंगी। इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के तहत होने वाली प्रतियोगिता में क्लब वाले स्कूलों और कॉलेजों के सभी विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। निबंध के विषय 'शुद्ध मतदाता सूची का महत्व' और 'मतदान का महत्व' रहेंगे। वहीं, प्रश्नोत्तरी में मतदाता सूची, ईवीएम-वीवीपैट, मतदान प्रक्रिया और मतगणना से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे। निबंध प्रतियोगिता में स्कूल विद्यार्थियों के लिए 500 से 800 और कॉलेज विद्यार्थियों के लिए 800 से 1,200 शब्दों की सीमा निर्धारित की गई है। दोनों प्रतियोगिताओं में जिला स्तर पर अलग-अलग शीर्ष 10 प्रतिभागियों का चयन कर मेरिट प्रमाणपत्र दिए जाएंगे।

नंदलाल का निधन कांगेस और प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति : विवेक शर्मा



भारतेन्दु संवाददाता, बंगाणा। कुटलैहड़ के विधायक एवं हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता विवेक शर्मा ने रामपुर के विधायक नंदलाल के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि नंदलाल के निधन से कांग्रेस पार्टी और पूरे प्रदेश ने एक ईमानदार एवं समर्पित जनसेवक खो दिया है। विवेक शर्मा ने कहा कि नंदलाल ने अपना पूरा जीवन जनता की सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित किया। वह चार बार विधायक रहे और हमेशा आम लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता देते रहे। उनका सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, राजनीतिक अनुभव और जनसेवा के प्रति समर्पण हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि नंदलाल के निधन से कांग्रेस परिवार ने अपना अनुभवी साथी खो दिया है। विवेक शर्मा ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

हमीरपुर के वर्तमान बस अड्डा पर प्रस्तावित सीटी सेंटर का काम शुरू या खाली होर्डिंग ही हटाए

150 करोड़ रुपए का मॉडर्न सिटी सेंटर प्रस्तावित, 60 करोड़ की किश्त हो चुकी है जारी

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। एक ओर जहां हमीरपुर के बाइपास पर नए बस अड्डे के निर्माण का कार्य तीव्र गति से चल रहा है, वहीं वर्तमान बस अड्डे पर करीब 150 करोड़ से प्रस्तावित सीटी सेंटर को बनाने को लेकर मंगलवार को चले बुलडोजर से कार्य शुरू होने की सुगबुगाहट चल पड़ी।

यहां अकसर होर्डिंग लगाने के लिए बड़े लोहे के एंगल लगाए गए थे, वहीं बाहर की तरफ टैक्सियां खड़ी रहती है। ऐसा माना जा रहा है कि एक ओर जहां टैंडर तक नहीं हुआ है, फिर अचानक ये कार्य किसने शुरू किया। बहरहाल इस मसले को लेकर संबंधित सभी अधिकारी खामोश है। बतातें चलें कि शहर के मौजूदा बस अड्डे के ठीक सामने मंगलवार को पीला पंजा चल गया। जहां टैक्सियां खड़ी होती हैं और बस अड्डे की जो रेलिंग लगी हुई थी उसके



आसपास कई बड़े होर्डिंग्स भी नेताओं के मौजूद थे उन्हें गिरा दिया गया है। यहां पर सरकार ने अत्याधुनिक सिटी सेंटर बिजनेस सेंटर बनाने की सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट की शुरुआत होनी है इसकी सारी औपचारिकताएं मुकम्मल हो चुकी हैं और पहली किस्त भी पीडब्ल्यूडी को जारी हो चुकी है।

इस प्रोजेक्ट के लिए सरकार ने पहले चरण के लिए 60 करोड़ रुपए लोक निर्माण विभाग को जारी कर दिए हैं, लेकिन साइट अभी तक पीडब्ल्यूडी को हैंडओवर ही नहीं हुई थी। इसीलिए चर्चा हो रही थी शायद इन्हीं चर्चाओं को विराम देने के लिए मंगलवार को यहां करवाई हुई है। इसमें केंद्र सरकार से स्पेशल असिस्टेंस स्कीम के तहत 80 करोड़ रुपए मंजूर हुए हैं। बता दें कि इस प्रोजेक्ट के लिए सरकार ने पहले चरण के लिए 60 करोड़ रुपए लोक निर्माण विभाग को जारी कर दिए हैंए लेकिन साइट अभी तक पीडब्ल्यूडी को हैंडओवर ही नहीं हुई थी। इसीलिए चर्चा हो रही थी शायद इन्हीं चर्चाओं को विराम देने के लिए मंगलवार को यहां करवाई हुई है। इसलिए टेंडर भी जारी नहीं हो पाया है। सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने भी मई 2026 में बैठक कर कहा था कि यह प्रोजेक्ट शहर को जाम से निजात दिलाएगा और नगर निगम के लिए रेवेन्यू का बड़ा साधन बनेगा। बाकी का पैसा पीपी मोड़ पर जुटाया जाएगा।

क्या-क्या बनेगा सिटी सेंटर में ये

सरकार की योजना के अनुसार यह करीब 150 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट है। इसमें केंद्र सरकार से स्पेशल असिस्टेंस स्कीम के तहत 80 करोड़ रुपए मंजूर हुए हैं। इसका 3डी नक्शा एनआईटी हमीरपुर के एक्सपर्ट्स ने तैयार किया है। डिजाइन के अनुसार तीन बेसमेंट में 240 गाड़ियों की पार्किंग, 4 लिफ्ट, एस्केलेटर ग्राउंड फ्लोर पर दुकानेंए मल्टीब्रांड आउटलेट, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स फूड कोर्टए गेमिंग जोन, मल्टीप्लेक्स, गेस्ट हाउस और कन्वेंशन सेंटर ऑडिटोरियम नगर निगम इसका कस्टोडियन रहेगा और पीडब्ल्यूडी निर्माण करेगा।

हमीरपुर के डिविजनल प्रबंधक राज कुमार पाठक का कहना है कि यह सारी कार्रवाई पीडब्ल्यूडी के द्वारा ही होनी है और वही इस बारे में बता सकते हैं, लेकिन इधर एक्सईएन दीपक कपिल का कहना है कि अभी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है न ही हमें जगह हैंडोवर हुई है अभी टेंडर भी इसका होना है। इन परिस्थितियों में जब नगर निगम के कमिश्नर राकेश शर्मा से मंगलवार को हुई कार्रवाई को लेकर जानना चाहा, तो उन्होंने कहा कि हमें कुछ नहीं मालूम क्या हटाया गया है किसने हटाया है।

क्यों अटका है काम

पुराने बस अड्डे की जमीन से नगर निगम के नाम ट्रांसफर हो चुकी है, लेकिन वहां मौजूद दुकानों को खाली करवाना सबसे बड़ी चुनौती है। कुछ दुकान खाली हो चुकी है, लेकिन ज्यादातर अभी भी सजी-धजी हुई हैं। साथ ही पक्का भरो बाईपास पर नया बस अड्डा बन रहा है। पुराना बस अड्डा तभी शिफ्ट होगा, जब नया बस अड्डा पूरा बनेगा।

पांवटा साहिब में 10 हजार की रिश्वत लेते आरओ सुमंत गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। यमुना नदी से रेत उठाने के मामले में दो ट्रैक्टर जब्त करने की धमकी देकर 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगना भगानी में तैनात आरओ सुमंत को भारी पड़ गया। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने पांवटा साहिब में योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप लगाकर आरोपी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। इस कार्रवाई में डीएसपी जिला सिरमौर विजिलेंस रमाकांत ठाकुर की टीम शामिल रही। मामला भगानी क्षेत्र का है। शिकायतकर्ता इकराम पुत्र इकबाल, निवासी बागनी, पेशे से मजदूर है। उसने विजिलेंस को शिकायत दी थी कि आरओ सुमंत ने उसके बहनोई जुल्फान को यमुना नदी से रेत उठाने के मामले में दो ट्रैक्टर जब्त करने की धमकी दी थी। आरोप है कि इस कार्रवाई से बचाने के एवज में अधिकारी ने 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। शिकायत मिलने के बाद विजिलेंस ने कार्रवाई की योजना तैयार की। तीन नवंबर को इंस्पेक्टर मनोज कुमार के नेतृत्व में टीम ने पांवटा साहिब में ट्रैप लगाया। जैसे ही आरोपी ने रिश्वत की रकम स्वीकार की, विजिलेंस टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया।

खनियारा विश्रामगृह पर पार्षदों ने जड़ा ताला नगर निगम प्रशासन के खिलाफ जताया विरोध

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। धर्मशाला नगर निगम के वार्ड नंबर 15 खनियारा में स्थित विश्रामगृह को लेकर विवाद बढ़ गया है।

मंगलवार को वार्ड-15 के पार्षद प्रवीण प्रकाश और वार्ड 13 के पार्षद हर्ष ओबेरॉय ने मिलकर विश्रामगृह के मुख्य दरवाजे पर ताला लगा दिया और निगम प्रशासन के खिलाफ कड़ा विरोध जताया। पार्षद प्रवीण प्रकाश ने नगर निगम की आम बैठक में प्रस्ताव रखा था कि इस इमारत को विश्रामगृह के तौर पर ही तैयार और संचालित किया जाए। बैठक में सभी पार्षदों ने इस बात का समर्थन किया था। उनका मानना था कि धर्मशाला एक बड़ा पर्यटन केंद्र है और यहां रोज बड़ी संख्या में सैलानी आते हैं। अगर इसे विश्रामगृह बनाया जाता है, तो निगम को अच्छी आमदनी होगी और उस पैसे से शहर का विकास हो सकेगा।



साथ ही इलाके में पर्यटन को भी नया बढ़ावा मिलेगा। पार्षदों का आरोप है कि सदन में प्रस्ताव पास होने के बाद भी निगम के अधिकारी इसे विश्रामगृह बनाने के बदले कर्मचारी आवास में बदलने की फिराक में हैं।

सोमवार को निगम के एक कर्मचारी ने विश्रामगृह में अपना घरेलू सामान रखकर परिवार के साथ रहना शुरू कर दिया था। इस बात की शिकायत तुरंत निगम आयुक्त और संयुक्त आयुक्त से की गई, लेकिन अधिकारियों ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। अधिकारियों की अनदेखी से नाराज होकर दोनों पार्षदों ने इमारत पर ताला जड़ दिया। अभी इस विश्रामगृह की मरम्मत और सुधार का काम चल ही रहा था, ऐसे में काम पूरा होने से पहले ही किसी कर्मचारी को वहां बसाने पर सवाल उठने लगे हैं। पार्षदों का कहना है कि जब सदन में फैसला हो चुका है, तो अधिकारी उसके खिलाफ काम क्यों कर रहे हैं। फिलहाल निगम प्रशासन की चुप्पी पर सवाल खड़े हो रहे हैं और देखना होगा कि सदन के फैसले को लागू करने के लिए अधिकारी क्या कदम उठाते हैं।

12 दिसंबर को होगा लोक अदालत का आयोजन

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, शिमला के निर्देशानुसार हिमाचल प्रदेश के सभी जिला न्यायालयों एवं अधीनस्थ न्यायालयों में 12 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कांगड़ा स्थित धर्मशाला आर. मिहुल शर्मा ने बताया लोक अदालत में बैंक से संबंधित मामले, श्रम विवाद, बिजली एवं पानी के बिल, वैवाहिक विवाद, पूर्व मुकदमेबाजी तथा लंबित मामलों की सुनवाई की जाएगी। यदि कोई व्यक्ति मुकदमे से पहले संबंधित व्यक्ति या विभाग से समझौता करना चाहता है, तो वह संबंधित कोर्ट में आवेदन कर सकता है। अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उपमंडलीय विधिक सेवा समितियों के दूरभाष नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

हिमाचल में नौ तक नहीं गिरेगी बर्फ, दो शहरों का माइनस पारा



अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में एक हफ्ते तक मौसम साफ बना रहेगा और कहीं भी 9 नवंबर तक बर्फबारी का कोई अनुमान नहीं है। हालांकि, राज्य में सर्दी का असर लगातार बढ़ रहा है।

जनजातीय क्षेत्रों में तापमान शून्य से नीचे पहुंच गया है। मंगलवार को लाहौल-स्पीति जिले के कुकुमसेरी और केलांग में न्यूनतम तापमान माइनस में दर्ज किया गया। कुकुमसेरी प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान माइनस 2.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, केलांग में पारा माइनस 1.1 डिग्री सेल्सियस रहा। दूसरी ओर प्रदेश के मैदानी और मध्यवर्ती क्षेत्रों में भी सुबह और रात के समय ठंड बढ़ने लगी है। राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मंगलवार को मौसम साफ रहा और दिन के समय धूप खिली रही। हालांकि, सुबह और शाम के समय ठंड का असर अधिक महसूस किया जा रहा है। मंडी जिले के सुंदरनगर में सुबह घना कोहरा छाया रहा। यहां दृश्यता घटकर 600 मीटर रह गई। कोहरे के कारण सुबह के समय आसपास के क्षेत्रों में दृश्यता प्रभावित हुई। बीते 24 घंटों के दौरान राज्य के कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की बारिश भी दर्ज की गई है।

हमीरपुर जिले में जीएसटी विभाग की दो बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी, मचा हड़कंप

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। त्योहारों के सीजन के बीच जीएसटी विभाग की बड़ी कार्रवाई से हड़कंप मच गया। मंगलवार को शहर के दो बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर जीएसटी विंग की टीमों ने दिनभर रेड की। मिली जानकारी के अनुसार एक दुकान मनिहारी व कॉस्मेटिक की है, जबकि दूसरी कन्फेक्शनरी की है। सुबह से ही दो अलग-अलग टीमों ने दोनों दुकानों पर डेरा डाल दिया और देर शाम तक लेखा-जोखा खंगाला। जांच के दौरान क्या मिला, इसकी जानकारी मीडिया से साझा नहीं की गई।

स्थानीय आबकारी विभाग के अधिकारियों ने भी इस कार्रवाई से पल्ला झाड़ते हुए कहा कि यह जीएसटी का मामला है और उनका विंग अलग है, इसलिए उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं है। बताया जा रहा है कि एक दुकान गांधी चौक से थोड़ा नीचे मुख्य बाजार में स्थित है, जिसका कारोबार काफी बड़ा है। वहीं, दूसरी दुकान बस स्टैंड से भोटा की तरफ जाने वाले सड़क मार्ग पर स्थित है। दोनों दुकानों का टर्नओवर अच्छा होने के कारण ही ये जीएसटी के निशाने पर आई हैं। चर्चा है कि शहर की कुछ और दुकानें भी जीएसटी के रडार पर हो सकती हैं। त्योहार से ठीक पहले हुई इस रेड से व्यापारियों में रोष है।

व्यापार मंडल हमीरपुर के पदाधिकारी कहते सुने गए कि जब धनतेरस और दीपावली में सिर्फ चार दिन बचे हैं और बाजार अपने यौवन पर है, ऐसे में यह रेड बेवजह व्यापारियों में खौफ पैदा कर रही है।

ज्वॉइंट कमिश्नर बोले - जांच जारी

इस बारे में जब जीएसटी नॉर्थ जोन के जॉइंट कमिश्नर राकेश भारती से बात की गई तो उन्होंने कहा कि अभी जांच चल रही है। अभी कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं हैं। जांच मुकम्मल होने के बाद ही सही स्थिति बता पाएंगे।

◆ देर शाम तक खंगाले दस्तावेज

एक ही दिन हमीरपुर व मंडी में भाजपा की महापदयात्रा, 20 हजार कार्यकर्ताओं के जुटने का अनुमान

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर/मंडी। हिमाचल प्रदेश में भाजपा 4 नवंबर को हमीरपुर और मंडी संसदीय क्षेत्रों में एक साथ महापदयात्राओं का आयोजन करेगी। हमीरपुर में सांसद अनुराग ठाकुर और मंडी में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर यात्रा का नेतृत्व करेंगे। आयोजकों के अनुसार दोनों कार्यक्रमों में 20 हजार से अधिक कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है। पदयात्राओं के माध्यम से भाजपा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस के विरोध और केंद्र सरकार पर लगाए जा रहे आरोपों का जवाब देगी। पार्टी का आरोप है कि विपक्ष इस मुद्दे पर जनता को भ्रमित कर रहा है। इससे पहले धर्मशाला और शिमला में पदयात्राएं आयोजित की जा चुकी हैं। अब हमीरपुर और मंडी में कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए प्रदेश, जिला, मंडल और बूथ स्तर पर संगठन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

मटौर वैली पुल पर रात 11 से सुबह 7 बजे तक वाहनों की आवाजाही रहेगी बंद, वैकल्पिक मार्ग अपनाएं लोग

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। मटौर वैली पुल पर निर्माण कार्य के चलते 3 नवंबर की रात 11 बजे से 4 नवंबर की सुबह 7 बजे तक सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद रहेगी।

एसडीएम कांगड़ा डॉ. अंजलि गर्ग ने बताया कि इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग, विद्युत विभाग और पुलिस की टीमें संयुक्त रूप से निर्माण एवं आवश्यक कार्य करेंगी। उन्होंने बताया कि आम जनता की सुविधा के लिए जमानाबाद-अब्दुल्लापुर सड़क को वैकल्पिक मार्ग के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। वहीं, 4 नवंबर को सुबह से दिनभर पुल पर यातायात एकतरफा रहेगा। उन्होंने लोगों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की, ताकि निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जा सके और यातायात की समस्या से राहत मिल सके। एसडीएम ने बताया कि पुल पर निर्माण कार्य के साथ विद्युत लाइन से संबंधित कार्य भी किया जाएगा। इसके चलते मटौर, गुरकड़ी, बगली रोड, ओल्ड मटौर, मटौर चौक और कोहाला में 3 नवंबर की रात 7 बजे से 4 नवंबर की सुबह 11 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। डॉ. अंजलि गर्ग ने बताया कि गत्ता टोल प्लाजा के 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले स्थानीय निवासियों के लिए वार्षिक टोल पास की राशि घटाकर 1500 रुपये निर्धारित की गई है। इस संबंध में परियोजना निदेशक और संबंधित अधिकारियों से बातचीत के बाद यह निर्णय लिया गया है। पात्र निवासी टोल प्लाजा पर जाकर अपना पास बनवा सकते हैं। अन्य वाहन चालकों के लिए वार्षिक पास की राशि 3075 रुपये रहेगी। जल्द ही राजमार्ग यात्रा मोबाइल ऐप के माध्यम से भी पास बनवाने की सुविधा उपलब्ध होगी।

दीपावली पर सुरक्षा व स्वच्छता का रखें ध्यान



एसडीएम ने क्षेत्रवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए पटाखा विक्रेताओं से केवल प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थानों पर ही बिक्री करने की अपील की। बिना अनुमति अन्य स्थानों पर पटाखे बेचने वालों के चालान किए जाएंगे। उन्होंने मिठाई और डेयरी उत्पाद विक्रेताओं को भी स्वच्छता बनाए रखने तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट से बचने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान लोगों को शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाना सभी विक्रेताओं की जिम्मेदारी है।

◆ स्थानीय 20 किलोमीटर के दायरे के निवासियों को टोल के वार्षिक पास में राहत, अब 1500 रुपए में बनेगा पास

◆ दीपावली पर निर्धारित स्थानों पर ही बेच सकेंगे पटाखे और नियम तोड़ने वालों के होंगे चालान : डॉ. अंजलि गर्ग

चौहार व छोटाभंगाल घाटी में वर्षाशालिकाओं व गति अवरोधकों के निर्माण की उठाई मांग

भारतेन्दु संवाददाता, बरोट। चौहार व छोटाभंगाल घाटी के लोगों ने लोक निर्माण विभाग से बस यात्रियों की सुविधा के लिए वर्षाशालिकाओं और सड़कों पर गति अवरोधक बनाने की मांग उठाई है।



समाजसेवी एवं पूर्व सूबेदार राम सरन चौहान ने बताया कि कई प्रमुख बस ठहरावों पर वर्षाशालिकाएं नहीं होने से यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ती है। मुल्थान-बड़ा ग्रां मार्ग पर भी कई स्थानों पर वर्षाशालिकाओं का निर्माण शेष है। वहीं, बरोट-घटासनी मार्ग और बरोट-मियोट सड़क के कई बस ठहराव भी सुविधाओं से वंचित हैं। उन्होंने सरकार और विभाग से झटिंगरी, टिक्कन, वरधान सहित अन्य स्थानों पर वर्षाशालिकाएं बनाने तथा चौहार घाटी की सड़कों पर गति अवरोधक लगाने की मांग की है।

सीएम के समक्ष विधायक पठानिया ने उठाए शाहपुर के मुद्दे

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। उप मुख्य सचेतक व शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया ने मंगलवार को निर्माण विभाग विश्राम गृह शाहपुर में उपमंडलाधिकारी तथा शाहपुर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवं स्थानीय व्यापारियों के साथ बैठक की।

बैठक में क्षेत्र के व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं और मांगों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक के दौरान व्यापारियों ने दीपावली पर्व के मद्देनजर पटाखों की दुकानों के लिए उचित स्थान उपलब्ध करवाने, शाहपुर में बढ़ते यातायात के दबाव को देखते हुए अंडर बाईपास का निर्माण करने, रेहलू रोड पर सड़क किनारे लगे पेड़ों को हटाने तथा दीपावली के दौरान बाजार में आने वाले लोगों के लिए पार्किंग की समुचित व्यवस्था करने की मांग विधायक के समक्ष रखी। विधायक केवल सिंह पठानिया ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि शाहपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता और व्यापारी वर्ग उनकी प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि दीपावली के दौरान व्यापारियों एवं आम जनता



को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके लिए पार्किंग, यातायात प्रबंधन तथा पटाखों की दुकानों से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं। शाहपुर में अंडर बाईपास निर्माण की मांग पर विधायक ने कहा कि इस महत्वपूर्ण मुद्दे को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के समक्ष व्यापारियों के साथ बैठक कर प्रमुखता से उठाया जाएगा, ताकि क्षेत्र में बढ़ते यातायात की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। विधायक केवल सिंह पठानिया ने गगल एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का स्वागत किया तथा उनसे मुलाकात के दौरान शाहपुर के व्यापारियों की विभिन्न मांगों, अंडर बाईपास निर्माण और क्षेत्र में बढ़ती यातायात समस्या को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने शाहपुर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए डीएसपी ट्रैफिक की तैनाती अथवा उचित ट्रैफिक व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। उन्होंने कहा कि इससे बढ़ते यातायात को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी तथा स्थानीय लोगों, व्यापारियों और बाहर से आने वाले लोगों को राहत मिलेगी। इसके अतिरिक्त विधायक ने गगल एयरपोर्ट के विस्तार से प्रभावित गगल वासियों की मांगों एवं समस्याओं को भी मुख्यमंत्री के समक्ष प्रमुखता से उठाया। मुख्यमंत्री सुक्खू ने विधायक केवल सिंह पठानिया द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण मुद्दों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए मांगों के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

सुलह में आपदा प्रभावित सड़कों व पुलों के लिए 34 करोड़ रुपए मंजूर : विपिन परमार

भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व सुलह के विधायक विपिन सिंह परमार ने भटकाटिब्बी और टिब्बी की सड़कों को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर पलटवार करते हुए कहा कि सुलह के नवाचार नेता को बयानबाजी करने से पहले अपने तथ्यों की जानकारी दुरुस्त करनी चाहिए।



उन्होंने कहा कि प्रध

न्यूज ब्रीफ

ट्राउट मछलियों के प्रजनन काल में नदी-नालों में मछली पकड़ने पर चार माह का प्रतिबंध

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। हिमाचल प्रदेश में ट्राउट मछलियों के प्राकृतिक प्रजनन एवं संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए ठंडे जल क्षेत्रों की नदियों और सहायक नदी-नालों में मछली पकड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह प्रतिबंध 1 नवंबर 2026 से 28 फरवरी 2027 तक लागू रहेगा। मत्स्य विभाग के निदेशक एवं प्रारक्षी ओम कांत ठाकुर ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। हालांकि, सरकारी एवं निजी ट्राउट पालन केंद्रों और जलधाराओं में बने पालन स्थलों से मछली की बिक्री पर कोई रोक नहीं रहेगी। मत्स्य विभाग के पतलीकूहल स्थित ट्राउट फार्म के उपनिदेशक ने बताया कि सर्दियों का मौसम रेनबो ट्राउट और ब्राउन ट्राउट मछलियों के प्रजनन का प्रमुख समय है। इस दौरान मछलियों को प्राकृतिक रूप से प्रजनन का अवसर देना उनकी संख्या बढ़ाने और जलीय संपदा के संरक्षण के लिए जरूरी है। प्रतिबंध को प्रभावी बनाने के लिए विभाग ने विशेष उड़नदस्तों का गठन किया है, जो नदी-नालों में नियमित निगरानी करेंगे। नियमों का उल्लंघन कर मछली पकड़ने वालों के खिलाफ मत्स्य अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों से अपील की है कि वे प्रतिबंध के दौरान सहयोग करें तथा अवैध रूप से मछली पकड़ने की गतिविधियों की रोकथाम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

लाहौल-स्पीति में शीतकालीन तैयारियों को लेकर प्रशासन सतर्क, डीसी ने दिए आवश्यक निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। जिला लाहौल-स्पीति में आगामी शीतकालीन मौसम और संभावित बर्फबारी से निपटने के लिए उपायुक्त निवेदिता नेगी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की तैयारियों का जायजा लेते हुए समयबद्ध एवं समन्वित कार्ययोजना लागू करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने लोक निर्माण विभाग और सीमा सड़क संगठन को बर्फबारी से बंद सड़कों को जल्द बहाल करने के लिए मशीनरी और उपकरण तैयार रखने को कहा। स्वास्थ्य विभाग को पर्याप्त दवाइयां और एंबुलेंस सेवाएं सुनिश्चित करने, जबकि जल शक्ति विभाग को निर्बाध पेयजल आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग को थिरोट विद्युत गृह से आपातकालीन बिजली आपूर्ति की व्यवस्था जल्द पूरी करने को कहा गया। सभी पंचायतों में आपातकालीन सहायता केंद्र और राहत आश्रय स्थल चिन्हित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में ईंधन भंडारण, लकड़ी वितरण, संचार व्यवस्था और आपदा प्रबंधन की तैयारियों पर भी चर्चा हुई।

भारतीय सेना में करियर को लेकर संगोष्ठी कैडेट्स को दी भर्ती प्रक्रिया की जानकारी



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी में राष्ट्रीय छात्र सेना के वायु सेना एवं थल सेना विंग के कैडेट्स के लिए भारतीय सेना में करियर विषय पर एकदिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता फ्लाइंग ऑफिसर डॉ. चमन ने की। संगोष्ठी में यंत्रीकृत पैदल सेना रेजिमेंट के सूबेदार गणेश यादव ने मुख्य वक्ता के रूप में अग्निवीर योजना के तहत भर्ती प्रक्रिया, पात्रता एवं चयन संबंधी जानकारी दी। उन्होंने सेना में अधिकारी के रूप में प्रवेश पाने के विभिन्न अवसरों और चयन प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से बताया। डॉ. चमन ने कहा कि भारतीय सेना केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा, अनुशासन, साहस और नेतृत्व का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से सेना में शामिल होकर देश की सुरक्षा एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। इस दौरान कैडेट्स को सेना के गौरवशाली इतिहास और सैन्य जीवन पर आधारित प्रेरणादायक वृत्तचित्र भी दिखाया गया। कार्यक्रम के अंत में लेफ्टिनेंट डॉ. बलबीर सिंह ने आभार व्यक्त किया। कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. राजकुमार ठाकुर ने सैन्य अधिकारियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

मंडी महाविद्यालय में स्वतंत्रता आंदोलन में आदिवासी व दलितों के योगदान पर हुई चर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी में जनजातीय गौरव दिवस पखवाड़े के अंतर्गत आजादी के आंदोलन में आदिवासी एवं दलित समुदायों की भूमिका विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. मोनिका पंचानी ने की। संगोष्ठी में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष फ्लाइंग ऑफिसर डॉ. चमन ने मुख्य वक्ता के रूप में शोध पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी और दलित समुदायों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू, तिलका मांझी, झलकारी बाई और ऊदा देवी जैसे वीरों के संघर्ष एवं बलिदान को इतिहास में उचित स्थान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि आदिवासियों का जल, जंगल और जमीन के लिए संघर्ष तथा दलितों का समानता और अधिकारों के लिए योगदान स्वतंत्रता आंदोलन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. राजकुमार ठाकुर ने बताया कि एक से 15 नवंबर तक आयोजित पखवाड़े में भाषण, प्रश्नोत्तरी, चित्रकला और संगोष्ठी जैसी गतिविधियां करवाई जा रही हैं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय छात्र सेना के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भलयानी के रूबीन कुमार सीमा सड़क संगठन में कनिष्ठ अभियंता बने



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जिला कुल्लू के भलयानी निवासी रूबीन कुमार ने सीमा सड़क संगठन में कनिष्ठ अभियंता के पद पर चयनित होकर अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा का परिचय दिया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार सहित पूरे गांव और क्षेत्र में खुशी की लहर है। रूबीन कुमार के पिता हीरा सिंह राजकीय प्राथमिक विद्यालय में अध्यापक पद से सेवानिवृत्त हुए हैं, जबकि उनकी माता सुदर्शना ठाकुर सिलाई अध्यापिका हैं। माता-पिता के संघर्ष, संस्कार और मार्गदर्शन के साथ रूबीन ने निरंतर मेहनत कर यह मुकाम हासिल किया है। उनकी सफलता को परिवार के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। बेटे की इस कामयाबी से माता-पिता का सपना भी साकार हुआ है। रूबीन की उपलब्धि की खबर मिलते ही रिश्तेदारों, मित्रों और क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाइयां देना शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों ने उनकी सफलता पर प्रसन्नता जताते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रूबीन कुमार की यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।

छोटा पड्डल मैदान में ही लगेंगी पटाखों की दुकानें

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। दिवाली पर्व के दौरान सदर उपमंडल मंडी में पटाखों की दुकानें केवल छोटा पड्डल मैदान में ही लगाई जाएंगी। उपमंडलाधिकारी (ना.) सदर चंद्र प्रकाश ने जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि निर्धारित स्थान के अलावा कहीं अन्य जगह पटाखों की दुकानें लगाने की अनुमति नहीं होगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पटाखों की दुकानें लगाने के इच्छुक आवेदकों को उपमंडलाधिकारी कार्यालय सदर मंडी में 6 नवंबर 2026 तक लाइसेंस जारी किए जाएंगे। निर्धारित तिथि के बाद किसी भी आवेदक को लाइसेंस जारी नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने सभी दुकानदारों से निर्धारित नियमों का पालन करने की अपील की है।

जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 28 नवंबर को, प्रवेश-पत्र जारी

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जवाहर नवोदय विद्यालय पंडोह में सत्र 2027-28 के लिए छठी कक्षा में प्रवेश हेतु जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 28 नवंबर 2026 को आयोजित होगी। परीक्षा के लिए प्रवेश-पत्र डाउनलोड करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विद्यालय के प्राचार्य मनोज भटनागर ने बताया कि पंजीकरण करवाने वाले विद्यार्थी नवोदय विद्यालय समिति की आधिकारिक वेबसाइट से अपने प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि बच्चे प्रवेश-पत्र और आधार कार्ड लेकर परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से पहले पहुंचें। परीक्षा संबंधी जानकारी के लिए 9805319303, 9816999573, 7500741897 और 01905-282046 पर सुबह 9 से शाम 4 बजे तक संपर्क किया जा सकता है।

अराजकता फैलाकर लोकतंत्र पर भीड़ तंत्र को हावी करना चाहते हैं राहुल गांधी : जयराम

कहा- एसआईआर का सिर्फ मतलब गलत नाम जुड़े नहीं, सही नाम कटे नहीं



रूप लाल कौंडल, भारतेन्दु संवादाता, मंडी। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर सरदार पटेल यूनिवर्सिटी मंडी में आयोजित विकसित भारत युवा संवाद 'नो योर वोट' कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस दौरान उन्होंने देश में अराजकता फैलाकर सत्ता परिवर्तन करने वाली कांग्रेस पार्टी, उसके युवराज राहुल गांधी और इंडी गठबंधन पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अपने फेल लॉन्चिंग का शतक लगाने के करीब पहुंचे राहुल गांधी समझ गए हैं कि देश उन्हें नकार चुका है। इसलिए लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं से वह चुनाव जीतकर प्रधानमंत्री नहीं बन सकते, लेकिन गांधी परिवार में जन्म लेने के नाते वह प्रधानमंत्री बनना अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं। इसीलिए अराजकता के दम पर देश में 'रिजीम चेंज' करना चाहते हैं। अराजकता और भीड़ तंत्र के सहारे लोकतंत्र को हथियाना चाहते हैं। वह देश को बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल और सीरिया बनाना चाहते हैं, लेकिन वह भूल रहे हैं भारत मिटाने की विदेशी साजिश सदियों से हो रही है, कोई उसमें कामयाब नहीं हुआ है। आज दुनिया के सबसे सशक्त और प्रभावशाली नेता नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं। आज देश का जेन-जी नरेंद्र मोदी के साथ है। इसलिए अराजकता से सत्ता हथियाने का ख्वाब उनका कभी पूरा नहीं हो पाएगा। जयराम ने कहा कि युवाओं का जोश, राष्ट्रभक्ति की भावना और देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा देखकर सदैव आनंद की अनुभूति होती है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने की जिम्मेदारी देश के युवा बखूबी निभा रहे हैं। विकसित भारत का लक्ष्य सशक्त, शांतिप्रिय, अराजकतामुक्त और आत्मनिर्भर भारत के जरिए ही हासिल हो सकता है। इसके लिए देश के युवाओं को आगे आना होगा। आज देश में कुछ लोग वोट चोरी के नाम पर एक वर्ग को बरगलाकर, अशांति फैलाकर तख्तापलट करना चाहते हैं। ऐसे में युवा संवाद में 'नो योर वोट' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से राहुल गांधी और इंडी गठबंधन के दुष्प्रचार को समाप्त कर लोगों को वास्तविकता से अवगत करवाने का प्रयास सराहनीय है।

गलत तथ्यों व भ्रामक प्रचार के प्रति रहें सतर्क

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि 2 दिन पहले दिल्ली में कांग्रेस द्वारा एक रैली की गई। उसमें आए लोगों को एसआईआर के बारे में कोई जानकारी ही नहीं थी। उन्हें गलत तथ्य बताकर सिर्फ बरगलाया गया था, ऐसे में यह हमारे युवाओं की भी जिम्मेदारी है कि गलत तथ्य पेश करके किसी भी राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित होकर कोई भी व्यक्ति देशवासियों को बरगला न सके। उन्होंने कहा कि युवाओं का उत्साह देखकर यह साफ है कि यह राहुल गांधी और इंडी गठबंधन का दुष्प्रचार हारेगा। लोकतंत्र जीतेगा।

श्री साई कॉलेज ऑफ फार्मेसी में फ्रेशर पार्टी की धूम, नए विद्यार्थियों का हुआ भव्य स्वागत



भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। श्री साई कॉलेज ऑफ फार्मेसी, बधानी में नए विद्यार्थियों के स्वागत के लिए रंगारंग फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में समूह के चेयरमैन एसके पुंज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि प्रबंध निदेशक तृप्ता पुंज, मुख्य प्रबंध निदेशक कंवर तुषार पुंज और उपाध्यक्ष रिया पुंज विशेष तिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान चेयरमैन एसके पुंज ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से योग्य पेशेवर और बेहतर इंसान बनाना है। उन्होंने बताया कि कॉलेज के कई पूर्व विद्यार्थी देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च पदों पर सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने नए विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्थान उन्हें बेहतर शैक्षणिक संसाधन, व्यावहारिक प्रशिक्षण और व्यक्तित्व विकास के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने शिक्षा के साथ खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों में भाग लेने के लिए भी विद्यार्थियों को प्रेरित किया। मुख्य प्रबंध निदेशक कंवर तुषार पुंज ने भी नए विद्यार्थियों को संबोधित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर खूब समां बांधा। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. राजेश गुप्ता की देखरेख में किया गया। इस अवसर पर निदेशक रणजीत सिंह, डॉ. गरिश गुप्ता, डॉ. नीरज भंडारी, डॉ. विपिन गुप्ता, डॉ. दिनेश महाजन, डॉ. नवदीप सांवल, श्रीमती पुनीत सांवल, मुकेश गुप्ता, संजय पंडित, सुलक्ष्य कुमार, अश्वनी शर्मा सहित कॉलेज का स्टाफ और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मोदी सरकार ने कैंसर की दवाएं सस्ती कर दी राहत, सुक्खू सरकार में रोगी आहत : राकेश

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता राकेश शर्मा ने हिमाचल प्रदेश में कैंसर मरीजों को समय पर दवाएं व उपचार सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने की शिकायतों को लेकर प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं।



उन्होंने कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जीवनरक्षक दवाओं की कीमतें कम करके कैंसर रोगियों को आर्थिक राहत पहुंचाने का प्रयास कर रही है, वहीं दूसरी ओर हिमाचल प्रदेश में मरीजों को दवाओं की अनुपलब्धता, उपचार में देरी और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। राकेश शर्मा ने कहा कि कैंसर के मरीज पहले ही गंभीर बीमारी से लड़ रहे हैं, ऐसे में उन्हें दवाओं और उपचार की व्यवस्था के लिए भी संघर्ष करना पड़े, यह अत्यंत चिंताजनक है। सरकार का पहला दायित्व है कि गंभीर रोगियों को समय पर उपचार और आवश्यक दवाएं उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कैंसर की दवाओं की कीमतों में की गई कटौती से मरीजों को महत्वपूर्ण आर्थिक राहत मिलने की जानकारी सामने आई है। उपलब्ध विवरण के अनुसार 543 में से 397 कैंसर दवाओं के दामों में कटौती दर्ज की गई है, जिनमें कुछ दवाओं की कीमतें 93 प्रतिशत तक कम होने का दावा किया गया है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि केंद्र सरकार के स्तर पर दवाओं को सस्ता करने का उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में वे दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों। उन्होंने आरोप लगाया कि हिमाचल प्रदेश में कई कैंसर मरीजों को आयुष्मान भारत और हिमकेयर जैसे स्वास्थ्य कार्ड होने के बावजूद कीमोथेरेपी तथा महंगी दवाओं की उपलब्धता को लेकर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

विधायक रामकुमार चौधरी ने किशनपुरा में सात नवनिर्मित दुकानों का किया लोकार्पण

भारतेन्दु संवाददाता, बद्दी। दून विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामकुमार चौधरी ने ग्राम पंचायत किशनपुरा में लगभग 15 लाख रुपए की लागत से निर्मित सात दुकानों का लोकार्पण किया। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि यह पहल पंचायत को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने बताया कि खुली बोली के माध्यम से दुकानों का आवंटन किया गया है, जिससे पंचायत को प्रतिमाह कुल 39,800 रुपए की नियमित आय प्राप्त होगी। पंचायत की योजना भविष्य में दुकानों की दूसरी मंजिल बनाकर वहां भी दुकानें तैयार करने की है। विधायक ने अन्य पंचायतों से भी आय के नए स्रोत विकसित करने और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने का आह्वान किया। इस अवसर पर पंचायत प्रधान मेला राम सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कुल्लू दशहरा में मक्की की रोटी और सरसों के साग का जलवा, 1991 से लोगों को परोस रहे पहाड़ी स्वाद

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव में जहां देश-विदेश की संस्कृति और परंपराओं की झलक देखने को मिल रही है, वहीं यहां लगे खान-पान के स्टॉल भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

इनमें मक्की की रोटी और सरसों के साग का पारंपरिक स्टॉल विशेष पहचान बना चुका है। उत्सव में पहुंच रहे स्थानीय लोगों, व्यापारियों और पर्यटकों के बीच इस पहाड़ी स्वाद की खूब मांग है। इस स्टॉल की शुरुआत वर्ष 1991 में बिलासपुर निवासी सोहन लाल और उनकी पत्नी राधा ने की थी। पिछले 35 वर्षों से यह परिवार कुल्लू दशहरा में लोगों को पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद परोस रहा है। सोहन लाल बताते हैं कि समय के साथ उनके हाथों से तैयार मक्की की रोटी और सरसों का साग दशहरा उत्सव की खास पहचान बन गया है। उनके व्यंजनों का स्वाद कई नामी हस्तियां भी चख चुकी हैं।



◆अमिताभ बच्चन भी चख चुके हैं स्वाद, सोहन का स्टॉल बना दशहरा की खास पहचान

वर्ष 2012 में उद्योगपति अनिल अंबानी के रजत जयंती समारोह में भी उन्हें पारंपरिक व्यंजन परोसने का अवसर मिला था। इसके अलावा सदी के महानायक अमिताभ बच्चन और अभिनेता रणधीर कपूर सहित कई फिल्मी हस्तियां भी उनके हाथों के बने व्यंजनों का स्वाद ले चुकी हैं। सोहन लाल ने बताया कि दशहरा उत्सव के दौरान उनका कारोबार अच्छा चल रहा है और ग्राहकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। इस व्यवसाय के माध्यम से वह अपने साथ लगभग 12 से 13 अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करवा रहे हैं।

इससे कई परिवारों की आजीविका चल रही है। हालांकि, उन्होंने स्टॉल लगाने के लिए महंगी जगह मिलने पर चिंता जताई। उनका कहना है कि अधिक किराया होने से व्यापारियों पर आर्थिक बोझ बढ़ता है। इसके बावजूद ग्राहकों के उत्साह और पारंपरिक व्यंजनों के प्रति बढ़ते आकर्षण से वह संतुष्ट हैं। कुल मिलाकर सोहन लाल और राधा का यह स्टॉल तीन दशक से अधिक समय से कुल्लू दशहरा में पारंपरिक खान-पान की विरासत को संजोए हुए है। मक्की की रोटी और सरसों के साग की खुशबू उत्सव में आने वाले लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है।

अभिलाषी विवि में एनएसएस का अंतरराज्यीय संवाद व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

युवा शक्ति से ही होगा सशक्त भारत का निर्माण : कुलपति



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। अभिलाषी विश्वविद्यालय चैलचौक में राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और युवा चिंतन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतरविश्वविद्यालय शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय नई दिल्ली के भारती विद्यापीठ अभियांत्रिकी महाविद्यालय के 44 राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों तथा पांच प्राध्यापकों ने भाग लिया। दल का नेतृत्व नोडल अधिकारी डॉ. अनिल चिकारा ने किया।

विश्वविद्यालय के बहुउद्देशीय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति व प्रख्यात वैज्ञानिक प्रो. एचके चौधरी मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान दोनों विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दिल्ली से आए विद्यार्थियों ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं, जबकि अभिलाषी विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने हिमाचली लोकनृत्य और पहाड़ी संस्कृति की झलक प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को साकार किया। संवाद सत्र में स्वयंसेवकों ने समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण विकास, आपदा प्रबंधन और युवा नेतृत्व जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा किए।

इस दौरान दिल्ली के शहरी परिवेश और हिमाचल के पर्वतीय जीवन से जुड़े अनुभवों का आदान-प्रदान भी हुआ। कुलपति प्रो. एचके चौधरी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल समाज सेवा का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की पाठशाला भी है, ऐसे कार्यक्रम युवाओं को विभिन्न राज्यों की संस्कृति, सामाजिक परिस्थितियों और जीवनशैली को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने युवाओं से अपनी ऊर्जा और ज्ञान का उपयोग राष्ट्र निर्माण तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए करने का आह्वान किया। इस अवसर पर कुलाधिपति डॉ. आरके अभिलाषी, प्रति-कुलाधिपति डॉ. एलके अभिलाषी, अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. पीसी शर्मा, कुलसचिव डॉ. कपिल कपूर, डॉ. प्रोमिला अभिलाषी, डॉ. नर्वदा अभिलाषी और नरेंद्र कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि युवाओं के बौद्धिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विकास के लिए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

खेलो हिमाचल-चिट्टा मुक्त अभियान के तहत कुल्लू में होंगी क्रिकेट, कबड्डी और वॉलीबाल प्रतियोगिताएं

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। युवाओं को नशे से दूर रखकर खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार के 'खेलो हिमाचल-चिट्टा मुक्त अभियान' के तहत जिला कुल्लू में क्रिकेट, कबड्डी और वॉलीबाल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी कविता ठाकुर ने बताया कि प्रतियोगिताओं में 15 से 30 वर्ष आयु वर्ग के युवक-युवतियां भाग ले सकेंगे। इच्छुक प्रतिभागी 100 रुपये पंजीकरण शुल्क देकर 15 नवंबर 2026 तक https//khelohimachal.hp.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं। प्रतियोगिताएं पहले उपमंडल, फिर जिला और राज्य स्तर पर होंगी। उपमंडल स्तर पर विजेता, उपविजेता और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को क्रमशः 51 हजार, 41 हजार और 31 हजार रुपये दिए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए 9816698106 और 9015288090 पर संपर्क करें।

प्रताप वर्ल्ड स्कूल में बाल संरक्षण व साइबर सुरक्षा पर जागरूकता सत्र, सिविल जज ने किया जागरूक



भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। प्रताप वर्ल्ड स्कूल इंदौरा-चनौर में विद्यार्थियों को जागरूक एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, बाल संरक्षण, साइबर सुरक्षा और स्वच्छता विषयों पर विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्या रेनू परमार एवं प्रबंध निदेशक डॉ. ऋचा महाजन ने की। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में इंदौरा की सिविल जज परवीन खडवाल उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान सिविल जज परवीन खडवाल ने विद्यार्थियों को पोक्सो अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को उनके अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा तथा अच्छे और बुरे व्यवहार के बीच अंतर समझाया। उन्होंने कहा कि किसी भी असहज परिस्थिति में बच्चों को बिना डर के अपने अभिभावकों, शिक्षकों अथवा संबंधित अधिकारियों से सहायता लेनी चाहिए। उन्होंने बाल संरक्षण को समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। साइबर सुरक्षा के विषय पर उन्होंने विद्यार्थियों को इंटरनेट और सामाजिक संचार माध्यमों का सावधानीपूर्वक उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने अनजान लोगों से ऑनलाइन बातचीत, निजी जानकारी साझा करने, फर्जी संदेशों और संदिग्ध संपर्क सूत्रों से सतर्क रहने को कहा। इसके अतिरिक्त व्यक्तिगत एवं आसपास की स्वच्छता का महत्व भी समझाया। कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्या रेनू परमार एवं प्रबंध निदेशक डॉ. ऋचा महाजन ने मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थियों को किताबी शिक्षा के साथ कानूनी अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनाना भी विद्यालय की प्राथमिकता है।

धर्मपुर किसान उत्पादक संगठन को मोटे अनाजों के प्रोत्साहन के लिए राज्यपाल ने किया सम्मानित



भारतेन्दु संवाददाता, धर्मपुर। कैरियर प्वाइंट विश्वविद्यालय हमीरपुर में आयोजित मिलेट्स उत्सव के समापन एवं विश्वविद्यालय के 12वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने धर्मपुर किसान उत्पादक संगठन को मोटे अनाजों के उत्पादन एवं प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया। संगठन की ओर से यह पुरस्कार सचिव भूपेंद्र सिंह ने प्राप्त किया।

इस अवसर पर मोटे अनाजों के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए दी ऑरिजिनल पोटेंशियल प्राइवेट लिमिटेड हमीरपुर तथा प्राकृतिक खेती के लिए प्रगतिशील किसान ललित कुमार कालिया को भी सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव शर्मा ने धर्मपुर संगठन के पिछले चार वर्षों के प्रयासों की सराहना करते हुए बताया कि संगठन को मोटे अनाजों के उत्पादन के लिए पद्मश्री किसान नेक राम शर्मा के मार्गदर्शन से प्रेरणा मिली। संगठन की उपलब्धियों को देखते हुए विश्वविद्यालय आने वाले समय में इसके साथ मिलकर ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न परियोजनाएं शुरू करेगा। संगठन के सचिव भूपेंद्र सिंह ने बताया कि वर्ष 2023 में किसानों को कोदरे की खेती के लिए प्रोत्साहित करने हेतु इसका खरीद मूल्य 60 रुपए से बढ़ाकर 100 रुपए प्रति किलो किया गया था। अब इसकी कीमत 150 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है और मांग में भी काफी वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि संगठन कोदरे से शुगर नियंत्रित करने वाला आटा, लड्डू, बर्फी, चाय सहित विभिन्न खाद्य उत्पाद तैयार कर रहा है। इससे क्षेत्र की दर्जनों महिलाओं को रोजगार मिला है और उनकी आमदनी बढ़ी है। समारोह में संगठन के उत्पादों के बिक्री केंद्र भी लगाए गए। इनके संचालन में रजनी सकलानी और कुलदीप बीस्ट ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्ति, किसान, विद्यार्थी और बुद्धिजीवी उपस्थित रहे। भूपेंद्र सिंह ने विश्वविद्यालय प्रबंधन एवं सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

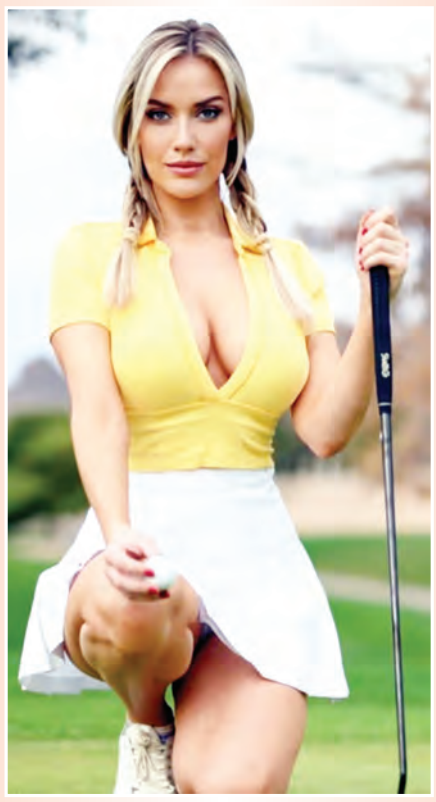
पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान के लिए आज बिलासपुर में लगेगा विशेष शिविर

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पूर्व सैनिकों, वीर नारियों व उनके आश्रितों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए 4 नवंबर को जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, बिलासपुर में विशेष जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मेकैनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट की ओर से यह कार्यक्रम 'मिशन निरंतर मिलाप 1.0 – चरण-5 (उत्तर क्षेत्र)' के तहत आयोजित होगा। कार्यक्रम का नेतृत्व ब्रिगेडियर पी. सुनील कुमार करेंगे, जबकि लेफ्टिनेंट कर्नल अशोक कुमार इसके संचालन की जिम्मेदारी संभालेंगे। शिविर में पेंशन, सेवा अभिलेख, दस्तावेजों में सुधार, भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना और रक्षा पेंशन प्रशासन प्रणाली से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। साथ ही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय ने बिलासपुर, ऊना और आसपास के क्षेत्रों के सभी पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके परिजनों से शिविर में पहुंचकर सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में अंबोया स्कूल का डंका, 40

गोल्फ की सबसे ग्लैमरस हस्ती

पेज स्पिरानैक शायद आज गोल्फ की सबसे मशहूर हस्ती हैं, न सिर्फ अपने शानदार पेशेवर करियर की वजह से, बल्कि ऑनलाइन उनकी जबरदस्त मौजूदगी के कारण भी। पूर्व कॉलेज और कुछ समय के लिए पेशेवर खिलाड़ी रहीं पेज सोशल मीडिया स्टार बन गईं, जहां उन्होंने गोल्फ कंटेंट को फिटनेस, ग्लैमर और बेबाक विचारों के साथ पेश किया।



6 साल बाद न्यूजीलैंड में फिर साथ दिखेगी रोहित और विराट की जोड़ी

न्यूजीलैंड में 600 वनडे रन पूरे करने से 4 रन दूर विराट, रोहित को पहले शतक का इंतजार

एजेंसी, नई दिल्ली

रोहित शर्मा और विराट कोहली फरवरी 2020 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड की धरती पर साथ खेलेंगे। दोनों आखिरी बार 29 फरवरी 2020 को हैमिल्टन में तीसरे टी-20 इंटरनेशनल में उतरे थे। इसके बाद वे 4 नवंबर को पांच वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में एक साथ उतरेंगे। टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने के बाद अब दोनों सिर्फ वनडे खेल रहे हैं। ऐसे में यह सीरीज 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने का मौका है। यह दोनों का न्यूजीलैंड का आखिरी दौरा भी हो सकता है।

न्यूजीलैंड की पिचों पर तेज गेंदबाजों को हवा और उछाल से मदद मिलती है। गेंद स्विंग होने पर बल्लेबाजों के लिए उसे सही समय पर खेलना चुनौती बन जाता है। इन परिस्थितियों में विराट कोहली का रिकॉर्ड रोहित शर्मा से बेहतर रहा है।

कोहली न्यूजीलैंड में 600 वनडे रन पूरे करने से सिर्फ 4 रन दूर हैं। उन्होंने वहां 13 वनडे में 596 रन बनाए हैं। उनका औसत 49.66 और स्ट्राइक रेट 91.41 है। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 4 अर्धशतक लगाए हैं। वहीं, रोहित ने न्यूजीलैंड में 14 वनडे में 437 रन बनाए हैं। उनका औसत 36.41 और स्ट्राइक रेट 72.95 है। उनके नाम 4 अर्धशतक हैं, लेकिन वे अब तक यहां वनडे शतक नहीं लगा सके हैं।



कोहली ने 12 साल पहले न्यूजीलैंड में इकलौता शतक लगाया

न्यूजीलैंड में विराट कोहली की सबसे यादगार वनडे पारी 19 जनवरी 2014 को नेपियर में आई थी। उन्होंने 111 गेंदों पर 123 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड की धरती पर यह उनका इकलौता वनडे शतक है। इसी दौरे पर उन्होंने हैमिल्टन में 65 गेंदों पर 78 और ऑकलैंड में 70 गेंदों पर 62 रन की पारियां भी खेली थीं। वहीं, न्यूजीलैंड में रोहित शर्मा का सबसे बड़ा वनडे स्कोर 87 रन है। उन्होंने 26 जनवरी 2019 को माउंट माउंगानुई में यह पारी खेली थी। शिखर धवन के साथ उन्होंने पहले विकेट के लिए 154 रन जोड़े। धवन ने 66 रन बनाए। इस साझेदारी की मदद से भारत ने 50 ओवर में 4 विकेट पर 324 रन बनाए और मुकाबला 90 रन से जीत लिया। रोहित को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उस समय विराट कोहली टीम के कप्तान थे। भारत ने यह सीरीज 4-1 से जीती थी।

भारत के लिए ज्यादा वनडे रन बनाने वालों में दोनों टॉप-3 में

न्यूजीलैंड में ही नहीं, भारतीय वनडे क्रिकेट के इतिहास में भी रोहित और कोहली टॉप-3 हैं। भारत के लिए सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सचिन तेंदुलकर 18,426 रन के साथ पहले नंबर पर हैं। कोहली 15,109 रन बनाकर दूसरे और रोहित 12,120 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। कोहली ने 317 वनडे में 55 शतक और 79 अर्धशतक लगाए हैं। वहीं, रोहित ने 291 मैचों में 35 शतक और 63 अर्धशतक बनाए हैं। रोहित का बेस्ट स्कोर 264 रन है। यह वनडे क्रिकेट का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर भी है। दुनिया में सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वालों की सूची में कोहली दूसरे और रोहित सातवें नंबर पर हैं।

मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही उनके 14 साल लंबे शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत हो गया। 38 वर्षीय मैक्सवेल ने मंगलवार को 'द फाइनल वर्ड' पॉडकास्ट पर अपने फैसले की जानकारी दी। उन्होंने विक्टोरिया के लिए घरेलू क्रिकेट से भी संन्यास लेने का ऐलान किया। मैक्सवेल ने कहा कि 2028 ओलंपिक को देखते हुए आने वाले एक-दो वर्षों में क्रिकेट में कई बदलाव होंगे। ऐसे में युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने और दबाव का सामना करने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अब वह अपने शरीर पर अधिक ध्यान देना चाहते हैं, ताकि करियर के बाकी टूर्नामेंटों में खेल सकें।

'बिग शो' के नाम से मशहूर मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 149 वनडे, 130 टी20 अंतरराष्ट्रीय और सात टेस्ट मैच खेले। वह 2015 और 2023 में वनडे विश्व कप तथा 2021 में टी20 विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा रहे। उनके करियर की सबसे यादगार पारियों में 2023 विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ लगाया गया दोहरा शतक शामिल है। चोट और थकान से जूझने के बावजूद उन्होंने नाबाद 201 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को यादगार जीत दिलाई थी।

मैक्सवेल ने वनडे में 3,990 और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 2,897 रन बनाए। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 शतक और 136 विकेट भी दर्ज हैं।



14 साल के शानदार करियर का अंत, 2023 विश्व कप में दोहरे शतक से मचाया था धमाल

स्पोर्ट्स विंडो

लक्ष्य की नजर विश्व टूर फाइनल्स पर हाइलो ओपन की जीत से बढ़ा आत्मविश्वास

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन की निगाहें अब बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में शानदार प्रदर्शन करने पर टिकी हैं। हाइलो ओपन का खिताब जीतने के बाद लक्ष्य अपनी इस लय को आगामी टूर्नामेंटों में भी बरकरार रखना चाहते हैं। लक्ष्य ने कहा कि हाइलो ओपन की जीत से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद खिताब जीतना उनके लिए खास रहा। इस जीत के साथ वह विश्व रैंकिंग में आठ स्थान की छलांग लगाकर दसवें नंबर पर पहुंच गए हैं। विश्व टूर फाइनल्स में जगह बनाने के लिए लक्ष्य को शीर्ष आठ खिलाड़ियों में शामिल होना होगा। उन्होंने जापान और हांगकांग में होने वाले आगामी टूर्नामेंटों को महत्वपूर्ण बताया। 25 वर्षीय लक्ष्य ने स्वीकार किया कि पिछले कुछ महीनों में चोटों के कारण उनकी निरंतरता प्रभावित हुई है। लगातार यात्रा के चलते अभ्यास और खेल में नए प्रयोग करने का पर्याप्त समय भी नहीं मिल पाया। अब उनका लक्ष्य फिटनेस सुधारने और साल का अंत अच्छे प्रदर्शन के साथ करने पर है।



भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी वेलवन का कमाल, चेक ओपन में लहराया तिरंगा

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी वेलवन सेंथिलकुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेक ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया। ब्रनो में खेले गए 35 हजार अमेरिकी डॉलर इनामी टूर्नामेंट के फाइनल में उन्होंने स्कॉटलैंड के ग्रेग लोब्बन को हराया। विश्व रैंकिंग में 42वें स्थान पर काबिज और चौथी वरीयता प्राप्त सेंथिलकुमार ने शीर्ष वरीयता प्राप्त लोब्बन को 13-11, 11-5, 8-11, 11-7 से शिकस्त दी। यह उनके करियर का 12वां पीएसए टूर खिताब और दूसरा कॉपर-स्तरीय खिताब है। इससे पहले उन्होंने अगस्त में बुडापेस्ट ओपन जीता था। वहीं, फिलाडेल्फिया में चल रहे यूएस ओपन में भारतीय खिलाड़ियों को निराशा हाथ लगी। मिस्र के विश्व नंबर एक मुस्तफा असल ने पहले दौर में अभय सिंह को हराया। इसके बाद दूसरे दौर में उन्होंने वीर चोटरानी को भी सीधे गेम में शिकस्त दी।



हार्दिक की वापसी से सुलझेगी टीम इंडिया की बल्लेबाजी की गुत्थी: गिल

एजेंसी, ऑकलैंड। भारतीय वनडे कप्तान शुभमन गिल का मानना है कि हार्दिक पंड्या की टीम में वापसी से सातवें और आठवें नंबर के बल्लेबाज को लेकर चल रही परेशानी दूर हो जाएगी। इससे भारतीय टीम का संतुलन भी बेहतर होगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे से पहले गिल ने कहा कि हार्दिक शानदार खिलाड़ी हैं और उनमें खेल के हर चरण में प्रभाव छोड़ने की क्षमता है। वह बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में भी टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। हार्दिक आईपीएल के बाद चोट के कारण टीम से बाहर हैं। वापसी की तैयारी के दौरान उनकी पिंडली में खिंचाव आ गया था। गिल ने बताया कि उनकी हार्दिक से कई बार बातचीत हुई है। उम्मीद है कि वह फिट होकर पहले घरेलू क्रिकेट में कुछ मैच खेलेंगे और फिर भारतीय टीम में वापसी करेंगे।



मध्य पूर्व में संघर्ष के कारण एशियाई कप लगभग एक साल के लिए स्थगित

एजेंसी, कुआलालंपुर। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष और मेजबान सऊदी अरब में सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण 2027 में होने वाले एशियाई कप को लगभग एक साल के लिए स्थगित कर दिया है। एएफसी ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि सऊदी अरब के आयोजकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद उन्होंने इस टूर्नामेंट को स्थगित करने का फैसला किया। पहले यह टूर्नामेंट अगले साल सात जनवरी से शुरू होना था लेकिन अब यह 23 दिसंबर 2027 से खेला जाएगा। एएफसी ने 23 दिसंबर 2027 से 21 जनवरी 2028 तक इस टूर्नामेंट को आयोजित करने का फैसला किया है लेकिन इसे अभी विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा से मंजूरी मिलनी बाकी है। टूर्नामेंट को स्थगित करने के फैसले से पिछले कुछ महीनों से चल रही अटकलों पर भी विराम लग गया। एक महीने तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 24 टीमों को तीन शहरों रियाद, जेद्दा और खोबार के आठ स्थानों पर मैच खेलने हैं।



भारत के खिलाफ पहले वनडे से बाहर हुए न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवोन कॉनवे

एजेंसी, ऑकलैंड (न्यूजीलैंड)

भारत के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले से पहले न्यूजीलैंड की टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे चोट के कारण पहले वनडे मैच से बाहर हो गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत बुधवार यानी चार नवंबर से हो रही है। पहला मैच ऑकलैंड में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि मंगलवार को ईडन पार्क में अभ्यास सत्र के दौरान कैच पकड़ने की कोशिश में कॉनवे और उनके साथी खिलाड़ी मैट हेनरी के बीच टक्कर हो गई। इसके तुरंत बाद दोनों खिलाड़ियों को मैदान पर मौजूद मेडिकल स्टाफ ने प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद दोनों की सिर की चोट से जुड़ी जांच (हेड इंजरी असेसमेंट) की गई। जांच के बाद डेवोन कॉनवे को आगे की चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें कन्कशन (सिर में चोट के कारण मस्तिष्क पर असर) होने की पुष्टि हुई। इसी वजह से वह भारत के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार दोनों खिलाड़ियों की लगातार निगरानी की जाएगी। हालांकि, मैट हेनरी फिलहाल टीम में चयन के लिए उपलब्ध माने जा रहे हैं।



यशस्वी जायसवाल की फॉर्म में वापसी बोले- प्रक्रिया और अनुशासन पर दिया पूरा ध्यान

एजेंसी, क्राइस्टचर्च। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच में शानदार शतक लगाकर फॉर्म में वापसी की है। उन्होंने मंगलवार को मैच की दूसरी पारी में नाबाद 155 रन बनाए। मुकाबला ड्रॉ रहा। जायसवाल ने अपनी अच्छी बल्लेबाजी का श्रेय प्रक्रिया, दिनचर्या और अनुशासन को दिया। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में रन बनाना आसान नहीं है और इसके लिए बल्लेबाज को धैर्य रखना पड़ता है। उन्होंने बताया कि यहां ठंड के कारण गेंद शुरुआत में काफी स्विंग और सीम होती है। गेंद पुरानी होने या विकेट बेहतर होने पर बल्लेबाजी करना कुछ आसान हो जाता है। जायसवाल ने कहा कि वह अपने शरीर के करीब रहकर खेलने पर ध्यान देते हैं और परिस्थितियों के अनुसार अपने स्टांस में बदलाव करते हैं। भारत को 19 नवंबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलनी है।



हाइलो ओपन-2026 का खिताब जीतकर पीवी सिंधु विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर

एजेंसी, नई दिल्ली

जर्मनी में हाल ही में हुए 'हाइलो ओपन-2026' में खिताब जीतने के बाद भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अपनी विश्व रैंकिंग में और सुधार करके छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। महिला सिंगल्स के फाइनल में भारतीय खिलाड़ी ने डेनमार्क की लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ड को 21-12, 21-14 से हराकर इस सीजन का अपना दूसरा खिताब जीता। इससे पहले, उन्होंने इस साल 'जापान ओपन' का खिताब भी अपने नाम किया था।

इस 'सुपर 500' खिताब से उन्हें 9,200 अंक मिले, जिससे बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग के ताजा अपडेट में वह दो स्थान ऊपर आ गईं। एक हफ्ते पहले 'फ्रेंच ओपन' में शानदार प्रदर्शन के बाद सिंधु टॉप-10 में शामिल हुई थीं (तीन स्थान की छलांग लगाकर आठवें नंबर पर पहुंची थीं), जहां फाइनल में उन्हें विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी एन से-यंग से हार का सामना करना पड़ा था।

इससे पहले वह अक्टूबर, 2022 में टॉप-5 में थीं, जब वह कुछ समय के लिए विश्व की नंबर 5 खिलाड़ी बनी थीं। महिला एकल वर्ग में अन्य भारतीय खिलाड़ियों की बात करें, तो तन्वी शर्मा एक स्थान ऊपर चढ़कर 21वें नंबर पर आ गई हैं, जबकि उन्नति हुड्डा दो स्थान नीचे खिसककर 23वें नंबर पर पहुंच गई हैं। पुरुष एकल वर्ग में लक्ष्य सेन ने भी सुधार किया है।



केंद्र सरकार ने 90 साल पुराने नियमों की जगह नए नियम किए अधिसूचित

नए विमान नियम जनवरी 2027 से होंगे लागू

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने विमानन क्षेत्र में नियामकीय व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 90 साल पुराने विमान नियमों की जगह भारतीय वायुयान नियम-2026 अधिसूचित कर दिए हैं। नए नियम 1 जनवरी, 2027 से पूरे देश में लागू होंगे। इनके लागू होने के बाद विमान नियम, 1937 का स्थान नए प्रावधान ले लेंगे। नई व्यवस्था का उद्देश्य हवाई यात्रा से जुड़े नियमों को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाना है। हालांकि, पुराने नियमों की तुलना में नए नियमों में किए गए सभी विशिष्ट बदलावों की विस्तृत जानकारी तत्काल सामने नहीं आई है।

नई व्यवस्था के तहत एयरलाइन कंपनियों को टिकट बुकिंग के समय यात्रियों को किराये और अन्य शुल्कों का पूरा ब्योरा देना अनिवार्य होगा। यह जानकारी केवल बुकिंग वेबसाइट तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि जारी किए जाने वाले टिकट पर भी स्पष्ट रूप से उपलब्ध करानी होगी।



असाधारण हालात में सरकार तय करेगी किराया

नए नियमों के तहत एयरलाइन कंपनियों की ओर से निर्धारित किराये की निगरानी नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) करेगा। इसका उद्देश्य विमानन क्षेत्र में पारदर्शिता बनाए रखना और यात्रियों के हितों की रक्षा करना है। भारतीय वायुयान नियम-2026 को भारतीय वायुयान विधेयक-2024 के प्रावधानों के तहत तैयार किया गया है। इस विधेयक ने 90 साल पुराने विमान अधिनियम, 1934 का स्थान लिया था। नए नियमों के माध्यम से सरकार विमानन क्षेत्र की बदलती जरूरतों के अनुरूप नियामकीय ढांचे को नया स्वरूप देना चाहती है।

यात्रियों के हितों की रक्षा पर जोर

नए नियमों में केंद्र सरकार को असाधारण परिस्थितियों में हवाई किराये के मामले में हस्तक्षेप करने का अधिकार भी दिया गया है। इसके तहत यदि सरकार की राय में कोई असाधारण स्थिति उत्पन्न होती है तो वह जनहित में आवश्यक और उचित समझे जाने वाले निर्देश लिखित आदेश के माध्यम से जारी कर सकती है। हालांकि, नियमों में असाधारण स्थिति की स्पष्ट परिभाषा नहीं दी गई है।

एनएसई आईएक्स पर अब रोजाना 23 घंटे 30 मिनट होगी ट्रेडिंग

एजेंसी, मुंबई। गुजरात की गिफ्ट सिटी स्थित एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज (एनएसई आईएक्स) पर अब रोजाना 23 घंटे 30 मिनट तक कारोबार होगा। एक्सचेंज ने ट्रेडिंग का समय बढ़ाकर लगभग पूरे दिन कर दिया है। नई व्यवस्था सोमवार से लागू हो गई है। इसके तहत एक्सचेंज 24 घंटे में केवल आधे घंटे के लिए तकनीकी रखरखाव के उद्देश्य से बंद रहेगा। एक्सचेंज की ओर से जारी बयान के अनुसार, भारतीय समयानुसार ट्रेडिंग सुबह 3:15 बजे शुरू होकर अगले दिन तड़के 2:45 बजे तक चलेगी। इस दौरान रात 12 बजे तारीख बदलने की प्रक्रिया भी कारोबार रोके बिना पूरी होगी। इस फैसले का मुख्य उद्देश्य दुनिया के अलग-अलग समय क्षेत्रों में मौजूद निवेशकों को एक ही मंच पर लगातार कारोबार की सुविधा देना है। खासकर एशिया, यूरोप और अमेरिका के निवेशक अब अपने स्थानीय बाजारों के समय के अनुसार एनएसई आईएक्स पर कारोबार कर सकेंगे।

सेंसेक्स 1,225 अंक चढ़कर 76,918 पर बंद, निफ्टी भी 370 अंक ऊपर

ऑटो और एफएमसीजी शेयरों में खरीदारी से बाजार गुलजार

एजेंसी, मुंबई

भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार दूसरे कारोबारी दिन जोरदार तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 1,225 अंक यानी 1.62 प्रतिशत की बढ़त के साथ 76,918 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 370 अंक यानी 1.58 प्रतिशत उछलकर 23,811 पर पहुंच गया। बाजार में ऑटो, एफएमसीजी और रियल्टी कंपनियों के शेयरों में निवेशकों ने जमकर खरीदारी की। इससे पहले सोमवार को भी सेंसेक्स 1,233 अंक और निफ्टी 388 अंक चढ़कर बंद हुआ था।

बाजार में तेजी के पीछे विदेशी निवेशकों की खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी को प्रमुख वजह माना जा रहा है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआइआइ) ने सोमवार को 3,115 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।



शेयर बाजार में लौटी रौनक, लगातार दूसरे दिन बड़ी बढ़त

पिछले सात कारोबारी दिनों में उनकी कुल खरीदारी 6,642 करोड़ रुपये रही। इसके अलावा ब्रेंट क्रूड की कीमत घटकर 105 डॉलर प्रति बैरल पर आने से भी बाजार को सहारा मिला। भारत अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल आयात करता है, इसलिए कीमतों में गिरावट अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक मानी जाती है। निफ्टी में बीएसई, नेस्ले और टाटा कंज्यूमर के शेयर प्रमुख बढ़त वाले शेयरों में शामिल रहे।

कच्चे तेल में नरमी और विदेशी निवेश से बाजार को मजबूती

वहीं, पावरग्रिड, एसबीआइ और ओएनजीसी के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, एसएफसी एनवायरनमेंट टेक्नोलॉजीज का शेयर अपने 330 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले करीब आठ प्रतिशत प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुआ।

बढ़ोतरी एसबीआई की ब्याज आय 49,142 करोड़ रुपए पर पहुंची, शेयर में एक प्रतिशत की तेजी

एसबीआई का मुनाफा 14% बढ़कर 23,038 करोड़ पहुंचा

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए 23,038 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में दर्ज 20,160 करोड़ रुपये के मुनाफे की तुलना में करीब 14 प्रतिशत अधिक है। बैंक की ब्याज से होने वाली कमाई में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सितंबर तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय (नेट इंटरेस्ट इनकम) सालाना आधार पर करीब 15 प्रतिशत बढ़कर 49,142 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा लगभग 42,847 करोड़ रुपये था। बैंक के बेहतर नतीजों ने बाजार के अनुमानों को भी पीछे छोड़ दिया। विश्लेषकों ने एसबीआई का मुनाफा करीब 22,860 करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया था, जबकि बैंक ने इससे अधिक कमाई दर्ज की।

तिमाही नतीजों की घोषणा के बाद शेयर बाजार में एसबीआई के शेयर में तेजी देखने को मिली। बैंक का शेयर करीब एक प्रतिशत बढ़कर 995 रुपये के स्तर पर कारोबार करता रहा। पिछले एक महीने में इसमें चार प्रतिशत और एक साल में पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि, बीते छह महीनों के दौरान बैंक के शेयर में सात प्रतिशत की गिरावट भी आई है। बैंक का बाजार पूंजीकरण लगभग 9.15 लाख करोड़ रुपये बताया गया है। बेहतर मुनाफे और ब्याज आय के आंकड़ों को निवेशकों ने सकारात्मक रूप में लिया।

बैंक की कारोबार संबंधी स्थिति में भी मजबूती देखने को मिली है। 30 सितंबर 2026 तक एसबीआई का कुल कर्ज यानी ग्रॉस एडवांसेज सालाना आधार पर 7.84 प्रतिशत बढ़कर करीब 52 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं, ग्राहकों की ओर से जमा कराई गई कुल राशि में 12.27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 63 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। बचत और चालू खातों में जमा राशि यानी कासा में भी 8.13 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह बैंक की कुल जमा राशि का 38.3 प्रतिशत हिस्सा है। दूसरी ओर, फिक्स्ड डिपॉजिट के माध्यम से जमा राशि में 14.26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इससे बैंक की जमा स्थिति को मजबूती मिली है।

एसबीआई की परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। बैंक के कर्ज की वसूली बेहतर होने से फंसे हुए कर्ज का अनुपात कम हुआ है। सितंबर तिमाही में बैंक का शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (नेट एनपीए) अनुपात घटकर 0.36 प्रतिशत रह गया। इससे पिछली तिमाही में यह 0.38 प्रतिशत और पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 0.42 प्रतिशत था। नेट एनपीए में लगातार कमी बैंक के लिए सकारात्मक संकेत है। इससे पता चलता है कि बैंक के कुल कर्ज की तुलना में फंसे हुए कर्ज का हिस्सा कम हो रहा है और वसूली की स्थिति में सुधार हुआ है।



ब्रोकरेज फर्मों ने बढ़ाए लक्ष्य

एसबीआई के मजबूत नतीजों और बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता को देखते हुए कई ब्रोकरेज फर्मों ने शेयर को लेकर सकारात्मक रुख अपनाया है। मोतीलाल ओसवाल ने शेयर के लिए 1,370 रुपये का लक्ष्य तय करते हुए खरीदने की सलाह दी है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने 1,300 रुपये, एक्सिस डायरेक्ट ने 1,280 रुपये और प्रभुदास लीलाधर ने 1,200 रुपये का लक्ष्य दिया है। इन फर्मों ने बैंक की कर्ज वृद्धि, बेहतर मार्जिन, आय में बढ़ोतरी और फंसे कर्ज में कमी को सकारात्मक पहलू माना है।

देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक

एसबीआई देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक है। इसमें भारत सरकार की 55.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एक जुलाई 1955 को स्थापित इस बैंक का मुख्यालय मुंबई में है। देशभर में इसकी 22,500 से अधिक शाखाएं हैं।

बायोइकोनॉमी को मिलेगी नई रफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने देश की जैव अर्थव्यवस्था (बायोइकोनॉमी) को नई गति देने के लिए नियामकीय मंजूरियों की प्रक्रिया तेज करने और स्टार्टअप्स के लिए वित्त पोषण की व्यवस्था आसान बनाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि भारत की वैज्ञानिक क्षमताओं और उद्यमशीलता प्रतिभा का बेहतर उपयोग करके देश को बायोइकोनॉमी के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी बनाया जा सकता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, गोयल ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन में आयोजित उच्चस्तरीय गोलमेज बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का विषय भारत में बायोइकोनॉमी के अवसर और नवाचार एवं विकास में स्टार्टअप्स की भूमिका रहा। इसका आयोजन उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने नीति आयोग और नीति फ्रंटियर टेक हब के सहयोग से किया। बैठक में बायोफार्मा और बायोटेक्नोलॉजी स्टार्टअप्स के सामने आने वाली चुनौतियों तथा विकास की संभावनाओं पर चर्चा हुई। गोयल ने पेटेंट मंजूरियों में तेजी लाने, साझा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और उद्योग, शिक्षण संस्थानों तथा सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने बैठक से निकले सुझावों पर निर्धारित समयसीमा में कार्रवाई करने का आह्वान भी किया।